राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

04 सरकारी खरीद की प्रक्रिया को जेम ने बनाया आसान....

वैभव सूर्यवंशी नेट्स मे डिफेंस की प्रैटिस करते.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 110 | नई दिल्ली, बुधवार, 12 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 37.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	90%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,50,840

चांदी 2,45,000

सेंसेक्स 78,542.44

निफ्टी 24,583.80

राष्ट्रध्वज हमारी भावनाओं से जुड़ा, दिल्ली विधानसभा में तिरंगा यात्रा के बाद बोले भाजपा विधायक

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को विधायकों के साथ दिल्ली विधानसभा परिसर में तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा महात्मा गांधी की प्रतिमा से शुरू होकर डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर समाप्त हुई। नेताओं ने इसे देश की एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान में निहित आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। यात्रा के बाद नेताओं ने कहा कि ह्रहर घर तिरंगा अभियान से लोगों में देशभक्ति की भावना और मजबूत होगी। डिप्टी स्पीकर और भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, ह्रतिरंगा यात्रा किसी न किसी तरह हमारे सम्मान, गरिमा और आत्म-सम्मान से जुड़ी है। तिरंगा केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं है। यह हमारी भावनाओं से जुड़ा है। तिरंगे में अशोक चक्र हमें समय के बीतने के बारे में बताता है। जब हम तिरंगे के अन्य तत्वों को देखते हैं, तो यह निश्चित रूप से हमारे भीतर आत्म-सम्मान और गर्व की भावना जगाता है। उन्होंने कहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्रहर घर तिरंगाह्न कार्यक्रम शुरू किया, तो हर भारतीय को लगा कि यह तिरंगा, अपने तीन रंगों के साथ, कोई साधारण चीज नहीं है। इसी तिरंगे के लिए सीमाओं पर वीरों ने स्वेच्छा से गोलियों का सामना किया और अपनी जान की कुर्बानी तक दी। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने लोगों से अपील करते हुए कहा, ह्रआइए हम सब तिरंगे की छाया में देश और दिल्ली की सेवा करने का संकल्प लें। तिरंगा इस देश के सम्मान, गर्व और गौरव का प्रतीक है ह्न मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह ने कहा, ह्रआज, हम सिर्फ तिरंगा यात्रा नहीं निकाल रहे हैं। देश का हर नागरिक इससे जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने योग दिवस से लेकर अन्य राष्ट्रीय अवसरों तक, विभिन्न कार्यक्रमों को पूरे देश के लिए कार्यक्रमों में बदल दिया है।

संसद में विपक्षी हंगामे के बीच एनडीए ने की मंगल मिलन बैठक

–पीएम मोदी और सांसदों ने तिरंगा लहराकर एकता का संदेश दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को संसद भवन परिसर में एनडीए सांसदों की साप्ताहिक ह्यमंगल मिलनह्न बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और एनडीए के अन्य दिग्गज नेताओं ने तिरंगा लहराकर देश की एकता और अखंडता का कड़ा संदेश दिया। मानसून सत्र में विपक्ष पर घेराबंदी मानसून सत्र के अंतिम दिनों में सत्ता पक्ष ने विपक्ष के हंगामे के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है। एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में विरोध मार्च निकालकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर झारखंड के छात्र प्रदर्शन और दोहरे मापदंड को लेकर जोरदार निशाना साधा है। गृह मंत्री अमित शाह दे सकते हैं जवाब विपक्ष द्वारा राम मंदिर चढ़ावा चोरी और छात्र प्रदर्शन के मुद्दों पर लगातार हंगामा किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इन सभी गंभीर मुद्दों पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में विस्तार से जवाब दे सकते हैं।

गृह मंत्री बिंदुवार जवाब देने को तैयार आप सदन से भागिए मत सुधांशु त्रिवेदी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्हें बिगड़ा हुआ शहजादा बताया है। उन्होंने कहा कि ह्लहोंगे राजे-राजकुमार, ये बिगड़े दिल शहजादेह्ल जब जब सदन में एचएम और पीएम बोले, यह तब तब सदन छोड़कर भागे। भाजपा सांसद का यह तंज उस वक्त आया है, जब राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके मुद्दों के सामने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह सदन में उनके सामने खड़े नहीं हो सकते। नई दिल्ली में मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा सांसद ने दावा किया और राहुल गांधी को चुनौती दी है कि गृह मंत्री सदन में आकर बिंदुवार जवाब देने को तैयार हैं, इसीलिए सदन छोड़कर आप न भागे। उन्होंने कहा कि जिनका इतिहास ही सदन छोड़ने का है उन्हें दूसरों पर उंगली नहीं उठानी चाहिए। राहुल गांधी को डरना नहीं चाहिए बल्कि सदन में गृहमंत्री का जवाब सुनना चाहिए। रांची में छात्रों के आंदोलन का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि रांची में अनुशासित, मर्यादित छात्र जो पूर्णतः गैर राजनीतिक, सामान्य, समुचित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, उनके साथ जो व्यवहार हो रहा है वह अनुचित है। राहुल गांधी के कान पूरी तरह से बंद हैं। रांची के छात्रों की गूंज उन्हें सुनाई नहीं दे रही है। सत्र के दौरान सदन से भागते हैं और सत्र के बाद विदेश भागते हैं।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई में ब्रिक्स फ्रेंडशिप सिटीज कॉन्क्लेव शुरू राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे हुए शामिल

मुंबई। ब्रिक्स फ्रेंडशिप सिटीज कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन 11 और 12 अगस्त को मुंबई के फोर सीजन्स होटल में हो रहा है। इसका आयोजन ह्यमुंबई फर्स्टह्न द्वारा केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। इस सम्मेलन में ब्रिक्स और साझेदार देशों के 15 शहरों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इसका मुख्य फोकस सतत शहरी विकास पर है। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह गर्व की बात है कि मुंबई में ब्रिक्स फ्रेंडशिप सिटीज कॉन्क्लेव 2026 शुरू हो गया है। हम मुंबई फर्स्ट का धन्यवाद करते हैं। शहर सिर्फ ईंट और कंक्रीट की इमारतें नहीं होते। वे देश की आर्थिक प्रगति के विकास इंजन (ग्रोथ इंजन) होते हैं। इसलिए, शहरीकरण को समस्या के तौर पर नहीं, बल्कि एक बड़े अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए। आज शहरों के सामने आने वाली चुनौतियां एक जैसी हैं, इसलिए उनके समाधान भी सीमाओं से परे जाकर खोजने होंगे। लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के जरिए 21वीं सदी के नागरिक-केंद्रित शहर बनाने के लिए, ब्रिक्स देशों के शहरों को अपने अनुभव, तकनीक और नवाचार एक-दूसरे के साथ साझा करने चाहिए। सम्मेलन में शहरी विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हो रही है। जिसमें, जलवायु के प्रति लचीलापन और तटीय इलाकों में अनुकूलन, शहरी आवागमन और सार्वजनिक परिवहन, गवर्नेंस में डिजिटल बदलाव और एआई, ब्रिक्स और सहयोगी देशों के बीच शहरों का आपसी सहयोग मुख्य रूप से शामिल हैं।

संसद परिसर में विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के सांसदों ने चढ़ावा चोरी तथा विद्यार्थियों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब देने की अपनी मांगों के समर्थन में मंगलवार को भी संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारी सांसद हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारी सांसद गृहमंत्री अमित शाह से पुलिस कार्रवाई पर जवाब देने और चढ़ावा चोरी मामले की व्यापक जांच करने की मांग कर रहे थे। बारिश की बौछारों के बीच प्रदर्शन करने वाले सांसदों में कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, अवधेश प्रसाद, तृणमूल कांग्रेस की प्रतिमा मंडल, झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना (उद्धव) गुट तथा अन्य कई दलों के संसद सदस्य मौजूद थे।

उज्ज्वल निकम, कंगना रनौत और तरुण चुघ ने राहुल गांधी को घेरा, झारखंड मुद्दे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। झारखंड में ह्यविधानसभा घेरावह्न के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर मंगलवार को संसद में सियासी घमासान तेज हो गया। एनडीए सांसदों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए झारखंड की घटना पर जवाब देने की मांग की। भाजपा सांसद उज्ज्वल निकम ने आरोप लगाया कि पिछले दो सप्ताह से संसद की कार्यवाही बाधित है और न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा में जरूरी मुद्दों पर चर्चा हो पा रही है। उन्होंने कहा कि बहस लोकतंत्र के लिए जरूरी है, लेकिन कांग्रेस पार्टी जिस तरह से सदन की कार्यवाही को बाधित कर रही है, वह शर्मनाक है। उज्ज्वल निकम ने कहा कि झारखंड में छात्रों की पिटाई के मुद्दे पर विपक्ष चर्चा नहीं कर रहा है और राहुल गांधी को इस मामले पर जवाब देना चाहिए। भाजपा सांसद तरुण चुघ ने राहुल गांधी पर ह्यदोहरा रवैयाह्न अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सदन से भी भाग रहे हैं और झारखंड में बच्चों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे पर भी चुप हैं। चुघ के मुताबिक देश राहुल गांधी की इस दोहरी नीति को देख रहा है और उन्हें संसद में इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी झारखंड की घटना को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में छात्रों के साथ हिंसा हो रही है और इस मामले में राहुल गांधी से सवाल किया जाना चाहिए। रनौत ने दावा किया कि राहुल गांधी चर्चा से इनकार कर रहे हैं। पहले विपक्ष की ओर से कुछ अन्य विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा की मांग की गई, लेकिन चर्चा का अवसर मिलने पर भी उसे स्वीकार नहीं किया गया।

भारतीय और अमेरिकी नौसेनाओं ने कोच्चि में किया संयुक्त ईओडी अभ्यास

प्रात: किरण, एजेंसी

कोच्चि। भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना कोच्चि में सदर्न नेवल कमांड में 10 से 14 अगस्त तक पांच दिन का द्विपक्षीय ह्यएक्सप्लोसिव ऑर्डनेंस डिस्पोजलह्न (ईओडी) अभ्यास कर रही हैं। इसका मकसद दोनों नौसेनाओं की स्पेशलिस्ट डाइविंग और ईओडी टीमों के बीच आपसी तालमेल को बेहतर बनाना है। 10 अगस्त को शुरू हुए इस अभ्यास का उद्देश्य पेशेवर सहयोग को मजबूत करना और मौजूदा ईओडी चुनौतियों से निपटने में विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञों का आदान-प्रदान, क्रॉस-ट्रेनिंग, उपकरणों का प्रदर्शन और हालात पर आधारित प्रैक्टिकल ट्रेनिंग शामिल है। यह दोनों नौसेनाओं के कर्मियों को मौजूदा ईओडी तकनीकों, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और बेहतरीन ऑपरेशनल तरीकों को साझा करने का मौका देता है। यह अभ्यास दोनों पक्षों को एक-दूसरे की क्षमताओं, ऑपरेशनल कॉन्सेप्ट और पेशेवर तरीकों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, साथ ही मिलकर सीखने और ऑपरेशनल तालमेल को बढ़ावा देता है। संयुक्त ट्रेनिंग और बातचीत के जरिए, इस अभ्यास से कर्मियों को प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, आपसी समझ बढ़ाने और जटिल व बदलती ईओडी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने की क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना 2005 से संयुक्त साल्वेज और ईओडी अभ्यास कर रही हैं। कोच्चि में हो रहा यह अभ्यास इस खास द्विपक्षीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का आठवां संस्करण है।

दिल्ली अक्षरधाम में आध्यात्मिक एवं विरासत पर्यटन सम्मेलन 2026 : सीएम रेखा गुप्ता ने लॉन्च किए चार नए टूरिज्म सर्किट

नई दिल्ली। दिल्ली की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को अक्षरधाम मंदिर परिसर में चार नए टूरिज्म सर्किट लॉन्च किए। इस कार्यक्रम में संबंधित मंत्रालय के विशेष अधिकारियों समेत, गणमान्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम जन नागरिक उपस्थित रहे। ह्यआध्यात्मिक एवं विरासत पर्यटन सम्मेलन 2026ह्न के शीर्षक तले आयोजित इस कार्यक्रम को दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित किया गया। सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान अक्षरधाम परिसर में एक विशेष ह्यहेरिटेज वॉकह्न का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने दिल्ली की सांस्कृतिक और स्थापत्य धरोहर से जुड़ी बारीकियों की जानकारी हासिल की। आपको बता दें कि अक्षरधाम की दिव्य पवित्र भूमि पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। सद्गुरु ने अक्षरधाम मंदिर के दर्शन किए और मंदिर की आध्यात्मिक गरिमा को सराहा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अक्षरधाम परिसर की पवित्रता और आध्यात्मिक अनुभूति में इस कार्यक्रम के लोकार्पण करते हुए खुशी जाहिर की। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ। पर्यटन विभाग द्वारा विमोचित ये चार नए सर्किट राजधानी के प्रमुख मंदिरों, अन्य धार्मिक स्थानों के साथ-साथ उन ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों को भी आपस में जोड़ते हैं जो अभी तक पर्यटन के नक्शे में कम चर्चित रहे हैं।

अमित शाह के समर्थन में एनडीए सांसदों ने निकाला मार्च, झारखंड मुद्दे पर विपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समर्थन और विपक्ष के विरोध में एनडीए सांसदों ने मंगलवार को संसद के मकर द्वार की ओर मार्च किया। उन्होंने झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जवाब मांगा। भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा, ह्यहम सब हर चर्चा के लिए तैयार हैं, उसके बाद भी राहुल गांधी चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। हर बार सदन की कार्यवाही को रोक रहे हैं, इसलिए हम लोग उनके खिलाफ मार्च कर रहे हैं। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा,ह्लझारखंड के युवाओं के साथ न्याय हो। उन पर जिस तरह से अत्याचार किया गया ये राहुल गांधी की सोच दिखाती है कि उनके समर्थक राज्य में कैसे युवाओं के साथ अत्याचार हो रहा है और न्याय नहीं हो रहा है। दूसरी ओर वे गृह मंत्री से जवाब मांगते हैं और खुद सदन में नहीं आते हैं। गृह मंत्री जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए झूठे बयान दे रहे हैं। झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में मार्च निकाला। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, ह्लकांग्रेस पार्टी ह्यझूठ की दुकानह्न बन गई है। कांग्रेस छात्रों का इस्तेमाल करके राजनीति करने की कोशिश करती है, लेकिन जब छात्रों को न्याय दिलाने की बात आती है तो राहुल गांधी, कांग्रेस और उनके सहयोगी पीछे हट जाते हैं भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, ह्लरांची में जिस तरह से उनकी सरकार है और जिस तरह से पुलिस ने लाठीचार्ज किया है, वाटर कैनन चलाए हैं आज वे चुप हैं? यहां पर हंगामा है। आज उनकी चुप्पी से वे देश के सामने बेनकाब हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, ह्लजिस तरह से विपक्ष पूरे सत्र को बाधित करता रहा। आज जब सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है तो विपक्ष गोलपोस्ट बदलता रहता है। कभी कहता है कि वे एक मुद्दा उठाना चाहते हैं, तो कभी दूसरे पर जवाब मांग रहे हैं। गोलपोस्ट बदलते रहने की विपक्ष और राहुल (गांधी) की

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लॉन्च किया नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आईसीएआर-आईएआरआई पूसा में नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से देशभर के कृषि विद्यार्थियों की स्कॉलरशिप/फेलोशिप राशि जारी की। इस पहल के तहत 6,000 से अधिक विद्यार्थियों को कुल 21.35 करोड़ रुपए की राशि सीधे उ्ह्ळ के माध्यम से दी गई। इस नई पहल से अब कृषि विद्यार्थियों को हर महीने बिना किसी परेशानी के स्कॉलरशिप डीबीटी द्वारा मिल जाएगी। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि स्कॉलरशिप केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि शिक्षा को अधिक सशक्त, व्यावहारिक और अवसरों से जुड़ा बनाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि अब उ्ह्ळ व्यवस्था से विद्यार्थियों को समय पर मदद मिलेगी और पारंपरिक देरी की समस्या खत्म होगी। शिवराज सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि शिक्षा में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग बेहद जरूरी है, क्योंकि केवल कक्षा-आधारित पढ़ाई से अच्छे किसान, वैज्ञानिक या कृषि उद्यमी नहीं बन सकते। उन्होंने छात्रों से सुझावों और सुधारात्मक विचारों को साझा करने की अपील भी की। श्री चौहान ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सरकार कृषि क्षेत्र में फूड सिक्योरिटी, न्यूट्रिशन और किसान आय सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने क्ळअफके वैज्ञानिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके शोध और किसानों के परिश्रम से देश के अन्न भंडार मजबूत हुए हैं। उन्होंने युवाओं को करियर के साथ-साथ बड़े लक्ष्य तय करने और देश के लिए कुछ सार्थक करने की प्रेरणा दी। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि विद्यार्थी केवल रोजगार तक सीमित न रहें, बल्कि नवाचार, स्टार्टअप और अनुसंधान में भी अग्रणी भूमिका निभाएँ। शिवराज सिंह ने कहा कि ठरढ-उ्ह्ळ प्रणाली से अब स्कॉलरशिप वितरण अधिक पारदर्शी, तेज और निर्बाध होगा। इससे विद्यार्थियों को समय पर वित्तीय सहायता मिलेगी और शिक्षा पर उनका ध्यान अधिक केंद्रित रह सकेगा। यह संदेश भी दिया गया कि कृषि शिक्षा को तकनीक, प्रशिक्षण और उद्योग-उन्मुखता के साथ जोड़कर ही भविष्य की चुनौतियों का बेहतर समाधान किया जा सकता है। श्री चौहान ने हरियाली अमावस्या के अवसर पर देशभर के क्ळअफ संस्थानों में कृषि विद्यार्थियों से पौधारोपण करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हरित पहलें कृषि और पर्यावरण, दोनों के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का हिस्सा हैं।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, पाकिस्तान-बांग्लादेश की सीमाओं पर बढ़ाई नगिरानी

नई दिल्ली। भारत सरकार पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) समर्थित तत्व कोई नापाक हरकत कर सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस से पहले मिली कई खुफिया रिपोर्टों में चेतावनी दी गई है कि पाकिस्तान केवल सीमा क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि देश के अंदर भी किसी बड़े हमले की कोशिश कर सकता है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी ने बताया कि आईएसआई को लगता है कि सुरक्षा एजेंसियों का पूरा ध्यान, खासकर दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में, 15 अगस्त के समारोहों पर केंद्रित रहेगा।

संदोष कुमार ने निर्मला सीतारमण की टिप्पणियां राज्यसभा रिकॉर्ड से हटाने की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) राज्यसभा सांसद पी. संदोष कुमार ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में कम्युनिस्ट आंदोलन के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को राज्यसभा के रिकॉर्ड से हटाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में राज्यसभा सभापति सी.पी. राधाकृष्णन को मंगलवार को पत्र लिखा है। श्री कुमार ने कहा कि आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 को निरस्त करने की मांग वाली चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ने भाकपा सांसद जॉन ब्रिटास के संदर्भ में कम्युनिस्टों को ह्लटोटल कायरह्न बताते हुए पूरे कम्युनिस्ट आंदोलन पर टिप्पणी की।भाकपा सांसद ने इन टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि राजनीतिक असहमति को व्यक्तिगत अपमान या किसी पूरे राजनीतिक आंदोलन के अपमानजनक चरित्र चित्रण तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्टों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया, जेल और अंग्रेजी शासन के अत्याचार और दमन झेला और लोकतंत्र, श्रमिक अधिकार, सामाजिक न्याय और जनता के अधिकारों के संघर्ष में महत्वपूर्ण बलिदान दिए।

उन्होंने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और गोलीबारी को लेकर सरकार से सदन में जवाब देने की मांग की।

संसद में विपक्ष का हंगामा, खड़गे बोले-हमारी मांग नहीं बदली

प्रात: किरण, एजेंसी

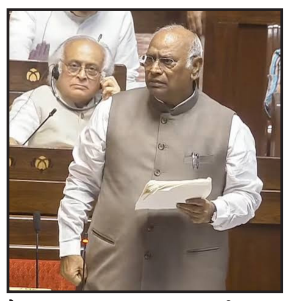

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष का सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष अपनी मांगों पर कायम है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और गोलीबारी को लेकर सरकार से सदन में जवाब देने की मांग की। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम अपना रुख नहीं बदल रहे हैं। शुरू से लेकर अब तक हमारी मांग वही रही है। हमारे तीन मुद्दे हैं। छात्रों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि यह कार्रवाई किसके आदेश पर की गई। उन्होंने कहा कि सरकार को सदन में यह बताना चाहिए कि आदेश किसने दिया और पूरी घटना कैसे हुई। खड़गे के मुताबिक, घटना को 18 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सरकार अब तक बयान देने को तैयार नहीं है। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने भी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग स्पष्ट है कि गृह मंत्री सदन में आकर चंदा घोटाले और छात्रों पर हुए कथित अत्याचारों पर बयान दें। खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी माफी मांगने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष पिछले 17-18 दिनों से लगातार इन मुद्दों को उठा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा। खेड़ा ने अपने बयान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ह्लवे खुद को ह्यलौह पुरुषह्न कहते हैं, लेकिन उस लोहे में जंग लग चुका है। उन्होंने फ्ज़र को लेकर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर संगठन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री को सदन में पूरी तैयारी के साथ आना चाहिए और सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि छात्रों पर लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया।

'हर-हर महादेव' से गूंजा केदारनाथ, अब तक 14.45 लाख श्रद्धालु कर चुके दर्शन

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा. सुबह से ही देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की भारी भीड़ बाबा केदार के दर्शनों के लिए उमड़ी रही. बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार बदलते मौसम के बावजूद शिवभक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी. 'बम-बम भोले', 'हर-हर महादेव' और 'जय बाबा केदार' के जयघोष से केदारपुरी एवं यात्रा मार्ग भक्तिमय नजर आया. कांवड़िए गंगाजल लेकर कठिन पैदल यात्रा करते हुए बाबा केदार की नगरी पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक कर पुण्य अर्जित किया. बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा था. कई श्रद्धालु प्रतिकूल मौसम के बावजूद पैदल मार्ग पर आगे बढ़ते रहे. केदारनाथ पहुंचकर श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए और सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना की. हर तरफ श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए. अब तक 14,45,946 श्रद्धालु कर चुके बाबा केदार के दर्शनः केदारनाथ धाम की यात्रा इस साल लगातार नए आंकड़े स्थापित कर रही है. अब तक 14,45,946 श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं. श्रावण मास के अंतिम सोमवार को उमड़ी भीड़ ने एक बार फिर बाबा केदार के प्रति देशभर के श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को प्रदर्शित किया. यात्रा में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या से केदारघाटी में भी उत्साह का माहौल है. बारिश के बीच प्रशासन अलर्ट, यात्रा मार्ग पर निगरानीः मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर रही. केदारनाथ यात्रा मार्ग से लेकर धाम तक सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की आवाजाही पर लगातार निगरानी रखी गई. वहीं, यात्रा मार्ग के संवेदनशील स्थानों पर संबंधित विभागों की टीमें सतर्क रहीं. प्रशासन की ओर से मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए आवश्यकता के अनुसार व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया. यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन की टीमें लगातार सक्रिय हैं. अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं. यात्रा मार्ग पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों को सतर्क रखा गया है. श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष फोकसः केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं. धाम में श्रद्धालुओं के लिए रहने से लेकर तमाम व्यवस्थाएं की गई है. भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं की लगातार निगरानी की जा रही है. प्रशासन की विभिन्न टीमें मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रही हैं और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. वहीं, श्रावण के अंतिम सोमवार को केदारनाथ धाम का पूरा वातावरण शिवमय और भक्तिमय नजर आया. बारिश की फुहारों के बीच हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी और हर-हर महादेव के जयघोष ने धाम की आध्यात्मिक आभा को और बढ़ा दिया. देश के कोने-कोने से केदारनाथ पहुंचे शिवभक्तः देश के कोने-कोने से पहुंचे शिवभक्तों ने बाबा केदार के दर्शन कर आशीर्वाद लिया. श्रद्धालुओं का कहना था कि कठिन मौसम और लंबी यात्रा के बावजूद बाबा केदार के दर्शन की अनुभूति अद्भुत है. श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बीच प्रशासन ने भी मौसम को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की है. यात्रियों से कहा गया है कि मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यात्रा करें. अनावश्यक जोखिम न लें, सुरक्षित स्थानों पर रहें. पुलिस प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें.

संक्षिप्त समाचार

डीबीटी इनेबल नहीं होने पर अटक सकती है पेंशन और छात्रवृत्ति

अल्मोड़ा, एजेंसी। समाज कल्याण विभाग ने जिले के पेंशनधारकों और छात्रवृत्ति लाभार्थियों से जल्द अपने बैंक खातों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के लिए इनेबल कराने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरकार की सभी पेंशन एवं छात्रवृत्ति योजनाओं का भुगतान अब आधार आधारित डीबीटी प्रणाली से किया जा रहा है। जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र पांडे ने बताया कि जिले के वृद्धावस्था, दिव्यांग, विधवा पेंशनधारकों और छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का भुगतान आधार सीडिंग और डीबीटी इनेबल नहीं होने के कारण प्रभावित हो रहा है। लाभार्थी शीघ्र अपनी संबंधित बैंक शाखा में खाते को डीबीटी इनेबल करा लें ताकि पेंशन और छात्रवृत्ति की राशि उनके खाते में पहुंच सके। जिन लाभार्थियों के बैंक खाते अभी तक डीबीटी इनेबल नहीं हैं उनकी सूची संबंधित ब्लॉक कार्यालयों और जिला समाज कल्याण कार्यालय में लगाई गई है। उन्होंने सभी संबंधित पेंशनधारकों एवं छात्र-छात्राओं से बैंक में डीबीटी इनेबल कराने के बाद इसकी सूचना अपने ब्लॉक के सहायक समाज कल्याण अधिकारी या जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय अल्मोड़ा को उपलब्ध कराएं। समय रहते यह प्रक्रिया पूरी करने से पेंशन और छात्रवृत्ति के भुगतान में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

14 अगस्त तक बंद रहेगा जलना-तुलेड़ी मोटर मार्ग

अल्मोड़ा, एजेंसी। लमगड़ा ब्लॉक के जलना-तुलेड़ी मोटर मार्ग पर चौड़ीकरण कार्य के कारण आठ से 14 अगस्त 2026 तक यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने इस संबंध में अनुमति जारी करते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक सुरक्षा एवं वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड लोनिवि के अनुसार जलना-तुलेड़ी मोटर मार्ग पर वन टाइम मेंटेनेंस मद के तहत सुधारीकरण कार्य चल रहा है। मार्ग के किलोमीटर-1 पर पहाड़ कटान कर सड़क का चौड़ीकरण किया जाना है। यह कार्य भारी मशीनों से किया जाएगा। कार्य की आवश्यकता को देखते हुए आठ अगस्त से 14 अगस्त तक मार्ग बंद रखने की अनुमति प्रदान की गई है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए हैं कि कार्य शुरू होने से पहले मार्ग के दोनों ओर कर्मचारियों की तैनाती की जाए, यातायात प्रतिबंध संबंधी सूचना बोर्ड एवं बैनर लगाए जाएं तथा वैकल्पिक मार्गों की जानकारी लोगों तक समय पर पहुंचाई जाए।

कोर्ट के बाहर खौफ...पेशी पर आए परिवार पर हमला, तीन साल की बच्ची को जबरन ले जाने का आरोप

नैनीताल, एजेंसी। रुद्रपुर जिला न्यायालय के बाहर शुक्रवार को वैवाहिक विवाद में पेशी पर आए परिवार के साथ मारपीट की घटना हुई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि साली के पति, जेठ, सास समेत 10-12 लोगों ने हमला कर तीन बच्चों में से एक बच्ची को जबरन अपने साथ ले गए।

रुद्रपुर जिला एवं सत्र न्यायालय के बाहर शुक्रवार को वैवाहिक विवाद में पेशी पर आए एक परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उन पर हमला कर तीन बच्चों में से एक बच्ची को जबरन अपने साथ ले गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पीड़ित निशांत सिंह के अनुसार वह अपनी पत्नी, साली और रिश्तेदारों के साथ अदालत पहुंचे थे। आरोप है कि कोर्ट गेट के बाहर पहले से मौजूद साली के पति, जेठ, सास समेत 10 से 12 लोगों ने हमला कर दिया। मारपीट में निशांत सिंह के चेहरे और नाक पर चोटें आईं, जबकि महिलाओं से भी अभद्रता की गई। इसके बाद वह सफेद रंग की अर्टिगा कार से फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

स्थानीय फलों से जूस तैयार कर 30 महिलाएं बनीं स्वावलंबी

पिथौरागढ़, एजेंसी। कनालीछीना विकासखंड के ध्वज आजीविका समूह की 30 महिलाएं स्थानीय मौसमी फलों से जूस बनाकर उसका व्यवसाय कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। ग्रामोत्थान की मदद से ये महिलाएं माल्टा, बुरांश, आंवला और आम जैसे फलों की ग्रेडिंग, प्रोसेसिंग और आकर्षक पैकेजिंग करती हैं।

फल प्रसंस्करण संस्थान के माध्यम से इन उत्पादों की स्थानीय बाजारों में आपूर्ति की जाती है। इस कारोबार से जुड़ी प्रत्येक महिला को प्रतिमाह छह से सात हजार यानी सालाना लगभग 84 हजार रुपये की आय हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के सीमित अवसरों के बीच यह पहल महिलाओं के लिए आर्थिक मजबूती का बड़ा जरिया बन गई है। महिलाओं ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर काफी कम हैं। इसके बावजूद वे अपने इलाके में स्थानीय फलों के माध्यम से आजीविका मजबूत कर रही हैं।

माल्टा के छिलकों को धूप में सुखाने के बाद फल प्रसंस्करण की सहायता से इन्हें बेंगलूरू में बेचा जाता है। फल प्रसंस्करण संस्थान के लेखाकार संतोष कुमार ने बताया कि बेंगलुरु में छिलके की काफी मांग है। माल्टा के छिलके को ब्यूटी प्रोडक्ट बनाने में उपयोग किया जाता है। इससे संस्थान को भी 15 से 20 हजार रुपये की आमदनी होती है। महिलाओं को माल्टा के छिलके का कार्य करने के लिए प्रति किलो पांच रुपये की दर से भुगतान किया जाता है।

मसूरी में 144 करोड़ की पेयजल लाइन फटी, सड़क पर बना फव्वारा, हजारों लीटर पानी बर्बाद, गुणवत्ता पर उठे सवाल

मसूरी, एजेंसी। पहाड़ों की रानी मसूरी को वर्ष 2054 तक पेयजल संकट से राहत दिलाने के उद्देश्य से बनाई गई करीब 144 करोड़ रुपये की यमुना पेयजल पंपिंग योजना एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है. शुक्रवार को मसूरी-कैंपटी रोड पर सैंजी गांव के पास योजना की मुख्य पाइप लाइन का जोड़ खुलने से पाइप फट गया. इसके बाद तेज दबाव के साथ पानी सड़क पर फूट पड़ा.

मसूरी में 144 करोड़ की पेयजल लाइन फटीः देखते ही देखते सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया. हजारों लीटर पानी बहकर बर्बाद हो गया. पाइप फटने के बाद सड़क पर फव्वारे की तरह निकल रही पानी की तेज धार ने कुछ देर के लिए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. राहगीर और पर्यटक मौके पर रुककर इस नजारे की तस्वीरें लेते रहे और वीडियो बनाते रहे. कई लोग इसे प्राकृतिक झरना समझकर उसके साथ फोटो और सेल्फी लेते नजर आए. स्थानीय लोगों ने इसे सरकारी लापरवाही और जनता के पैसे की बर्बादी का उदाहरण बताया. पेयजल पाइप लाइन फटने से सड़क पर निकला फव्वाराः स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, जब यमुना पेयजल योजना की पाइप लाइन में इस तरह की खराबी सामने आई हो. उनका आरोप है कि योजना शुरू होने के बाद से कई बार सड़क के नीचे बिछी पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हुई है, जिससे न केवल लाखों लीटर पेयजल व्यर्थ बहा, बल्कि सड़कें भी बार-बार टूटती रही हैं.

लोगों ने काम की गुणवत्ता पर उठाए सवालः लोगों ने कहा कि इतनी बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजना में यदि बार-बार ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है. लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय करने की मांग की है. उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि पाइप लाइन बार-बार जवाब दे रही है तो भविष्य में योजना की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ेगा.

दूसरे दिन ठीक हो पाई पेयजल लाइनः निराला ने बताया कि शनिवार सुबह तक पाइप लाइन को पूरी तरह ठीक करके जलापूर्ति व्यवस्था सामान्य कर दी गई है. गौरतलब है कि यमुना पेयजल पंपिंग योजना को मसूरी की बढ़ती आबादी और पर्यटन सीजन में पानी की बढ़ती मांग को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है. ऐसे में बार-बार सामने आ रही तकनीकी खामियां योजना की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर नए सवाल खड़े कर रही हैं.

पिथौरागढ़ में भालू ने ग्रामीण पर किया हमला, दरांती से वार कर चंगुल से छूटे

पिथौरागढ़, एजेंसी। सीमांत पिथौरागढ़ के नाचनी क्षेत्र के रिंगुनिया गांव में पशुओं को जंगल चराने ले जा रहे एक ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया. ग्रामीण ने साहस दिखाते हुए भालू का मुकाबला कर उसे भागने के लिए मजबूर कर दिया. इस हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया. प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है. अचानक आ झपटा भालूः जानकारी के मुताबिक, रिगुनिया गांव के बांस तोक निवासी आन सिंह सामंत (उम्र 55 वर्ष) पशुओं को जंगल ले जा रहे थे. घर से करीब 200 मीटर दूर झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया. अचानक हुए हमले के बावजूद आन सिंह ने साहस का परिचय देते हुए भालू का डटकर सामना किया. दरांती से वार कर भालू के चंगुल से छूटेः संघर्ष के दौरान भालू ने आन सिंह के बाएं हाथ को अपने जबड़े में जकड़ लिया. उस समय उनके दाहिने हाथ में दरांती थी, जिससे उन्होंने आत्मरक्षा में भालू पर दो-तीन वार किए. इसी दौरान करीब 50 मीटर पीछे पशुओं को हांक रही उनकी पत्नी गोदावरी देवी ने शोर मचाया. दरांती के वार और महिला के शोर से भालू जंगल की ओर भाग गया. हाथ-पीठ और चेहरे पर गहरे घावः हमले में आन सिंह के बाएं हाथ, पीठ और चेहरे पर गंभीर घाव बने हैं. गांव की आंगनबाड़ी कार्यकत्री कमला सामंत समेत अन्य ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल थल के गौचर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया. जहां पर आन सिंह का उपचार किया जा रहा है. भालू के हमले से दहशत में लोगः वहीं, घटना की सूचना वन विभाग को दे दी गई है. ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने और क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है. भालू के हमले के बाद रिंगुनिया गांव और आसपास के क्षेत्रों में ग्रामीणों में भय का माहौल है. वहीं, वन क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि, महिला को मार चुका भालूः पिछले साल मुनस्यारी में भालू ने एक महिला को मौत के घाट उतार दिया था.

ऊधमसिंह नगर के जिला निर्वाचन अधिकारी को नोटिस, पिता के नाम में मिला अंतर

नैनीताल, एजेंसी। एसआईआर के दौरान ऊधमसिंह नगर के डीएम नितिन सिंह भदौरिया को भी नोटिस जारी हुआ है। मतदाता सूची और उनके दस्तावेज में पिता के नाम में अंतर पाए जाने पर उन्हें नोटिस मिला है जिसका उन्होंने स्पष्टीकरण दे दिया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के दौरान ऊधमसिंह नगर के डीएम नितिन सिंह भदौरिया को भी नोटिस जारी हुआ है। मतदाता सूची और उनके दस्तावेज में पिता के नाम में अंतर पाए जाने पर उन्हें नोटिस मिला है जिसका उन्होंने स्पष्टीकरण दे दिया है।

जानकारी के अनुसार, डीएम के दस्तावेज में उनके पिता का नाम कौशेंद्र सिंह भदौरिया दर्ज है जबकि मतदाता सूची में पिता का नाम केएस भदौरिया लिखा हुआ था। नाम में इस भिन्नता के चलते एसआईआर प्रक्रिया के तहत उन्हें नोटिस जारी किया गया। मामले के सामने आने के बाद डीएम ने बीएलओ के समक्ष पहचान से जुड़े आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए।

दस्तावेज की जांच के बाद बीएलओ ने विसंगति का समाधान कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची में किसी भी तरह की त्रुटि को दूर करने के लिए यह कार्रवाई की गई है।

इसमें आम नागरिकों के साथ-साथ अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी मतदाता सूची में दर्ज विवरण जांच लें और किसी भी गलती की स्थिति में बीएलओ या निर्वाचन कार्यालय से संपर्क कर सुधार कराएं।

डाक कांवड़ शुरू होते ही बढ़ी प्रशासन की चुनौती, मानक से बड़े डीजे और कांवड़ वाहन बॉर्डर से लौटाए

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ यात्रा अंतिम चरण में पहुंचते ही हरिद्वार में डाक कांवड़ वाहनों की आमद तेज हो गई है. इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन की चुनौती भी कई गुना बढ़ गई है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन ने निर्धारित मानकों से बड़े डीजे और कांवड़ वाहनों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है. मानक के विपरीत पाए जाने वाले वाहनों को जनपद में प्रवेश देने के बजाय नारसन बॉर्डर से ही वापस लौटाया जा रहा है. बॉर्डर पर वाहनों से डीजे की हाइट कम होने के बाद दोबारा एंट्री दी जा रही है. पुलिस प्रशासन ने कांवड़ मेला शुरू होने से पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि 10 फीट से अधिक चौड़ाई और 12 फीट से अधिक ऊंचाई वाले डीजे और कांवड़ किसी भी स्थिति में हरिद्वार में प्रवेश नहीं कर सकेंगे. अधिक ऊंचाई वाले वाहनों के बिजली के तारों, टोल प्लाजा, फ्लाईओवर के नीचे फंसने का खतरा बना रहता है. इन वाहनों पर बड़ी संख्या में कांवड़िए भी सवार रहते हैं, जिससे किसी दुर्घटना की स्थिति में

जनहानि की आशंका बढ़ जाती है.

इसी को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से ऐसे वाहनों को लगातार वापस भेजा जा रहा है.कांवड़ मेले के शुरुआती दिनों में जहां पैदल कांवड़ यात्रियों की संख्या अधिक रही, वहीं अब डाक कांवड़ का दौर शुरू होने से धर्मनगरी में भागदौड़ बढ़ गई है. उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में डाक कांवड़ वाहन हरिद्वार पहुंच रहे हैं. आने वाले चार दिन पुलिस और प्रशासन के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि इसी दौरान डाक कांवड़ वाहनों का सबसे अधिक दबाव रहेगा.

डाक कांवड़ वाहनों के सुरक्षित प्रवेश और निकासी के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. निर्धारित मानकों के अनुसार ही डाक कांवड़ वाहनों को हरिद्वार में प्रवेश की अनुमति है. कांवड़ियों से प्रशासन की ओर से जारी दिशा निर्देशों का पालन करने की अपील की. निर्धारित मानकों के अनुरूप कांवड़ और डीजे लेकर ही हरिद्वार आएं. इससे यात्रा सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न कराई जा सकेगी. जनपद की सीमा तक यातायात व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होगी. इसके लिए विभिन्न स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. पार्किंग व्यवस्था, रूट डायवर्जन और वाहनों की निकासी की विशेष योजना लागू की गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और यातायात भी बाधित न हो.

अंतिम चरण में कांवड़ यात्राः शिवभक्तों का आंकड़ा 3 करोड़ 20 लाख के पार

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में हरिद्वार में डाक कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है. अभी तक 3 करोड़ 19 लाख 48 हजार कांवड़िए गंगाजल भरकर अपने अपने गंतव्यों को रवाना हो चुके हैं. अब पैदल कांवड़ियों की संख्या कम हो गई और दोपहिया तथा चौपहिया डाक कांवड़ वाहनों की संख्या बढ़ गई है. वहीं, शहर की सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने देर रात जीरो ग्राउंड पर पहुंचकर मोतीचूर तक हाईवे का निरीक्षण किया.

दोनों अधिकारियों ने इस दौरान यातायात, पार्किंग व सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया, साथ ही चौक चौराहों पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों से बातचीत कर पार्किंग और यातायात संबंधी जानकारी ली. उन्होंने कांवड़ मेले में तैनात एसपीओ का भी उत्साहवर्धन किया. डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि डाक कांवड़ की शुरुआत होते ही कांवड़ पटरी पर कांवड़िए की संख्या कम हो गई है. हाईवे पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए कांवड़ पटरी के

सुरक्षा जांचने ग्राउंड पर पहुंचे डीएम-एसएसपी

शौचालय और लाइटिंग इत्यादि को हाईवे और पार्किंग में शिफ्ट किया जा रहा है. अन्य सभी जगहों पर पार्किंग, पेयजल, बिजली और शौचालय की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है.

डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि हरिद्वार में अब डाक कांवड़ वाहनों की रवानगी शुरू हो जाएगी, इसलिए हाईवे के अधिकारियों को अलर्ट रखने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं.

वहीं, एसएसपी नवनीत सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है. यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर भेजा जा रहा है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. प्रशासन ने कांवड़ियों से रूट डायवर्जन और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है.

उन्होंने बताया कि रविवार सुबह नौ बजे से डाक कांवड़ वाहनों की निकासी शुरू हो जाएगी. अब हाईवे से डाक कांवड़ वाहनों को गुजारा जाएगा. दिल्ली, नोएडा, मेरठ और मुजफ्फरनगर जाने वाले वाहनों को नारसन बॉर्डर से भेजा जाएगा. सहारनपुर, हरियाणा और पंजाब जाने वाहनों को भगवानपुर बॉर्डर और बिजनौर तथा मुरादाबाद से आए वाहनों को हरिद्वार नजीबाबाद हाईवे से निकालने का प्लान बनाया गया है.

दिल्ली चावल घोटाले का मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा सरगना, सीएम लें इस्तीफा: संजीव झा

● मनजिंदर सिंह सिरसा को एफसीआई से निगम को चावल दिलाने की चिंता तो थी, लेकिन कहां बंटा, इसकी खबर नहीं ली: संजीव झा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में हुए करोड़ों रुपए के चावल घोटाले पर विधानसभा में चर्चा से भागने पर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने कहा कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा इस चावल घोटाले के सरगना हैं। सीएम रेखा गुप्ता को उनका तत्काल इस्तीफा ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्री मनजीत सिंह सिरसा को एफसीआई से असम के निगम को चावल दिलाने की चिंता तो थी, लेकिन चावल कहां बंटा, इसकी उन्होंने कभी खबर नहीं ली। यह चावल तीन साल बांटने की योजना थी। अगर इसे अंजाम दे दिया जाता तो 22 हजार करोड़ का भ्रष्टाचार होता। विपक्ष ने चावल घोटाले पर चर्चा कराने की मांग रखी तो तीन बार सदन स्थगित किया गया और फिर हमें मार्शल आउट कर दिया गया। दिल्ली विधानसभा स्थित नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में प्रेसवार्ता कर संजीव झा ने कहा कि हमने विधानसभा के सदन में दिल्ली सरकार के एक बड़े घोटाले पर नियम 55 के तहत चर्चा की मांग की थी। यह कोई छोटा-मोटा घोटाला नहीं था, अगर यह पूरा तरह से अंजाम दे दिया जाता तो लगभग 22,000 करोड़ रुपए का घोटाला होता। यह घोटाला उन प्रवासी मजदूरों और गरीब लोगों के राशन की चोरी का है, जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। न केवल राशन की चोरी की गई, बल्कि उस राशन को निजी व्यापारियों को बेच दिया गया। प्रति सप्ताह 31,000 मीट्रिक टन राशन खरीदा गया और फिर उसे व्यापारियों को बेच दिया गया। संजीव झा ने इस घोटाले की प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि दिल्ली के खाद्य मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने यह पूरा खेल खेला है। आम तौर पर यह माना जाता है कि उनका गहरा कनेक्शन है। नॉर्थ-ईस्ट का एक कॉरपोरेशन दिल्ली सरकार को लिखता है कि उन्हें प्रवासी मजदूरों को राशन बांटना है। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा इसके लिए सुविधा प्रदान करते हैं। हमने सुबह से ही सदन में इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की मांग की थी ताकि मंत्री इस पर जवाब दें और सच्चाई सबके सामने आ सके। लेकिन, सदन को तीन बार स्थगित किया गया और फिर हमें मार्शल आउट कर दिया गया। संजीव झा ने कहा कि हमारे मार्शल आउट होने के बाद खाद्य मंत्री जवाब देते हैं। अगर उन्हें जवाब ही देना था, तो चर्चा क्यों नहीं होने दी गई और हमें बाहर क्यों निकाला गया? अगर चर्चा होती, तो हम उनसे कुछ सवाल करते और वे उनका जवाब देते। लेकिन हमें बाहर करके जवाब देना यह साबित करता है कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ही इस पूरे घोटाले के सरगना हैं। उनके बिना इतना बड़ा घोटाला संभव नहीं था। अगर वे वास्तव में सच्चाई जनता के सामने लाना चाहते, तो पहले चर्चा होने देते। संजीव झा ने बताया कि मंत्री का कहना है कि उन्होंने केवल आवेदन को फॉरवर्ड किया था और उनका कोई रोल नहीं है। अगर ऐसा है, तो फिर अतिरिक्त आयुक्त अरुण कुमार झा को निलंबित क्यों किया गया? अगर उनकी कोई मिलीभगत नहीं थी, तो यह कार्रवाई क्यों हुई? हैरानी की बात यह है कि नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल एग्रीकल्चर मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (निरामक) मंत्री को पत्र लिखता है और मंत्री उस पत्र को एसीएस या सचिव को फॉरवर्ड न करके सीधे अतिरिक्त आयुक्त को फॉरवर्ड करते हैं। फिर अतिरिक्त आयुक्त अकेले ही एफसीआई से पत्राचार करते हैं।

मंत्री प्रवेश वर्मा दे रहे विपक्ष के विधायक को मार्शल आउट के आदेश, फिर स्पीकर क्यों हैं?- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र के आखिरी दिन मंगलवार को भाजपा सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा सदन के अंदर विधानसभा अध्यक्ष के अधिकारों को भी छीनते दिखे। वह सदन में चावल घोटाले पर चर्चा कराने की मांग कर रहे विपक्ष के विधायकों पर बड़े ही अपशब्दों के साथ बाहर निकालने के लिए मार्शलों को आदेश देते दिखे। सदन के अंदर की वह वीडियो जैसे ही बाहर आई आम आदमी पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए भाजपा पर हमलावर हो गई। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने उस वीडियो को सोशल मीडिया एक्स पर साझा कर पूछा कि विपक्ष के विधायक को मार्शल आउट के आदेश मंत्री प्रवेश वर्मा दे रहे हैं, तो फिर स्पीकर क्यों हैं? सौरभ भारद्वाज ने वीडियो में मंत्री प्रवेश वर्मा के कहे गए शब्दों को भी साझा

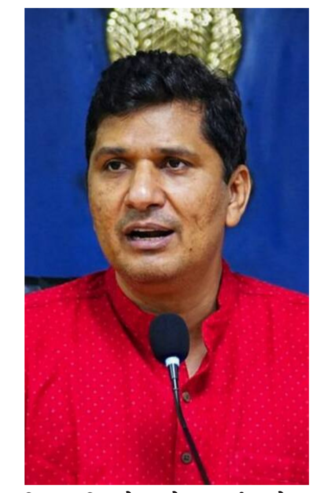

किया। जिसमें परवेश वर्मा आदेश देते हुए दिखाई दे रहे हैं कि मार्शल्स, इसको फेंको उठाके। प्यार प्यार से मत लेकर जाया करो भाई, फेंको इनको। सौरभ भारद्वाज ने सवाल किया कि ये अधिकार तो स्पीकर का है, विधानसभा में मंत्री कब से आदेश देने लगे? और ये भाषा प्रवेश वर्मा की है, वो भी विधायकों के लिए इस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उधर, आम आदमी पार्टी के विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने प्रवेश वर्मा के बिगड़े बोल पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने एक्स पर कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा के कहने के बाद हमारे विपक्ष के साथी विधायक कुलदीप कुमार को मार्शलों के जरिए सदन से बाहर ले जाया जा रहा है। हम जनता के मुद्दे उठा रहे हैं, सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और जनता के पैसों का हिसाब मांग रहे हैं, लेकिन जवाब देने के बजाय विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। संजीव झा ने प्रवेश वर्मा से कहा कि याद रखिए, आप सिर्फ विपक्ष के विधायक का अपमान नहीं कर रहे हैं। आप उस जनता की आवाज का अपमान कर रहे हैं, जिसने अपने सवालों को सदन तक पहुंचाने के लिए उन्हें चुना है।

संक्षिप्त खबरें

एम्स में बिना मंजूरी छुट्टी करने पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। एम्स ने अपने कर्मचारियों के बिना पूर्व अनुमति छुट्टी पर जाने के मामलों को लेकर सख्ती की है। अब कर्मचारी सक्षम अधिकारी की मंजूरी के बिना छुट्टी पर नहीं जा सकेंगे। ऐसा करने पर उनकी गैरहाजिरी को अनधिकृत अनुपस्थिति माना जा सकता है और नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। साथ ही, केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली, 1972 का हवाला देते हुए कहा गया है कि छुट्टी कर्मचारी का अधिकार नहीं है। छुट्टी सक्षम अधिकारी की मंजूरी के बाद ही ली जा सकती है। कर्मचारियों को छुट्टी पर जाने से पहले आवेदन कर स्वीकृति लेना जरूरी होगा। एम्स प्रशासन के अनुसार, अचानक बीमारी या किसी वास्तविक आपात स्थिति में पहले से छुट्टी की मंजूरी लेना संभव नहीं होने पर कर्मचारी को जितनी जल्दी हो सके अपने नियंत्रण अधिकारी को सूचना देनी होगी। इसके बाद बिना अनावश्यक देरी के छुट्टी का आवेदन देकर उसे नियमित कराना होगा। अचानक छुट्टी के लिए भी सामान्य परिस्थितियों में कर्मचारी को पहले आवेदन कर मंजूरी लेनी होगी।

डीयू ने वाइस चांसलर इंटर्नशिप स्कीम के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने छात्रों को प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक अनुभव देने के उद्देश्य से वाइस चांसलर इंटर्नशिप स्कीम 2026 (पार्ट टाइम) के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय के नियमित स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी इसके लिए पात्र हैं, जबकि प्रथम वर्ष और प्रथम सेमेस्टर के छात्र आवेदन नहीं कर सकते। आवेदन की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। इस इंटर्नशिप के तहत चयनित छात्रों को डीयू के विभिन्न विभागों, कुलपति कार्यालय, दक्षिण परिसर निदेशक कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय समेत अन्य विभागों में काम करने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप की अवधि छह महीने होगी, जो अक्तूबर 2026 में शुरू होगी। विद्यार्थियों को सप्ताह में केवल 8 से 10 घंटे कार्य करना होगा। इसके एवज में चयनित इंटर्न को 6,064 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा। सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूरी करने वाले विद्यार्थियों को डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जो भविष्य में नौकरी प्राप्त करने में मददगार साबित होगा।

स्वतंत्रता दिवस से पहले गांधीनगर पुस्ता रोड पर मॉक ड्रिल, बम की सूचना से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए गांधीनगर थाना पुलिस ने पुस्ता रोड फ्लाईओवर के पास मॉक ड्रिल की। शाम 4:05 बजे कंट्रोल रूम में सूचना दी गई कि फ्लाईओवर के नीचे बम विस्फोट हुआ है और दो लोग घायल हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजकुमार के नेतृत्व में गांधीनगर थाना पुलिस, बम निरोधक दस्ता, दमकल विभाग और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तत्काल मौके पर पहुंचीं और पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया। एडिशनल डीसीपी सिकंदर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई शुरू की। दो घायलों को आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी) के जरिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इसके बाद बम डिटेक्शन उपकरणों की सहायता से संदिग्ध बैग की सावधानीपूर्वक जांच कर उसे खोला गया और उसमें मिले बम को निष्क्रिय किया गया। पूरी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा मानकों और आपसी समन्वय का विशेष ध्यान रखा गया। पुलिस के अनुसार यह पूरी कार्रवाई पूर्व नियोजित मॉक ड्रिल थी। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस से पहले किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों, तत्परता और आपसी समन्वय को परखना था। साथ ही आम लोगों को संदिग्ध वस्तुओं के प्रति जागरूक करना भी इसका मकसद रहा। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध वस्तु को न छुएं और इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें।

निवेश के नाम पर देशभर में साइबर ठगी का नेटवर्क ध्वस्त, नौ आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला साइबर पुलिस ने व्हाट्सऐप ग्रुप और फर्जी ट्रेडिंग एप के जरिए निवेश के नाम पर देशभर में ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब से हुई है। जांच में गिरोह के बैंक खातों का संबंध 34 शिकायतों से सामने आया है, जिनमें 15.71 करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध ठगी की गई। दिल्ली में दर्ज सात साइबर ठगी के मामलों का भी पुलिस ने खुलासा किया है, जिनमें करीब 2.70 करोड़ रुपये की ठगी हुई। व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर फर्जी मुनाफा दिखाते थेमामला पालम कॉलोनी निवासी व्यक्ति की शिकायत से सामने आया। पीड़ित को व्हाट्सऐप ग्रुप में निवेश सीखने के नाम पर जोड़ा गया। गिरोह के सदस्य खुद को बाजार विशेषज्ञ और निवेश पेशेवर बताकर फर्जी ट्रेडिंग, मुनाफे के स्क्रीनशॉट और सफलता की कहानियां दिखाते थे। इसके बाद उसे फर्जी ट्रेडिंग एप के माध्यम से निवेश के लिए राजी किया गया। पीड़ित ने अलग-अलग बैंक खातों में 4.82 लाख रुपये जमा किए। शुरूआत में थोड़ी रकम

निकालने की अनुमति दी गई, लेकिन बाद में करीब 7.81 लाख रुपये के आईपीओ आवंटन का झांसा देकर और रकम मांगी गई। शक होने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोटिंग पोर्टल पर शिकायत की, जिसके आधार पर साइबर थाना दक्षिण-पश्चिम जिला में मामला दर्ज किया गया। चार राज्यों से पकड़े गए आरोपी, दुबई और कतर तक जुड़े तारजांच में बैंक खातों के लेनदेन और डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल के दौरान महाराष्ट्र के नंदुरबार से शोएब दिलावर सैयद को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि वह चार अन्य लोगों के साथ केरल गया था, जहां कथित कारोबारी संस्थाएं बनाकर उनके नाम पर चालू खाते खुलवाए गए। सभी आरोपी ह्यब्रदरहुडह्व नामक व्हाट्सऐप ग्रुप से जुड़े थे, जिसमें बैंक खातों की जानकारी साझा की जाती थी। गुजरात से शेख रियाजुद्दीन इम्तियाज, कमालशा कादरशाह, सिद्दीकी महमदसिद्दिक मुफिदभाई और हमजा हुमायु को गिरफ्तार किया गया। केरल से मुजम्मिल थैब और जमालुद्दीन फैसल तथा पंजाब से सरबजीत सिंह और एक महिला को गिरफ्तार किया गया। जांच में कतर से जुड़े संपर्क और दुबई से गिरोह की गतिविधियों के संचालन के संकेत भी मिले हैं। फर्जी कंपनियों के नाम पर खुलवाते थे खातेपुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य लोगों को रुपये देकर उनके नाम पर चालू खाते खुलवाते और बाद में खाते, किट तथा बैंकिंग संबंधी जानकारी अपने कब्जे में ले लेते थे। ठगी की रकम को कई खातों में घुमाकर उसकी असली पहचान छिपाई जाती थी। पीड़ितों को फर्जी एप पर लगातार बढ़ता मुनाफा दिखाकर और रकम लगाने के लिए प्रेरित किया जाता था। रकम निकालने पर टैक्स, ब्रोकरेज, आईपीओ, सत्यापन, प्रोसेसिंग शुल्क और मार्जिन के नाम पर अतिरिक्त रकम जमा कराई जाती थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें व्हाट्सऐप चैट, बैंकिंग रिकॉर्ड, केवाईसी दस्तावेज, खाता खोलने के फार्म और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार मामले की जांच जारी है और विदेशों से जुड़े संपर्कों की भी पड़ताल की जा रही है।

नमो भारत में बिछड़े बच्चे को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली। नमो भारत ट्रेन में सफर के दौरान परिवार से बिछड़े 10 वर्षीय बच्चे को एनसीआरटीसी की सतर्क टीम ने उसके माता-पिता से सुरक्षित मिला दिया। बच्चा मुरादनगर से आनंद विहार की ओर अपने परिवार के साथ यात्रा कर रहा था, लेकिन रास्ते में वह परिवार से अलग हो गया था। मामला साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन का है। स्टेशन पर तैनात कर्मचारियों ने दिल्ली की ओर जाने वाले प्लेटफॉर्म पर बच्चे को अकेले देखा। कर्मचारियों ने तुरंत इसकी जानकारी ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) को दी। इसी दौरान पता चला कि बच्चे के माता-पिता आनंद विहार स्टेशन पर उसे तलाश रहे हैं। इसके बाद साहिबाबाद और आनंद विहार स्टेशनों की टीमों ने आपस में संपर्क कर बच्चे को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाने पहुंचाया। एनसीआरटीसी के मुताबिक, नमो भारत स्टेशनों और ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जाती है। इनकी लाइव फुटेज स्टेशन कंट्रोल रूम और दुहाई स्थित सुरक्षा नियंत्रण केंद्र में देखी जाती है। ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर, स्टेशन कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच लगातार संपर्क बना रहता है, जिससे किसी भी घटना की सूचना तुरंत संबंधित टीम तक पहुंचाई जा सके।

पुलिस मुख्यालय में गूंजा वंदे मातरम्, 150 साल पूरे होने पर सामूहिक गायन

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। हर घर तिरंगा 2026 अभियान के तहत दिल्ली पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श सभागार में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद

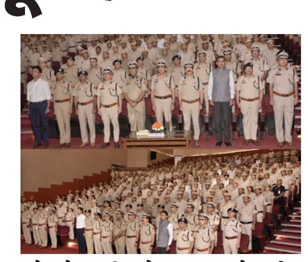

रहे। देशभक्ति के उत्साह के बीच पूरे सभागार में ह्यवंदे मातरम्ह्व और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम् के इतिहास और महत्व पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। इसके बाद अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने एक साथ राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान गाकर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली पुलिस के जवानों और अधिकारियों में देशभक्ति तथा राष्ट्र के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की भावना को और मजबूत करना रहा। हर घर तिरंगा 2026 के तहत दिल्ली पुलिस के विभिन्न जिलों और इकाइयों में भी वंदे मातरम् के सामूहिक गायन समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वर्ष 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा रहा है और आज भी मातृभूमि के प्रति समर्पण तथा देशभक्ति की भावना को प्रेरित करता है।

500 सरकारी सेवाएं समय पर पाने का मिला अधिकार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में 500 से अधिक सरकारी सेवाएं जनता को तय समय के भीतर मिलेंगी। इसमें देरी होने पर न केवल संबंधित अधिकारी पर जुमार्ना लगेगा बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों के पास उनकी शिकायत भी स्वंय चली जाएगी। इसे लेकर दिल्ली विधानसभा में पेश किया गया बिल मंगलवार को पास हो गया है। यह विधेयक वर्ष 2011 के कानून का स्थान लेगा। इसके अलावा ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट पॉलिसी को खत्म करने एवं वर्ष 2025 तक बनी झुग्गियों के पुनर्वास को लेकर लाए गए बिल भी मंगलवार को विधानसभा में पास हो गए। विधानसभा में पास हुए इस विधेयक के तहत प्रत्येक नागरिक को निर्धारित समय-सीमा में सरकारी सेवा प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिल गया है। आईटी मंत्री डा. पंकज सिंह ने कहा कि इन सेवाओं में आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक आवेदन को यूनिक नंबर दिया जाएगा, जिससे नागरिक घर बैठे अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। निर्धारित समय में सेवा न मिलने पर आवेदन स्वतः वरिष्ठ अधिकारी के पास ऑटो-एस्केलेशन के माध्यम से पहुंच जाएगा। नए प्रावधानों के तहत बिना उचित कारण सेवा में देरी करने या गलत तरीके से आवेदन खारिज करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इस बिल के पास होने पर समय अवधि में सेवा उपलब्ध नहीं कराने वाले संबंधित अधिकारी पर 250 रुपये प्रतिदिन का जुमार्ना, अधिकतम 5,000 तक लगेगा। गलत तरीके से आवेदन अस्वीकार करने पर भी 250 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान इसमें है। कार्रवाई से पहले अधिकारी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। यह कानून पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लागू होगा और दिल्ली सरकार के नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ नगर निगम, एनडीएमसी, दिल्ली छावनी परिषद, दिल्ली जल बोर्ड, डीडीए सहित अधिसूचित स्थानीय निकायों एवं संस्थाओं की निर्धारित सेवाओं पर लागू होगा। झुग्गियों का पुनर्वास 2025 तक की झुग्गियों का होगा पुनर्वास राजधान में वर्ष 2025 तक बनी झुग्गियों के निवासियों का पुनर्वास करने के लिए बिल में किया गया संशोधन भी मंगलवार को विधानसभा में पास हो गया। इसके तहत राजधानी में 2025 से पहले बनी सभी झुग्गियों को जब हटाया जाएगा तो उसमें रहने वाले लोगों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था सरकार करेगी।

कुत्तों के साथ भी मानवीय व्यवहार करें, वे भी समाज से प्यार चाहते हैं: प्रो. सुमन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री अरबिंदो कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मंगलवार को कुत्तों के काटने से बचाव और सुरक्षित मानव-पशु व्यवहार के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ह्यह्य पॉज एंड प्रोटेक्ट ह्लह्ल नामक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को दैनिक जीवन में कुत्तों के साथ व्यवहार करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें यह भी जानकारी दी गई कि उनके साथ मानवीय व्यवहार करें और परिवार में रहे तथा बाहर वाले पशुओं के साथ भी वैसा ही व्यवहार करें। अरबिंदो कॉलेज के मीडिया संयोजक प्रोफेसर हंसराज सुमन ने बताया है कि हमें दैनिक जीवन में कुत्तों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ताकि उन्हें भी ऐसा महसूस हो कि यह हमारे मालिक नहीं बल्कि परिवार के सदस्य हैं। कुत्तों के साथ भी मानवीय व्यवहार करें, वे भी समाज से प्यार चाहते हैं। वे क्रूर तब होते हैं जब उनके साथ मनुष्यवत व्यवहार नहीं किया जाता। उनसे बचाव व उनके व्यवहार के संबंध में भी जानकारी दी। प्रो.सुमन ने बताया कि कॉलेज की ओर से एनएसएस की टीम द्वारा कुत्तों के काटने, बचाव पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। उनके अनुसार कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चार अंकों का नुक्कड़ नाटक रहा, जिसके माध्यम से कुत्तों के काटने की घटनाओं से बचाव के विभिन्न पहलुओं को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। पहले अंक में एक व्यक्ति को भोजन करते समय एक कुत्ते के पास आने की स्थिति को दशार्या गया और समझाया गया कि भोजन करते हुए कुत्ते को परेशान करने या उसके बहुत करीब जाने से बचना चाहिए। उनकी प्रवृत्ति होती है कि कोई उन्हें खाते समय परेशान करता है तो वे गुस्से से बाहर हो जाते हैं और काटने लगते हैं। उन्होंने बताया है कि दूसरे अंक में एक शांत एवं मित्रवत दिखाई देने वाले कुत्ते के साथ बातचीत अथवा उसके पास जाने की स्थिति को प्रदर्शित किया गया। इसके माध्यम से लोगों को समझाया गया कि किसी कुत्ते को मित्रवत देखकर भी उसके व्यक्तिगत स्थान का सम्मान करना तथा सावधानीपूर्वक व्यवहार करना आवश्यक है। इसी प्रकार नुक्कड़ नाटक के तीसरे अंक में कुछ स्कूली छात्राओं द्वारा कुत्ते को छेड़ने की स्थिति को प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि कुत्तों को चिढ़ाना, डराना, दौड़ाना या उकसाना उनके आक्रामक व्यवहार का कारण बन सकता है और ऐसी परिस्थितियों से बचना चाहिए। ऐसी स्थिति में कभी - कभी वे गुस्सैल हो जाते हैं और आपे से बाहर हो काटने लगते हैं। नाटक के अंतिम अंक में पशुओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी को प्रमुखता से सामने रखा गया। स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ पशुओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने, आवश्यकता पड़ने पर उचित सहायता लेने तथा संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी रखने का संदेश दिया गया। एनएसएस कार्यक्रम संयोजिका सुश्री आकृति सैनी ने बताया कि कॉलेज अपने छात्रों को जागरूक करने के उद्देश्य से समय - समय पर नुक्कड़ नाटकों, वर्कशॉप, रैली निकालकर, भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित करते हैं। आज के कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों ने यह संदेश दिया कि कुत्तों के काटने की घटनाओं को रोकने के लिए केवल भय नहीं, बल्कि जागरूकता, सावधानी, संवेदनशीलता और जिम्मेदार व्यवहार करना आवश्यक है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को प्रस्तुत कर लोगों को सरल एवं प्रभावी तरीके से जागरूक किया गया। और बताया गया कि उनके साथ मनुष्यवत व्यवहार करना चाहिए ताकि वे भी वैसा ही व्यवहार करें।

घुटनों के दर्द को नजरअंदाज न करें, समय पर जांच और इलाज जरूरी: डॉ. ईश्वर बोहरा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। घुटनों से जुड़ी समस्याओं को लेकर सोमवार को एक जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और विशेषज्ञ डॉक्टरों से घुटनों के दर्द, चलने-फिरने में परेशानी और अन्य समस्याओं को लेकर परामर्श लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के चलते अब घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो गई है। शिविर में मौजूद बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के नी एवं हिप रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ईश्वर बोहरा ने लोगों को घुटनों के दर्द को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लगातार रहने वाले दर्द या चलने-फिरने में परेशानी होने पर समय रहते जांच कराना जरूरी

है। शुरूआती स्तर पर समस्या की पहचान और उचित उपचार से आगे होने वाली जटिलताओं से बचा जा सकता है। डॉ. बोहरा ने बताया कि डे-केयर नी रिप्लेसमेंट तकनीक ने घुटना प्रत्यारोपण के बाद मरीजों की रिकवरी को काफी आसान बनाया है। इस तकनीक में मरीज को सर्जरी के कुछ ही घंटों बाद चलने-फिरने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। कई मामलों में मरीज को उसी दिन या अगले दिन अस्पताल से छुट्टी भी दी जा सकती है। इससे लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की जरूरत कम होती है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों, छोटे चीरे, कम रक्तस्राव और बेहतर दर्द नियंत्रण के कारण मरीज तेजी से रिकवरी कर सकते हैं। साथ ही अस्पताल में लंबे समय तक रहने की अवधि कम होने से संक्रमण सहित अन्य जटिलताओं का जोखिम भी घट सकता है। हालांकि, डॉ. बोहरा के अनुसार डे-केयर नी रिप्लेसमेंट हर मरीज के लिए उपयुक्त नहीं है। सर्जरी से पहले मरीज की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति, अन्य बीमारियों और घुटने की समस्या की गंभीरता का विस्तृत आकलन किया जाता है। जांच के बाद ही यह तय किया जाता है कि मरीज के लिए यह प्रक्रिया सुरक्षित और उपयुक्त है या नहीं।

ऊपर असली, नीचे नकली नोटों का खेल, 50 हजार की ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने पांच सौ रुपये के नोटों को छोटे नोटों में बदलने और अतिरिक्त रकम देने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से असली और नकली नोटों के 200 से अधिक बंडल बरामद किए गए हैं। इनमें 70 हजार रुपये से अधिक की असली मुद्रा शामिल है। पुलिस के अनुसार गिरोह ने इसी तरीके से एक शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये ठगे थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी पांच सौ रुपये के नोटों को छोटी राशि के नोटों में बदलने के नाम पर अतिरिक्त रकम देने का लालच देते थे। इसके बाद ऐसे बंडल तैयार किए जाते थे, जिनमें सबसे ऊपर एक असली नोट

रखा जाता था, जबकि उसके नीचे नकली अथवा डमी नोट होते थे। ऊपर असली नोट देखकर पीड़ित को पूरा बंडल असली होने का विश्वास हो जाता था और आरोपी उसे ठग लेते थे। 10 अगस्त को मिली सूचना के आधार पर एएटीएस टीम ने द्वारका मोड़, बिंदापुर स्थित एक परिसर में छापा मारकर बड़ी संख्या में ऐसे बंडल बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहदरा निवासी जावेद, मोहन गार्डन निवासी सोहेल और बिहार के पटना निवासी ध्रुव उर्फ सनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार ध्रुव उर्फ सनी पहले भी डमी करेंसी से जुड़ी दो ठगी की वारदातों में गिरफ्तार हो चुका है। इनमें एक मामला स्पेशल सेल और दूसरा महरौली थाने का है। मामले में बिंदापुर थाने में मुकदमा दर्ज कर गिरोह के अन्य सदस्यों और सहयोगियों की पहचान के लिए जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों की अन्य वारदातों में संलिप्तता का भी पता लगा रही है।

दिल्ली में बारिश से मौसम सुहावना, मुसीबतों का भी करना पड़ रहा सामना

नई दिल्ली। श्रावण मास की शुरूआत के साथ ही दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ है। कुछ दिनों से लगातार हो रही रिमझिम और मध्यम बारिश ने दिल्लीवासियों को उमस भरी गर्मी से राहत तो दिलाई है तो दूसरी ओर आम जनता की मुसीबतें बढ़ गई हैं। आज सुबह से जारी हल्की बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों में भी हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार राजधानी में लगातार बादलों की आवाजाही और रुक-रुक कर हो रही बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम तो सुहावना हो गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण राजधानी और आसपास के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़कों पर जलभराव होने से पैदल चलने वालों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव का सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष असर दिल्ली-एनसीआर की यातायात व्यवस्था पर पड़ा है। बारिश शुरू होते ही प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर गाड़ियों की रफ्तार थम जाती है। दफ्तर से घर लौटने वाले कर्मचारियों को जहां सामान्य दिनों में 1-2 घंटे का समय लगता था, वहीं अब जलभराव और ट्रैफिक जाम के कारण उन्हें 3-4 घंटे का लंबा और थकाऊ सफर तय करना पड़ रहा है। आईटीओ, धौलाकुआं, आश्रम, गुड़गांव-दिल्ली एक्सप्रेस-वे और गाजियाबाद को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें आम दृश्य बन चुकी हैं। लोगों को ट्रैफिक जाम के अलावा, सार्वजनिक परिवहन के साधनों की भारी किल्लत का भी सामना करना पड़ता है। बारिश के दौरान कैब और ऑटो मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसके साथ ही ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स द्वारा की जाने वाली सरचार्ज या डायनामिक प्राइसिंग के कारण यात्रियों से दोगुना तक किराया वसूला जा रहा है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, बुधवार, 12 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

रंजिश में पड़ोसी युवक पर जानलेवा हमला

नई दिल्ली। कल्याणपुरी इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक 35 वर्षीय युवक पर जानलेवा हमला किया गया। पीड़ित को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि त्रिलोकपुरी निवासी आकाश पर तीन अगस्त को हमला हुआ था। आकाश अपनी बेटी को स्कूल से लेने जा रहे थे। तभी शिवानी के भाई रोहित, दीपक, शिवानी के पिता और रोहित के दोस्त समीर ने उन्हें गली में रोक लिया। आरोपियों ने आकाश को लात-घूंसों से पीटा। उन्होंने आकाश के सिर पर भारी वस्तु से भी वार किया। आकाश को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कल्याणपुरी थाने में हत्या के प्रयास की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है।

अलीगढ़-राजघाट नरौरा के बीच चलेंगी अनारक्षित विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने अलीगढ़ जंक्शन और राजघाट नरौरा के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। ट्रेन संख्या 04187/04188 अलीगढ़-राजघाट नरौरा-अलीगढ़ विशेष ट्रेन कुल पांच फेरे लगाएगी। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 04187 अलीगढ़-राजघाट नरौरा विशेष अलीगढ़ जंक्शन से सुबह 5:40 बजे रवाना होगी और 7:15 बजे राजघाट नरौरा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04188 राजघाट नरौरा-अलीगढ़ विशेष राजघाट नरौरा से सुबह 8:15 बजे चलेगी और 9:55 बजे अलीगढ़ जंक्शन पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन का संचालन सामान्य श्रेणी की अनारक्षित व्यवस्था के तहत किया जाएगा। अलीगढ़ से ट्रेन संख्या 04187 का संचालन 10, 12, 17, 24 और 28 अगस्त को किया जाना है। इसी तरह राजघाट नरौरा से ट्रेन संख्या 04188 भी 10, 12, 17, 24 और 28 अगस्त को चलेगी।

निगम की प्रतिभा विद्यालय के बाल वाटिका में खेल-खेल में सीखेंगे नौनिहाल

नई दिल्ली। एमसीडी अपने विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के सीखने को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने की दिशा में पहल की है। महापौर प्रवेश वाही ने मंगलवार को प्रशांत विहार बी-ब्लॉक स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय में बाल वाटिका का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने रोहिणी सेक्टर-9 में एरोबिन का भी लोकार्पण किया। बाल वाटिका को अत्याधुनिक दृश्य-श्रव्य संसाधनों से सुसज्जित किया गया है। इसमें स्मार्ट टीवी और विभिन्न प्रकार के खेल-खिलौनों की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य छोटे बच्चों को खेल-खेल में सीखने का बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि निगम विद्यालयों में बच्चों के लिए सीखने के अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। महापौर ने रोहिणी सेक्टर-9 में एरोबिन का भी उद्घाटन किया। यह सुविधा संपूर्णा एनजीओ के सहयोग से स्थापित की गई है। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा शोभा विजेंदर भी मौजूद थीं।

आईपीयू में ऑफलाइन स्पॉट राउंड काउंसलिंग आज से

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) 12 से 14 अगस्त तक बीटेक, लेटरल एंट्री बीटेक, बीबीए, बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड और बीसीए प्रोग्रामों में दाखिले के लिए ऑफलाइन स्पॉट राउंड काउंसलिंग आयोजित करेगा। सीयूईटी स्कोर के आधार पर आवेदन करने वालों की मेरिट लिस्ट 11 अगस्त को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों को पहले के राउंड में दाखिला हो चुका है या स्लाइडिंग राउंड में सीट आवंटित हो चुकी है, वे इस काउंसलिंग में भाग नहीं ले सकते। यह स्पॉट राउंड उन इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है जो अब तक इन पाठ्यक्रमों में सीट हासिल नहीं कर पाए हैं।

एम्स में हिंदी प्रचार बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। एम्स नई दिल्ली में सरकारी कामकाज में हिंदी के इस्तेमाल को बढ़ाने की तैयारी है। संस्थान में फिलहाल मूल हिंदी पत्राचार करीब 85 फीसदी है, जिसे वित्तीय वर्ष 2026-27 में बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। यह फैसला राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 24 जून को हुई बैठक में लिया गया। बैठक में हिंदी पत्राचार की प्रगति पर चर्चा के बाद सभी विभागों, अनुभागों और केंद्रों को निर्देश दिए गए हैं कि अधिकारियों व कर्मचारियों से फाइलों और ई-ऑफिस में ज्यादा से ज्यादा टिप्पणियां हिंदी में लिखवाई जाएं। हिंदी में प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों की मदद से कामकाज हिंदी में कराने पर जोर दिया गया है।

सरकारी खरीद की प्रक्रिया को जेम ने बनाया आसान और पारदर्शी : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) के प्रभावी उपयोग से अब सरकारी खरीद की प्रक्रिया को डिजिटल, आसान और अधिक पारदर्शी बनाया गया है। इससे छोटे कारोबारियों और उद्यमियों को सरकारी खरीद से जुड़ने के लिए एक समान और व्यापक डिजिटल बाजार उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि एमएसएमई सिर्फ कारोबार नहीं, बल्कि रोजगार, इनोवेशन और स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। सरकारी खरीद को डिजिटल और पारदर्शी बनाने से छोटे कारोबारियों को बड़े संस्थागत बाजार तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है। जेम के जरिए बढ़ती खरीद, एमएसएमई की बढ़ती भागीदारी, महिला उद्यमियों और स्टार्टअप्स के लिए खुलते अवसर तथा दिल्ली के कारोबारियों को देशभर से मिल रहे ऑर्डर इस दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव को दिखाते हैं। दिल्ली सरकार का संकल्प है कि हर एमएसएमई को अवसर, हर उद्यमी को पारदर्शी बाजार और हर छोटे कारोबार को आगे बढ़ने का मजबूत प्लेटफॉर्म मिल सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने, उनके लिए नए बाजार और सरकारी खरीद के अवसर बढ़ाने तथा खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और समान अवसरों पर आधारित बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। सरकार द्वारा जेम (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने से दिल्ली के छोटे कारोबारियों और उद्यमियों को सरकारी खरीद से जुड़ने का बड़ा और पारदर्शी प्लेटफॉर्म मिल रहा है।दिल्ली की सरकारी खरीद में जेम के बढ़ते उपयोग और सेवाओं की खरीद में लगातार बढ़ रही भागीदारी को देखते हुए दिल्ली को ह्यसस्टेंड सर्विसेस प्रिक्यूरमेंट एडोप्शन श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया। यह सम्मान जेम के माध्यम से सेवाओं की खरीद में बढ़ती हिस्सेदारी और जेम के फायदों को पहचानते हुए दिल्ली के सरकारी खरीदारों द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। यह सम्मान जेम के विकास में दिल्ली के महत्वपूर्ण योगदान और सरकारी खरीद में जेम को प्रभावी रूप से अपनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की मान्यता है। जेम के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में जुलाई तक 1,595 करोड़ रुपये की खरीद दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 624 करोड़ रुपये से 156 प्रतिशत अधिक है। यह बढ़ोतरी दिल्ली के छोटे कारोबारियों को मिल रहे बढ़ते बाजार और अवसरों की मजबूत तस्वीर पेश करता है। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में कुल 4,311 करोड़ रुपये की सरकारी खरीद जेम के माध्यम से हुई। यह वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इसमें एमएसएमई यानी एमएसई से हुई खरीद की हिस्सेदारी लगभग 2,177 करोड़ रुपये रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भी छोटे कारोबारों की सरकारी खरीद में भागीदारी लगातार बढ़ी है। वित्त वर्ष 2021-22 में एमएसई से लगभग 965 करोड़ रुपये की खरीद हुई थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 2,177 करोड़ रुपये हो गई। उन्होंने बताया कि दिल्ली के विक्रेताओं को वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 95 प्रतिशत ऑर्डर केंद्र सरकार और दूसरे राज्यों के खरीदारों से आए।

वजीराबाद जल परियोजना (2,574 करोड़ रुपये) को मंजूरी, मंत्री बोले- मजबूत होगा जल आपूर्ति ढांचा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में जल आपूर्ति ढांचे को मजबूत करने वाली वजीराबाद जल परियोजना को हरी झंडी मिल गई है। वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट कमांड एरिया के लिए 2,574 करोड़ रुपये की एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) सहायता प्राप्त परियोजना को आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) की स्क्रीनिंग कमेटी ने मंजूरी प्रदान कर दी है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को विज्ञप्ति के जरिए कहा कि जल आपूर्ति ढांचे को मजबूत बनाने के लिए वजीराबाद परियोजना की मंजूरी एक बड़ा कदम है। हमारा लक्ष्य केवल आज की जरूरत पूरी करना नहीं, बल्कि ऐसा जल ढांचा तैयार करना है जो आने वाले दशकों तक दिल्ली की जरूरतों को पूरा कर सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में परिकल्पित यह परियोजना कई वर्षों तक लंबित रही, जिसे अब पुनर्जीवित कर आगे बढ़ाया जा रहा है। इस मंजूरी के साथ परियोजना क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिसका उद्देश्य जल आपूर्ति नेटवर्क को आधुनिक बनाना, उसकी दक्षता बढ़ाना और दिल्लीवासियों को अधिक विश्वसनीय जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। एडीबी की सहायता से संचालित इस परियोजना के तहत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर ट्रांसमिशन नेटवर्क, डिस्ट्रीब्यूशन लाइनों और घरों तक पानी पहुंचाने वाली व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि परियोजना के तहत पुरानी, क्षतिग्रस्त और कम क्षमता वाली पाइपलाइनों को बदला जाएगा, जबकि आवश्यकता के अनुसार नई ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लाइनें बिछाई जाएंगी। मौजूदा जल नेटवर्क को आपस में बेहतर तरीके से जोड़ा जाएगा, जिससे पानी का दबाव, वितरण और आपूर्ति की विश्वसनीयता बेहतर हो सके। वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, अंडरग्राउंड रिजर्वायर, पंपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी अपग्रेड किया जाएगा। घरों तक पहुंचने वाले हाउस सर्विस कनेक्शनों को व्यवस्थित और नियमित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में अभी तक औपचारिक जल कनेक्शन नहीं पहुंचा है, वहां नेटवर्क के विस्तार के साथ तकनीकी रूप से संभव होने पर उन्हें नियोजित जल आपूर्ति व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि हम जितना पानी तैयार करते हैं, उसका अधिक से अधिक हिस्सा लोगों तक पहुंचे। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर घर तक पूरे नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है, ताकि दिल्ली को एक ऐसी जल व्यवस्था मिले जो कुशल, जवाबदेह और भरोसेमंद हो।

झारखंड में छात्र आंदोलन पर राहुल गांधी खामोश : भाजपा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रेसवार्ता कर आरोप लगाया कि राहुल गांधी का दोहरा चेहरा युवाओं और छात्रों के सामने उजागर हो चुका है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान राहुल गांधी प्रधानमंत्री आवास पर धरने पर बैठ जाते हैं, जबकि झारखंड में पेपर लीक के खिलाफ चल रहे शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन पर वह पूरी तरह खामोश हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार, जिसे कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है, वहां आंदोलनरत छात्रों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग कर रही है। मल्होत्रा ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी झारखंड के मुख्यमंत्री का इस्तीफा कब मांगेंगे।हर्ष मल्होत्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को छात्रों और युवाओं से कोई सरोकार नहीं है। हंगामा खड़ा करना उनका मकसद है।उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि वे संसद की कार्यवाही बाधित करने के बजाय सदन में आएं, जहां गृहमंत्री अमित शाह छात्रों और युवाओं से जुड़े हर मुद्दे पर जवाब देने को तैयार हैं। उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान का हवाला देते हुए कहा कि सरकार चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन राहुल गांधी हमेशा की तरह संसद से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार छात्रों को लेकर संवेदनशीलता है। नीट पेपर लीक होने पर दोबारा समय रहते सफलतापूर्वक परीक्षा कराकर समय से उसका परिणाम घोषित किया गया। जंतर-मंतर पर धरनारत छात्रों से बातचीत के लिए प्रधानमंत्री ने अपने दो वरिष्ठ मंत्रियों को भेजा और उनकी मांगें मानी गईं। शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व काम करने वाले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफे हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समूचे विपक्ष भी इस व्यवहार की अपेक्षा है। यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के नेता संविधान को अपने पास रखते जरूर हैं, लेकिन मन में उसका अनादर करते हैं। इस रवैये के कारण आगामी चुनावों में जनता उन्हें नकार देगी।

झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज की दीपके ने निंदा की

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस लाठीचार्ज की निंदा की। साथ ही उन्होंने छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो के प्रति एकजुटता जताई। दीपके ने अस्पताल में भर्ती छात्र नेता महतो से वीडियो कॉल पर बात की। संगठन ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई से पहले महतो नौ दिन की भूख हड़ताल पर थे और कथित लाठीचार्ज के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। दीपके ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई के दौरान चोटें लगने और सीने में तेज दर्द होने के बाद महतो को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया। उन्होंने कहा कि देवेंद्र महतो एक सच्चे नायक हैं, जो छात्रों के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। सीजेपी ने पुलिस कार्रवाई की तत्काल स्वतंत्र जांच की मांग की और लाठीचार्ज का आदेश देने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने को कहा।

गाजीपुर में दूसरा डॉग शेल्टर होम बनाने की तैयारी में जुटा दिल्ली नगर निगम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में लावारिस कुत्तों की समस्या को नियंत्रित करने के लिए निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। द्वारका सेक्टर-29 में डॉग शेल्टर होम का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। अब निगम ने अन्य स्थानों पर भी डॉग शेल्टर होम बनाने के लिए परियोजना तैयार की है। निगम गाजीपुर में दूसरा बड़ा डॉग शेल्टर होम बनाएगा। निगम की योजना है कि लावारिस कुत्तों की समस्या को नियंत्रित करने के लिए शेल्टर होम की व्यवस्था की जाए। इन शेल्टर होम में बंध्याकरण केंद्र भी स्थापित किए जाएं। निगम की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर में पांच एकड़ भूमि पर लावारिस कुत्तों के लिए दूसरा शेल्टर होम बनाने की योजना है। इस संबंध में दिल्ली सरकार को प्रस्ताव भेजकर दिल्ली सरकार की भूमि निगम को देने की मांग की गई है। एमसीडी के वेटनरी अस्पताल के पास ही दिल्ली सरकार की पांच एकड़ भूमि कि पहचान की गई है। उम्मीद है कि इस प्रस्ताव को जल्द ही स्वीकृति मिल जाएगी। इसके बाद अगले महीने से गाजीपुर में भी दूसरे डॉग शेल्टर होम के निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा।निगम अधिकारियों ने बताया कि द्वारका सेक्टर-29 में छह हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में डॉग शेल्टर होम का निर्माण नवंबर में हो जाएगा। इसमें 1500 लावारिस कुत्तों को रखने की क्षमता होगी। निगम की योजना है कि पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर में पांच एकड़ भूमि पर बनने वाले दूसरे डॉग शेल्टर होम में दो हजार से अधिक लावारिस कुत्तों को रखने की क्षमता विकसित की जाए।

केंद्र सांसद पप्पू यादव को अतिरिक्त सुरक्षा दे : कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की सुरक्षा बढ़ाने के अनुरोध पर फैसला होने तक उन्हें अविलंब एक अतिरिक्त निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) उपलब्ध कराए। उच्च न्यायालय ने कहा कि पप्पू यादव एक सांसद हैं और उनकी तरफ से उठाए गए सुरक्षा के मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। केंद्र के वकील आशीष दीक्षित ने कहा कि यादव का मामला विचाराधीन है। तीन सप्ताह के भीतर फैसला किया जाएगा। यादव के वकील ने कहा कि अगर इस बीच राजनेता को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की जाती है तो वह इस स्तर पर याचिका पर दबाव नहीं डालेंगे।

सावन शिवरात्रि पर पूर्वी दिल्ली के मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा शाहदरा

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

पूर्वी दिल्ली। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर शाहदरा जिले के विभिन्न मंदिरों में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिरों में हर-हर महादेव और भोलेनाथ के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। श्रद्धालुओं ने जल, दूध, पंचामृत, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। लंबी कतारों के बावजूद श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह बना रहा और मंदिरों में दिनभर भक्तिमय माहौल देखने को मिला। प्रीत विहार स्थित प्राचीन शिव गुफा मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर में भगवान भोलेनाथ को तीन स्थानों पर जल अर्पित किया जाता है। यहां 24 फुट की ऊंचाई पर विराजमान 12 ज्योतिलिंगों वाला शिवलिंग श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। भक्तों ने भोलेनाथ का अभिषेक कर परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा पूरी करने पहुंचे शिव भक्तों ने प्राचीन शिव गुफा मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। भक्तों ने कहा कि भोलेनाथ की कृपा से उनकी कांवड़ यात्रा सफल रही। सावन शिवरात्रि के अवसर पर गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ से सभी की मनोकामनाएं पूरी करने और परिवारों में सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना की।

जामिया में सीडीओई के 11 नए कोर्स, आवेदन की तारीख 8 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) में 49 मौजूदा कार्यक्रमों के अलावा 11 नए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किया है। दाखिले के इच्छुक छात्रों के लिए राहत की खबर है। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विभिन्न डिस्टेंस और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाकर 8 सितंबर कर दी है। पहले आवेदन की अंतिम तारीख 10 अगस्त थी। इसके साथ ही नए पाठ्यक्रमों में विदेशी भाषाओं, डिजिटल मीडिया और कौशल आधारित विषयों को प्राथमिकता दी गई है। इनमें फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी, फारसी, अरबी और रूसी भाषा के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा फोटोग्राफी एवं वीडियो एडिटिंग, एंकरिंग एवं ब्रॉडकास्ट प्रेजेंटेशन और इंडियन नॉलेज सिस्टम्स में भी सर्टिफिकेट कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। संस्थान से प्राप्त जानकारी के अनुसार सीडीओई ने ह्यआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल मीडियाह्ल में डिप्लोमा तथा ह्यकॉन्फ्लिक्ट एनालिसिस एंड पीस बिल्डिंगह्ल में एडवांस्ड डिप्लोमा भी शुरू किया है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को अकादमिक ज्ञान के साथ रोजगार और बदलते कार्यक्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप कौशल उपलब्ध कराना है। बीएड और एमबीए (ओडीएल) के अभ्यर्थियों के लिए बीएड और एमबीए (ओडीएल) के अभ्यर्थियों के लिए भी प्रवेश परीक्षा की तारीख में बदलाव किया गया है। अब दोनों पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 19 सितंबर को होगी।

महापौर ने प्रशांत विहार स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय में बाल वाटिका का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने मंगलवार को उत्तर पश्चिम दिल्ली के प्रशांत विहार बी-ब्लॉक में स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय में बाल वाटिका का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम क्षेत्र की उपनिदेशक (शिक्षा) राजकुमारी, विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम अपने विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को उत्कृष्ट संसाधन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालय में छात्रों को सीखने के अच्छे अवसर प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक संसाधनों से सुसज्जित बाल वाटिका निगम विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए सीखने के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।साथ ही महापौर प्रवेश वाही ने आज रोहिणी सेक्टर-9 में एरोबिन का भी लोकार्पण किया। यह एरोबिन संपूर्णा एनजीओ की सहायता से स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर संपूर्णा की अध्यक्षा शोभा विजेंद्र भी उपस्थित रही। महापौर ने बताया कि एरोबिन की सहायता से एक बार में एक बिन में 10 किलो गीले कूड़े को बायो कल्चर की सहायता से कंपोस्ट खाद में बदल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक के माध्यम से स्रोत पर ही कचरे का पृथक्करण (सेग्रीगेशन) एवं निस्तारण करने में सहायता मिलेगी। महापौर ने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में दिल्ली नगर निगम का सहयोग करें तथा राजधानी को स्वच्छ एवं हरित बनाने के इस अभियान में सक्रिय भागीदार बनें।

राणा प्रताप बाग में गिरी जर्जर इमारत की छत, पुलिस और प्रशासन में मचा हड़कंप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के राणा प्रताप बाग इलाके में मंगलवार दोपहर उस वक्त भारी दहशत फैल गई, जब एक दो मंजिला इमारत के ढहने की पीसीआर कॉल पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि पूरी इमारत जमींदोज नहीं हुई, बल्कि उसके अंदरूनी हिस्से की छत और स्लैब भरभरा कर नीचे आ गिरे। इस खौफनाक हादसे में गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई और एक बड़ी त्रासदी होते-होते टल गई। मौत के साये में रहने को मजबूर मजदूर जिस जर्जर इमारत (डी-35, राणा प्रताप बाग) में यह हादसा हुआ, वह काफी पुरानी और खस्ताहाल है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस खतरनाक ढांचे के अंदर मजदूर रह रहे थे, जो हर दिन अपनी जान हथेली पर रखकर वहां गुजर-बसर कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इमारत के मालिक का नाम सुनील कपूर है, जो मॉडल टाउन के डेरावल नगर का निवासी है। दहशत का माहौल दोपहर करीब 3:16 बजे भारत नगर थाने में इमारत गिरने की कॉल आई। सूचना मिलते ही एएसआई मनबीर और एसएचओ (भारत नगर) तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के साथ-साथ मौके पर टीपीडीडीएल, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), फायर ब्रिगेड और एमसीडी की टीमें भी मुआयना करने पहुंचीं।

होटलों से लेकर किरायेदारों तक के सत्यापन में बरत रहे लापरवाही

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर राजधानी की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर है। दूसरी ओर लोगों की लापरवाही सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रही है। पुलिस की सुरक्षा जांच के दौरान होटल, गेस्ट हाउस और अन्य प्रतिष्ठानों में लापरवाही बरतने की बात सामने आ रही है। इसी तरह किरायेदारों और कर्मचारियों के सत्यापन में बरती जा रही लापरवाही चिंता का विषय है। हालांकि ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस सरकारी आदेश का उल्लंघन करने का मामला दर्ज कर रही है। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर राजधानी में संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए पुलिस होटलों, गेस्ट हाउस, धर्मशाला और किरायेदारों की जांच कर रही है। इससे पहले पुलिस लोगों से किरायेदारों, नौकरों और कर्मचारियों के सत्यापन के साथ इन स्थानों पर सुरक्षा के पूरे इंतजाम करने का निर्देश जारी कर चुकी है। इसके बावजूद जांच के दौरान ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें सुरक्षा नियमों का पूरी तरह से पालन नहीं किया जा रहा है। होटल गेस्ट हाउस में सुरक्षा इंतजाम अधूरे सुरक्षा की जांच के दौरान होटलों और गेस्ट हाउसों में कई खामियां सामने आई है। कहीं सीसीटीवी कैमरों की संख्या पर्याप्त नहीं हैं तो कहीं कैमरों की रिकार्डिंग और निगरानी व्यवस्था में खामी मिल रही है। कई जगहों पर आने-जाने वालों के रिकार्ड रखने और पहचान पत्र की जांच को लेकर भी लापरवाही बरती जा रही है। इसके अलावा कहीं डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर नहीं मिला तो कहीं सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस पर होटल और गेस्ट हाउस पर निगरानी रखना अहम है।

बिजली की तारों के पास पतंगबाजी पर आगाह किया

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस करीब आने के साथ राजधानी में पतंगबाजी होने लगी है। बिजली की तारों के समीप मेटल कोटेड मांझे से पतंगबाजी खतरनाक हो सकती है। इसे लेकर बिजली कंपनियों बीएसईएस और टीपीडीडीएल ने लोगों से अनुरोध किया है कि वह बिजली की तारों के पास ऐसे मांझो से पतंग न उड़ाएं। कंपनियों ने कहा है कि तारों के संपर्क में आते ही इनमें बिजली प्रवाहित होने लगती है। बिजली कंपनियों की तरफ से कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस पर पतंगबाजी के शौकीन बिजली के खंभों, तारों, ट्रांसफॉर्मरों और अन्य उपकरणों के आसपास पतंग न पड़ाएं। पतंग उड़ाने के लिए खासतौर से मेटल-युक्त मांझे का प्रयोग न करें। मेटैलिक मांझा न सिर्फ इलाके की बिजली गुल कर सकता है, बल्कि इससे पतंग उड़ाने वालों की जान को भी खतरा हो सकता है।

सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए सीजेपी अभियान चलाएगी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि देश 15 अगस्त 2026 को आजादी के 80 वर्ष पूरे करने जा रहा है, लेकिन गांवों के सरकारी स्कूल आज भी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए सीजेपी देशभर में अभियान चलाएगी। दीपके ने कहा कि पिछले 80 वर्षों में देश में बड़े-बड़े विकास कार्य हुए हैं। नया संसद भवन बना है और कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम हुआ है, लेकिन गांवों में मजदूरों और किसानों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों को वह प्राथमिकता नहीं मिली, जिसकी आवश्यकता थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या गांवों के बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी नहीं है। दीपके ने महाराष्ट्र सहित देशभर के ग्राम प्रधानों और सरपंचों से अपील की कि वे अपने गांव के सरकारी स्कूलों की स्थिति पर विशेष ध्यान दें और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाएं। दीपके ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों के सरकारी स्कूलों में जाएं और वहां उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति का जायजा लें। यदि किसी स्कूल में बुनियादी सुविधाओं की कमी है तो अभिभावक उसका वीडियो बनाकर कॉकरोच जनता पार्टी को भेज सकते हैं। पार्टी जल्द ही अभिभावकों के लिए एक विशेष फॉर्म जारी करेगी। इस फॉर्म के माध्यम से माता-पिता यह जानकारी दे सकेंगे कि उनके बच्चों के स्कूल में कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 12 अगस्त, 2026

गुरुग्राम में 25 हजार की बाइक पर 2.13 लाख जुमार्ना

51 चालान पेंडिंग, बिना हेलमेट और ढ्ढव्रउ के दौड़ाता रहा मोटरसाइकिल

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में पटौदी चौक पर नियमित वाहन जांच के दौरान एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने ट्रैफिक पुलिस के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बना दिया। चेकिंग के दौरान एक बाइक पर इतने चालान पेंडिंग मिले कि उनकी कुल जुमार्ना राशि बाइक की असल कीमत से भी दस गुना ज्यादा निकल गई। पटौदी चौक जोनल अधिकारी एएसआई प्रदीप कुमार ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच टीम को एक बाइक आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया और राइडर से गाड़ी के दस्तावेज दिखाने को कहा। पुलिस को अंदेशा था कि राइडर के पास शायद एक या दो दस्तावेज नहीं होंगे। राइडर पुलिस के सामने एक भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। शक होने पर जब एएसआई प्रदीप कुमार ने ट्रैफिक पुलिस के डिजिटल डिवाइस पर मोटरसाइकिल का नंबर डालकर उसका इतिहास खंगाला, तो उनके होश उड़ गए। स्क्रीन पर एक लंबी-चौड़ी लिस्ट खुल गई। जांच में सामने आया कि इस बाइक पर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 51 चालान पेंडिंग थे। जब पुलिस ने इन सभी चालानों की कुल जुमार्ना राशि जोड़ी, तो वह आंकड़ा दो लाख तेरह हजार रुपए तक पहुंच चुका था। हेलमेट और पीयूसी के चालान आमतौर पर लोग एक या दो चालान कटने के बाद सतर्क हो जाते हैं, लेकिन इस बाइक राइडर ने नियमों को तोड़ने की सारी हदें पार कर दी थीं। लंबित 51 चालानों के रिकॉर्ड को खंगालने पर पता चला कि इसमें अधिकांश उल्लंघन बेहद बुनियादी पाए गए। जिसमें ड्राइवर लगातार बिना हेलमेट के सड़कों पर फरार्टा भर रहा था। बाइक के पीछे बैठने वाली सवारी ने भी कभी हेलमेट नहीं लगाया और पर्यावरण नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बिना प्रदूषण जांच के गाड़ी चलाई जा रही थी। पुलिस ने बाइक की इंपाउंड इतनी भारी-भरकम जुमार्ना राशि और नियमों के प्रति ऐसी लापरवाही को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत कड़ा रुख अपनाया। नियमों के मुताबिक कार्रवाई करते हुए एएसआई प्रदीप कुमार की टीम ने इस बाइक को मौके पर ही इंपाउंड कर लिया। इसके बाद क्रेन बुलाकर गाड़ी को निर्धारित सरकारी पार्किंग में खड़ा करवा दिया गया है। अब राइडर को अपनी बाइक वापस पाने के लिए पहले कोर्ट या ट्रैफिक विभाग में इस भारी जुमार्ने को भुगतना होगा।

फरीदाबाद में लापता व्यक्ति की स्कूटी मिली

नहर में कूदने की आशंका, बिना बताए घर से निकला, काफी दिनों से चल रहा बीमार

प्रात : किरण संवाददाता

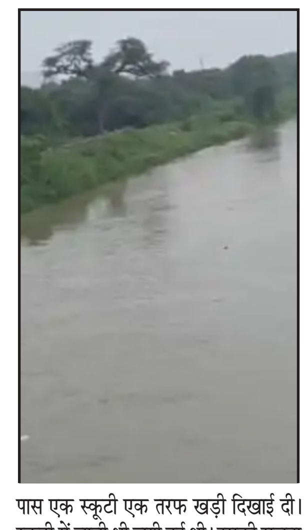

फरीदाबाद । के बल्लभगढ़ में तिगांव पुल के पुराने पुल के पास लापता एक व्यक्ति की स्कूटी मिलने के बाद उसके नहर में कूदने की आशंका जताई जा रही है। स्कूटी में चाबी लगी हुई थी और आसपास युवक का कोई पता नहीं था। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू कर दी है। लापता युवक की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 38 से 40 साल बताई जा रही है और वह बल्लभगढ़ की श्याम कॉलोनी का रहने वाला है। परिजनों के अनुसार कृष्ण कुमार 6 अगस्त की शाम अपनी स्कूटी लेकर घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस घर नहीं लौटा। काफी तलाश करने के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने पुलिस को उसके लापता होने की शिकायत दी। करीब छह दिन बाद तिगांव पुल के पुराने पुल के पास एक स्कूटी एक तरफ खड़ी दिखाई दी। स्कूटी में चाबी भी लगी हुई थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्कूटी की नंबर प्लेट के आधार पर उसके मालिक की पहचान की और कृष्ण कुमार के परिवार को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और उन्होंने स्कूटी की पहचान कृष्ण कुमार की स्कूटी के रूप में की। कृष्ण कुमार के मामा चरण सिंह ने बताया कि कृष्ण 6 अगस्त को घर से बिना बताए निकला था। स्कूटी तिगांव पुल के पुराने पुल के पास मिलने के कारण परिवार को आशंका है कि उसने नहर में छलांग लगा दी हो। उन्होंने बताया कि कृष्ण कुमार पिछले काफी समय से बीमार चल रहा था। उसे डायबिटीज की बीमारी थी और वह कुछ हद तक दिव्यांग भी हो गया था। वह ज्यादातर समय घर पर ही रहता था और ज्यादा कहीं बाहर नहीं जाता था। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि नहर में जल्द से जल्द एसडीआरएफ की टीम को उतारकर कृष्ण कुमार की तलाश कराई जाए, ताकि उसके बारे में पता चल सके। लापता व्यक्ति की तलाश में जुटी पुलिस : थाना प्रभारी वहीं बल्लभगढ़ सिटी थाना प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि कृष्ण कुमार के लापता होने की शिकायत 6 अगस्त को परिजनों की ओर से दी गई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। अब तिगांव पुल के पुराने पुल के पास उसकी स्कूटी मिलने के बाद नहर में कूदने की आशंका जताई गई है।

गुरुग्राम में शिवरात्रि पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

लंबी कतारों में हुआ भोलेनाथ का जलाभिषेक; सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में शिवरात्रि पर्व पर सुबह से ही सभी छोटे-बड़े शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ह्यहर-हर महादेवह्व, बम-बम भोले और ह्यओम नमः शिवाय के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस वर्ष शिवरात्रि पर सुरक्षा, आस्था और प्रबंधन का एक अनोखा संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने लंबी-लंबी कतारों में लगकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और अपनी मनोकामनाएं मांगी। तड़के चार बजे से ही मंदिरों के कपाट खुलते ही भक्तों की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। इसमें विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। शहर के प्रमुख और ऐतिहासिक मंदिरों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। माता शीतला माता मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर, प्राचीन सिद्धेश्वर मंदिर, गुफा वाले मंदिर, प्रेम मंदिर, और सेक्टर-4 स्थित शिव मंदिर में भक्तों की कतारें कई किलोमीटर लंबी नजर आईं। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को अति प्रिय बेलपत्र, धतूरा, भांग, फल, फूल, और पंचामृत अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की। कांवड़ियों का जोरदार स्वागत पिछले कई दिनों से कठिन पैदल यात्रा कर पहुंचे कांवड़ियों ने स्थानीय शिवालयों में पहुंचकर अपनी कांवड़ चढ़ाई और भगवान शिव का पवित्र गंगाजल से अभिषेक किया। कांवड़ियों का स्थानीय निवासियों और सामाजिक संस्थाओं ने जोरदार स्वागत किया महिला पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस और प्रशासन ने बेहद कड़े इंतजाम किए थे। सभी मुख्य मंदिरों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था। महिला पुलिसकर्मियों की भी विशेष ड्यूटियां लगाई गई थीं ताकि महिला श्रद्धालुओं को दर्शन करने में कोई असुविधा न हो। सीसीटीवी से निगरानी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मंदिरों के एंट्री और एग्जिट गेट समेत पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया था। ट्रैफिक पुलिस ने भी कांवड़ मार्गों और मंदिरों के रूट पर विशेष डायवर्जन किया था, जिससे शहर में कहीं भी जाम की स्थिति पैदा नहीं हुई। रात तक चलेंगे कार्यक्रम मंदिरों में भव्य आरती का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष लाइटिंग और फूलों की सजावट ने भक्तों का मन मोह लिया। देर रात तक शिव मंदिरों में भजनों और भक्ति संगीत का दौर चलता रहेगा।

गैंगरेप के बाद युवती की हत्या दोनों दोषियों को उम्रकैद

कोर्ट ने दोनों पर 2.61 लाख जुमार्ना लगाया, साल 2023 में की थी वारदात

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । के मुजेसर थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद और दोनों पर अलग-अलग 2.61 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। कोर्ट ने दोनों को मर्डर, गैंगरेप, एससीएसटी एक्ट में उम्रकैद, तो सबूत मिटाने और घर में घुसने की धारा के तहत 3-3 साल की सजा सुनाई है। करीब तीन साल चली सुनवाई के बाद एडिशनल सेशन जज पुरुषोत्तम कुमार की कोर्ट ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। दुष्कर्म के बाद गला दबाकर की हत्या पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2023 में दोनों आरोपियों ने युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या के सबूत मिटाने के लिए आरोपियों ने शव को फंदे पर लटका दिया था। युवती के भाई की शिकायत पर मुजेसर थाने में केस दर्ज किया गया था। क्राइम ब्रांच ने की मामले की जांच मामला गंभीर होने के कारण इसकी जांच क्राइम ब्रांच डीएलएफ को सौंपी गई। टीम ने जांच के दौरान फिजिकल और टेक्निकल एविडेंस जुटाए और दोनों आरोपियों को 27 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद 29 जुलाई 2023 को अदालत में चालान पेश किया। दोनों आरोपी फरीदाबाद में रह रहे थे दोषियों की पहचान प्रहलाद निवासी मथुरा, और मुकेश निवासी गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। दोनों फरीदाबाद में किराए पर रह रहे थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू की थी। 3 साल में 25 गवाहों के बयान हुए पुलिस ने इस मामले को चिन्हित अपराध की श्रेणी में रखा था। सुनवाई के दौरान पीडित पक्ष की ओर से तीन साल में अदालत में 25 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। पुलिस ने फिजिकल और टेक्निकल एविडेंस के आधार पर अदालत में मामले की मजबूत पैरवी की।

गाय से टकराकर कारोबारी की मौत

:उछलकर कई फीट दूर गिरा, सुबह होने तक तड़पता रहा; फरीदाबाद में 1 साल पहले शादी हुई

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद में स्कूटी सवार कारोबारी की गाय से टकराकर मौत हो गई। टक्कर लगते ही कारोबारी पलटी खाते हुए करीब 15 फीट दूर जाकर गिरा। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाय भी रोड पर पथले खाती रही। एक्सीडेंट के बाद वह करीब एक घंटे तक रोड पर पड़ा तड़पता रहा। दिन निकलने पर आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक की पहचान आशु खत्री (36) के रूप में हुई। आशु की एक साल पहले ही शादी हुई थी। सुबह करीब 4 बजे आशु अपने दोस्त के घर से लौट रहा था। इसी दौरान ये हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। परिजनों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही से ये हादसा हुआ। दोस्त के घर से लौट रहा था, गाय से टकराकर हादसा हादसा फरीदाबाद के ठक्ळ-3 एरिया में सुबह करीब 4 बजे हुआ। मृतक आशु खत्री कल रात अपने दोस्त के घर गए थे। सुबह वापस लौटते समय गाय से टकराकर उनका एक्सीडेंट हो गया। करीब एक घंटे बाद उन्हें पास के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बीके अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में अस्पताल जाते समय ही आशु ने दम तोड़ दिया। आशु ठक्ळ-5 एरिया में बड़े भाई, पत्नी और माता-पिता के साथ रहते थे। चाचा अशोक खत्री का कहना है कि आशु करीब आठ साल से बाइक-स्कूटी खरीदने और बेचने का काम करता था। रोड के बीच में बैठी थी गायः हादसे से जुड़ा 21 सेकेंड का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें कारोबारी आशु ठक्ळ-3 रोड से आता दिखाई दे रहा है। यहां एक गाय रोड के किनारे और एक रोड के बीच में बैठी थी। रोड पर कुछ अंधेरा भी छाया था। कई फीट दूर जाकर गिराः आशु तेज स्पीड में आगे बढ़ रहा था। जैसे ही उसे सड़क पर गाय लेटी दिखाई दी, उसने तेज ब्रेक भी लगाए। मगर, मगर स्कूटी आगे बढ़ते हुए गाय से टकरा गई। टक्कर लगते ही आशु स्कूटी के साथ कई फीट दूर सड़क पर जाकर गिरा। सड़क पर तड़पता रहा कारोबारीः स्कूटी की टक्कर लगते ही गाय भी कई फीट दूर जाकर गिरी। इस दौरान आशु सड़क पर पड़ा ही तड़पता रहा। वहीं, टक्कर लगने के कुछ ही सेकेंड बाद गाय सड़क से उठकर चली गई।

गुरुग्राम की रोजवुड सिटी कम्युनिटी सेंटर पर फिर लगा ताला

लोगों ने जताया रोष; बोले-सड़क पर करने पर पड़ रहे धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

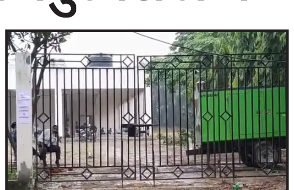

गुरुग्राम । के सेक्टर-49 स्थित रोजवुड सिटी (ब्लॉक-सी) में कम्युनिटी सेंटर के उपयोग को लेकर विवाद गहरा गया है। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने डेवलपर कंपनी KIAZ एस्टेट एलएलपी पर मुख्यमंत्री जन शिकायत समिति और एसटीपी के आदेशों की अवहेलना कर सेंटर पर फिर से अवैध ताला लगाने का आरोप लगाया है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अशोक यादव ने जिला उपायुक्त को लिखे पत्र में बताया कि यह मामला पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जन शिकायत समिति के समक्ष उठाया गया था। विस्तृत सुनवाई के बाद मुख्यमंत्री ने कम्युनिटी सेंटर का गेट तत्काल खोलने के कड़े निर्देश दिए थे। इसके बाद एसटीपी गुरुग्राम ने लिखित आदेश जारी कर ताला खुलवाया था। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष का आरोप है कि डेवलपर कंपनी ने इन प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी करते हुए कम्युनिटी सेंटर पर दोबारा अवैध रूप से ताला लगा दिया है। कार्यक्रम सड़क पर करने पड़ रहे इस तालेबंदी के कारण स्थानीय निवासी धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें अपने कार्यक्रम सड़क पर करने पड़ रहे हैं। आरडब्ल्यूए ने यह भी बताया कि सेंटर पर 10 से 15 निजी बाउंसर और अज्ञात व्यक्तियों को तैनात किया गया है, जिससे कॉलोनी में डर और तनाव का माहौल है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। डीसी से कम्युनिटी सेंटर खोलने की गुहार आरडब्ल्यूए ने उपायुक्त से तत्काल अवैध ताला हटवाने और कम्युनिटी सेंटर को सार्वजनिक उपयोग के लिए खोलने की गुहार लगाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना करने वाली कंपनी के खिलाफ कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की भी मांग की है।

फरीदाबाद में युवती ने फंदा लगाकर दी जान

फरीदाबाद। के सेक्टर 15 अ में युवती ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक लड़की काफी समय से बीमार चल रही थी और मानसिक रूप से परेशान थी। मृतका की पहचान यूपी में कन्नौज के गांव सिरसा की रहने वाली है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल में रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सेक्टर 15 अ चौकी इंचार्ज शिव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतका अंजली (17) कन्नौज से करीब 1 महीने पहले फरीदाबाद आई थी। यहां पर वह सेक्टर 15 अ में अपने भाई विशाल और भाभी के साथ रह रही थी। उसका भाई विशाल यहीं पर एक निजी कंपनी में काम करता है। पुलिस के अनुसार अंजली काफी समय से बीमार चल रही थी। जिस कारण वह मानसिक रूप से परेशान चल रही है। परिवार के लोगों के मुताबिक बीमारी के कारण उसका स्कूल जाना भी बंद करा दिया गया था। विशाल की वाइफ गर्भवती है, इसलिए अंजली को कुछ दिनों के लिए बुलाया गया था। घर में फंदा लगाकर दी जान मंगलवार को घर में अकेली थी, उसका भाई विशाल और भाभी दोनों अपने काम कर गए हुए थे। पीछे से अंजली ने घर में ही फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। जब विशाल का साला घर पर टयूशन से वापस आया, तो उसने गेट खटखटाया जिसके बाद किसी ने गेट नही खोला। इसके बाद उसने खिड़की से देखा कि अंजली ने फांसी लगाई हुई है। जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मामले की जांच में जुटी पुलिस सेक्टर 15 अ चौकी इंचार्ज शिव कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए

गुरुग्राम में लेखक–एक्टर सुहेल सेठ का नागरिक आंदोलन शुरू

बोले- देश का इंफ्रास्ट्रक्चर चरमरा रहा, जनता अब चुप न बैठे; वीडियो वायरल

प्रात : किरण संवाददाता

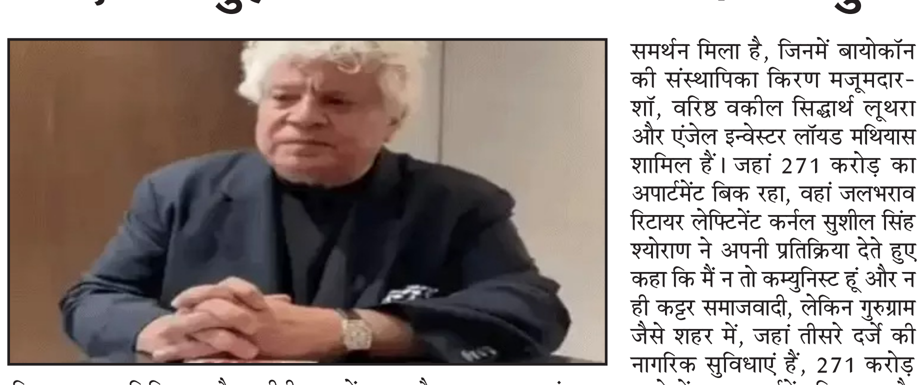

गुरुग्राम। में रहने वाले प्रसिद्ध मार्केटिंग एक्सपर्ट, लेखक और एक्टर सुहेल सेठ ने चरमारते इन्फ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ नागरिक आंदोलन शुरू की पोस्ट की है। अपने अधिकारिक एक्स हैंडल पर उन्होंने 2.17 मिनट की एक वीडियो क्लिप में गुरुग्राम सहित देश के कई बड़े शहरों की बदहाल सड़कों, जलभराव, बिजली कटौती और कमजोर पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उनका कहना है कि अरबों के घर बिक रहे, फिर भी चूहों से बदतर जिंदगी है। नागरिक हर साल भारी-भरकम टैक्स चुकाते हैं। इसके बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी ठीक से नहीं मिलती हैं। अब समय आ गया है कि जनता चुप बैठना बंद करे। सरकार और प्रशासन को उनकी जवाबदेही याद दिलाने के लिए एक बड़ा डिजिटल और जमीनी आंदोलन खड़ा किया जाए। उन्होंने लोगों से जलभराव, टूटी सड़कों और अन्य समस्याओं की तारीख और स्थान के साथ तस्वीरें व वीडियो व्हाट्सएप करने को कहा, उन्होंने वादा किया कि वे जांचे गए हर सबूत को मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए सरकार तक पहुंचाएंगे। उनके इस मूवमेंट का असर भी दिखाई देने लगा है। एक हजार से ज्यादा शिकायतें मिली सुहेल सेठ ने बताया कि अब तक एक हजार से ज्यादा शिकायतें मिल चुकी हैं। इनमें मुख्य तौर पर गुरुग्राम, बंगलुरू और मुंबई में जल भराव, गुरुग्राम में कूड़ा-कचरा और सड़कों की खराब हालत और पैथहॉल की शिकायतें हैं। लोगों के साथ प्रतिष्ठित लोगों का समर्थन मिल रहा सुहेल सेठ ने लोगों से सुविधाओं की विफलताओं की तस्वीरें और वीडियो भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब तक प्रशासन की जवाबदेही तय नहीं होती, वे इन मुद्दों को जोर-शोर से उठाते रहेंगे। उनकी इस अपील को देश भर की प्रमुख हस्तियों और आम लोगों का भारी समर्थन मिला है, जिनमें बायोकॉन की संस्थापिका किरण मजूमदार-शॉ, वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा और एंजेल इन्वेस्टर लॉयड मथियास शामिल हैं। जहां 271 करोड़ का अपार्टमेंट बिक रहा, वहां जलभराव रिटायर लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील सिंह श्योराण ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं न तो कम्युनिस्ट हूं और न ही कट्टर समाजवादी, लेकिन गुरुग्राम जैसे शहर में, जहां तीसरे दर्जे की नागरिक सुविधाएं हैं, 271 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट बिक रहा है, भारत में कुछ न कुछ बहुत गड़बड़ है। उन्होंने बिजनेसमैन मानव सरदाना द्वारा उ्छ्रह्यद डहलियाजह्व में खरीदे गए 271 करोड़ रुपये के पेंटहाउस का जिक्र भी किया। मंगलवार सुबह तक उनके इस पोस्ट को करीब 4 लाख व्यूज, 728 कमेंट्स, 2,100 रीपोस्ट और 7,100 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। देशभर से लोग जुड़ रहे सुहेल सेठ ने इसे विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक नागरिक आंदोलन का नाम दिया है।

फरीदाबाद में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई

फरीदाबाद । में अटाली-कोराली रोड पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान अटाली निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, काले रंग की स्कॉर्पियो अटाली से कोराली की तरफ जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। स्कॉर्पियो सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में अटाली निवासी बताए जा रहे एक युवक राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, वाहन में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने जांच शुरू की तिगांव थाना इंचार्ज रणबीर ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को टोइंग वैन की मदद से सड़क से हटवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। तीन घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

84 पाल की पंचायत में सुलझा फरीदाबाद का दंगल विवादहाई स्कूल में आयोजन पर बनी सहमति

फरीदाबाद । जिले के तिगांव में हरियाली तीज के अवसर पर आयोजित होने वाले पारंपरिक दंगल की जगह को लेकर पिछले काफी समय से चल रहा विवाद अब खत्म हो गया है। रविवार को अनाज मंडी में आयोजित 84 पाल की पंचायत में 21 सदस्यीय कमेटी गठित की गई। कमेटी ने दोनों पक्षों से विचार-विमर्श करने के बाद दंगल का आयोजन गांव के हाई स्कूल में कराने का फैसला लिया। तिगांव में नागर पट्टी और अधाना पट्टी नाम से दो पंचायतें हैं। नागर पट्टी की ओर से विक्रम प्रताप और अधाना पट्टी की ओर से वेदपाल सरपंच हैं। हरियाली तीज पर आयोजित होने वाले दंगल की जगह को लेकर दोनों पंचायतों के बीच सहमति नहीं बन पा रही थी। नागर पट्टी के सरपंच विक्रम प्रताप का कहना था कि दंगल हाई स्कूल में आयोजित किया जाए, जबकि दूसरी पंचायत की ओर से स्टेडियम में आयोजन कराने की मांग की जा रही थी। विवाद का समाधान निकालने के लिए अनाज मंडी में 84 पाल की पंचायत बुलाई गई। इसमें पाल के लोगों ने हिस्सा लिया। पंचायत के दौरान 21 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया, जिसे दोनों पक्षों की बात सुनकर सर्वसम्मति से निर्णय लेने की जिम्मेदारी दी गई। कमेटी ने काफी देर तक दोनों पक्षों से बातचीत और विचार-विमर्श करने के बाद दंगल का आयोजन हाई स्कूल में कराने का फैसला किया। इसके साथ ही दंगल को लेकर दोनों पंचायतों के बीच चल रहे विवाद पर विराम लग गया। कमेटी के फैसले से बनी सहमति पंचायत की अध्यक्षता करने वाले रणबीर चंदीला ने बताया कि 84 पाल के लोगों से विचार-विमर्श करने के बाद 21 सदस्यीय कमेटी ने यह निर्णय लिया है।

गुरुग्राम में कचरा संग्रहण एजेंसी पर 12 लाख जुमार्ना

नगर निगम ने लगाया, नहीं उपलब्ध कराए वाहन, सफाई कर्मचारी भी नहीं मिले

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । नगर निगम गुरुग्राम (MCG) ने शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कार्य में एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त रुख अपनाया है। जोन-5 में कार्यरत केएस मल्टीफेस्लिटी सर्विसेज नामक एजेंसी पर कुल 12 लाख,466 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। यह कार्रवाई निर्धारित संख्या में वाहन, ट्रैक्टर-ट्रॉली और सफाई कर्मचारियों की अनुपलब्धता सुनिश्चित न करने पर की गई है। संयुक्त आयुक्त-5 कार्यालय द्वारा जारी पहले नोटिस के अनुसार, एजेंसी को जोन-5 में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए प्रतिदिन 76 वाहन उपलब्ध कराने का प्रावधान था। निगम के सहायक सफाई निरीक्षकों ने 25 जुलाई से 11 अगस्त 2026 तक वाहनों की दैनिक उपलब्धता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई दिनों में निर्धारित संख्या की तुलना में काफी कम वाहन मौके पर उपलब्ध पाए गए। निगम के रिकॉर्ड के अनुसार, निर्धारित 76 वाहनों के मुकाबले संबंधित अवधि में कुल 691 वाहन प्रतिदिन की कमी पाई गई। इस लापरवाही के लिए एजेंसी पर 9 लाख 95 हजार 40 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। इसी एजेंसी के खिलाफ जारी दूसरे नोटिस में ट्रैक्टर-ट्रॉली और कर्मचारियों की निर्धारित उपलब्धता सुनिश्चित नहीं करने का मामला सामने आया है। जोन-5 में सफाई कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए प्रत्येक संबंधित वार्ड में निर्धारित संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं सफाई कर्मचारियों की तैनाती की जानी थी। नगर निगम द्वारा 1 अगस्त से 11 अगस्त 2026 तक किए गए निरीक्षण में निर्धारित संसाधनों की तुलना में कमी पाई गई। इस अवधि में कुल 26 ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा 286 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित ट्रैक्टर-ट्रॉली के लिए 65 हजार रुपए तथा अनुपस्थित कर्मचारियों के लिए 1 लाख 40 हजार 426 रुपए की पेनल्टी निर्धारित की गई है। इस प्रकार, इस दूसरे नोटिस के तहत कुल 2 लाख 05 हजार 426 रुपए की राशि बनती है। दोनों नोटिसों को मिलाकर केएस मल्टीफेस्लिटी सर्विसेज पर कुल 12 लाख 466 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

पत्रसं—128—डब्ल्यु/वं.मं.अधि./सं/निविदा—06—2026—27—ड्ब्ल्युसी   दिनांक— 11.08.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्व्य, मन्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए e- निविदाए आमन्त्रित की जाती है

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1	दिल्ली डिवीजन में याड्र्स का सर्वे और ऑर्थो—फोटो सर्वे के जरिए उनके लेआउट में सुधार।	रु. 7636232.76	रु. 152700/-	06 माह	01.09.2026

सुचनाः निविदा रेलवे की वैबसाइट 'www.ireps.gov.in' पर उपलब्ध है तथा इसी वैबसाइट पर 01.09.2026 15.00 बजे तक ही भरी जायेगी।

2773/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

रेलगाड़ी संख्या 04123/04124 प्रयागराज जं.–हज़रत निज़ामुद्दीन–प्रयागराज जं. के बीच (द्वि–साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

रेलयात्रियों की सुविधा हेतु यह सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी संख्या **04123/04124** प्रयागराज जं.-हज़रत निज़ामुद्दीन-प्रयागराज जं. के बीच (द्वि-साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित तिथि	फेरे
04123	प्रयागराज जं.	हज़रत निज़ामुद्दीन	रवि व बुध	29.07.2026	30.08.2026	08
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	प्रयागराज जं.	सोम व वीर	30.07.2026	31.08.2026	08

स्थानः प्रथम वाता., वाता. 3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।   • अन्य सभी निर्देश यथावत रहेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।

रेलमदद वेबसाइट : www.railmadad.indianrailways.gov.in देखें एवं रेलमदद ऐप डाउनलोड करें।

2772/2026

पर हमें फॉलो करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

घर की रखवाली से परिवार के सदस्य तक फर बेबी बने पालतू पशु, बदल रही इंसानियत की तस्वीर

कांतिलाल मांडोत

कभी घर की रखवाली के लिए पाला जाने वाला कुत्ता और चूहे पकड़ने के लिए घर में रखी जाने वाली बिल्ली आज इंसानी परिवारों की भावनात्मक दुनिया का अहम हिस्सा बन चुके हैं। अब पालतू पशु केवल घर के सदस्य नहीं, बल्कि परिवार के उन सदस्यों की तरह देखे जाने लगे हैं जिनके जन्मदिन मनाए जाते हैं, जिनके लिए विशेष कपड़े खरीदे जाते हैं और जिनकी सेहत, खान-पान तथा आराम पर हर महीने हजारों रुपए खर्च किए जाते हैं। बदलते दौर में कुत्ते-बिल्लियां अब ह्यफर बेबीह्न के रूप में पहचाने जा रहे हैं। यह बदलाव केवल शहरी जीवनशैली का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके पीछे मनुष्य और पशु के बीच बढ़ता भावनात्मक रिश्ता भी दिखाई देता है। देश में पालतू पशु पालने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 में भारत में करीब 3.8 करोड़ पालतू पशु थे, जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक कुत्ते थे। वर्ष 2026 में इनकी संख्या करीब 4.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। पेट ओनरशिप में हर साल करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारतीय समाज में पशुओं के प्रति नजरिया बदल रहा है। अब पशु को केवल उपयोगिता की दृष्टि से देखने के बजाय उसके साथ भावनात्मक संबंध बनाने की प्रवृत्ति मजबूत हो रही है। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका काफी बड़ी है। पहली बार पालतू पशु पालने वालों में करीब 70 प्रतिशत जेन-जी के होने की बात सामने आई है। देश के करीब 56 प्रतिशत लोग अपने पालतू पशु को परिवार का अभिन्न सदस्य मानते हैं, जबकि लगभग 11 प्रतिशत लोगों के पास चार या उससे अधिक पालतू पशु हैं। इसका अर्थ केवल इतना नहीं है कि लोग पशुओं पर अधिक पैसा खर्च कर रहे हैं, बल्कि यह भी है कि मनुष्य और पशु के बीच रिश्ते की परिभाषा बदल रही है।

आज महानगरों में पालतू पशुओं के लिए ब्यूटी पार्लर, डे-केयर, होटल, स्वास्थ्य बीमा, विशेष भोजन और चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। कई जगह उनके जन्मदिन और दूसरे खास अवसरों पर बाकायदा समारोह आयोजित किए जाते हैं। पालतू पशुओं के लिए विशेष कपड़ों का बाजार भी तेजी से बढ़ा है। अब लोग अपने कुत्तों के लिए त्योहारों, शादियों और पारिवारिक समारोहों के अनुरूप कपड़े खरीद रहे हैं। पांच हजार रुपए तक की शेरवानी और हाथ से बुने हुए लहंगे जैसे परिधान इस बदलती सोच की तस्वीर पेश करते हैं। यह बदलाव पहली नजर में उपभोक्तावाद जैसा लग सकता है, लेकिन इसके भीतर पशु-जगत के प्रति बढ़ती संवेदना का एक सकारात्मक पक्ष भी है। जब कोई परिवार किसी पशु को अपने घर में लाकर उसकी जिम्मेदारी स्वीकार करता है तो वह धीरे-धीरे पशु की जरूरतों, भावनाओं और स्वास्थ्य को समझना शुरू करता है। पशु को भोजन देना और उसे बांधकर रखना ही पर्याप्त नहीं रह जाता। उसकी बीमारी, टीकाकरण, स्वच्छता, मानसिक सक्रियता और सुरक्षा की चिंता भी परिवार की जिम्मेदारी बन जाती है। यही सोच व्यापक स्तर पर पशु प्रेम को जन्म दे सकती है। जिस व्यक्ति ने अपने घर के पालतू पशु के दर्द को समझना सीखा है, उसके लिए सड़क पर घायल पड़े किसी जानवर की पीड़ा को नजरअंदाज करना भी मुश्किल हो सकता है। यही वह बिंदु है जहां पालतू पशु पालने की संस्कृति केवल व्यक्तिगत शौक न रहकर सामाजिक संवेदना का माध्यम बन सकती है। बदलती जीवनशैली भी इस परिवर्तन के पीछे एक बड़ा कारण है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों में परिवार छोटे होते जा रहे हैं। अकेलेपन और व्यस्त जीवन के बीच पालतू पशु लोगों को भावनात्मक साथ देते हैं। यही वजह है कि बेंगलुरु जैसे शहरों में पेट केयर और प्रीमियम सेवाओं पर खर्च तेजी से बढ़ा है। जालंधर, लुधियाना, इंदौर और जयपुर जैसे शहरों में भी यह संस्कृति अब तेजी से दिखाई देने लगी है। टियर-2 और छोटे शहरों में पेट केयर ऑर्डर में सालाना करीब 96 प्रतिशत की वृद्धि इस बदलाव की पहुंच को स्पष्ट करती है। पालतू पशुओं के भोजन और स्वास्थ्य से जुड़े उत्पादों की मांग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डॉग शैम्पू की बिक्री में करीब 600 प्रतिशत तक उछाल, ग्रेन-फ्री पेट फूड की मांग में 152 प्रतिशत वृद्धि, पेट सप्लीमेंट्स और वेलनेस उत्पादों में 42 प्रतिशत वृद्धि तथा डॉग आइसक्रीम की मांग में 245 प्रतिशत वृद्धि यह बताती है कि लोग अब पशुओं की देखभाल को गंभीरता से लेने लगे हैं। टियर-2 और छोटे शहरों में बर्ड फूड तथा रैबिट फूड की मांग बढ़ना भी महत्वपूर्ण संकेत है। यानी पशु प्रेम केवल कुत्ते और बिल्ली तक सीमित नहीं रह रहा। इस परिवर्तन का सबसे सुंदर पक्ष पशुओं को खरीदने के बजाय गोद लेने की बढ़ती प्रवृत्ति है। सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ने के साथ अनेक लोग सड़क पर रहने वाले या आश्रय गृहों में मौजूद पशुओं को अपनाने की ओर बढ़ रहे हैं। यह प्रवृत्ति और मजबूत हो तो पशु कल्याण के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ सकता है। किसी पशु को घर देना केवल एक जीव को आश्रय देना नहीं, बल्कि उसके जीवन को सम्मान देना है। दुनिया के कई देशों में पशु क्रूरता के खिलाफ जागरूकता लंबे समय से सामाजिक आंदोलनों का हिस्सा रही है।

युवा ऊर्जा : राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत

सुनील कुमार महला

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल 12 अगस्त को युवाओं की भूमिका, अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर नजर डालें तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1999 को इसे मनाने की घोषणा की थी और पहली बार यह वर्ष 2000 में आयोजित हुआ था। यह दिवस युवाओं के अवसरों और चुनौतियों पर संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच प्रस्तुत करता है। युवा नवाचार और परिवर्तन की बड़ी शक्तिः- हाल फिलहाल यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा, रचनात्मकता, नवाचार और परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। वैश्विक स्तर पर 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या करीब 120 करोड़ है, जो विश्व की कुल आबादी का लगभग 16 प्रतिशत है। आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में अग्रणी है। भारत में 10 से 24 वर्ष के 38.2 करोड़ से अधिक युवा हैं, जबकि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की आबादी लगभग 37 करोड़ है, जो देश की कुल आबादी का लगभग 27 प्रतिशत है। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभांश और सबसे बड़ी शक्ति है। स्वामी विवेकानंद के युवाओं के बारे में विचारः- स्वामी विवेकानंद युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और परिवर्तन का प्रमुख माध्यम मानते थे। उनका मानना था कि युवाओं में अपार ऊर्जा, साहस, आत्मविश्वास और सृजनात्मक क्षमता होती है, जिसे सही दिशा देकर समाज का कायाकल्प किया जा सकता है। उनका प्रसिद्ध संदेश ह्यउठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाएह्न आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, मन की शक्ति बढ़ाना और आत्मनिर्भर व्यक्तित्व गढ़ना है। वे युवाओं में शारीरिक व मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, एकाग्रता और राष्ट्रसेवा की भावना को आवश्यक मानते थे। उनका युवा-दर्शन आज भी भारत की युवा शक्ति को जागृत करने के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। युवा शक्ति और आज का युगः- आज के दौर में युवा शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, खेल, कला, समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। डिजिटल युग ने उनके विचारों को वैश्विक मंच तक पहुँचाया है। हालांकि, बेरोजगारी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता, मानसिक दबाव, डिजिटल असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियाँ भी उनके सामने खड़ी हैं। भारत के लिए युवा केवल भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान के निर्माण में भी सक्रिय भागीदार हैं। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, रोजगार, उद्यमिता, विज्ञान-तकनीक और नवाचार के अवसर मिलें, तो यह भारत को आर्थिक एवं सामाजिक विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाकर आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकती है। इसके साथ ही युवाओं में वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी अनिवार्य है।

घेवर की मिठास पर मिलावट का साया

सावन और तीज के दौरान हरे-भरे खेतों, झूलों, मेहंदी, लोकगीतों आदि के साथ-साथ उत्सवों का भी आनंद और उल्लास का माहौल रहता है। घेवर इस मौसम के अनेक पारंपरिक व्यंजनों में अपना विशेष स्थान रखता है। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तर भारत के कई अन्य हिस्सों में घेवर सिर्फ एक मिठाई नहीं है। यह पारिवारिक परंपराओं, स्नेह, त्योहारों और बेटियों तथा उनके माता-पिता के घर के बीच के भावनात्मक जुड़ाव से भी संबंधित है। तीज और मानसून के अन्य त्योहारों के दौरान, घेवर आमतौर पर बेटियों, रिश्तेदारों और दोस्तों को प्यार और शुभकामनाओं के प्रतीक के रूप में दिया जाता है। यह अपनी अनूठी बनावट, कुरकुरेपन और मिठास के लिए जाना जाने वाला एक पसंदीदा त्योहार का व्यंजन है। फिर भी, एक चिंताजनक मुद्दा है जिसे नजरअंदाज किया जा रहा है, और यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सार्वजनिक रूप से गंभीरता से चर्चा होनी चाहिएः खाद्य पदार्थों में मिलावट, अस्वच्छ प्रथाएं और ताजगी या सुरक्षित उपयोग अवधि के बारे में उचित जानकारी के बिना मिठाइयों की बिक्री। त्योहारी मौसम की शुरूआत से ही, घेवर न केवल पारंपरिक मिठाई की दुकानों में, बल्कि मोहल्लों और गलियों में लगने वाले अस्थायी स्टालों और छोटी दुकानों में भी नजर आने लगता है।

डॉ सत्यवान सौरभ
लेखक

मानसून के आगमन से उत्तर भारत में एक विशेष आकर्षण आ जाता है। सावन और तीज के दौरान हरे-भरे खेतों, झूलों, मेहंदी, लोकगीतों आदि के साथ-साथ उत्सवों का भी आनंद और उल्लास का माहौल रहता है। घेवर इस मौसम के अनेक पारंपरिक व्यंजनों में अपना विशेष स्थान रखता है। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तर भारत के कई अन्य हिस्सों में घेवर सिर्फ एक मिठाई नहीं है। यह पारिवारिक परंपराओं, स्नेह, त्योहारों और बेटियों तथा उनके माता-पिता के घर के बीच के भावनात्मक जुड़ाव से भी संबंधित है। तीज और मानसून के अन्य त्योहारों के दौरान, घेवर आमतौर पर बेटियों, रिश्तेदारों और दोस्तों को प्यार और शुभकामनाओं के प्रतीक के रूप में दिया जाता है। यह अपनी अनूठी बनावट, कुरकुरेपन और मिठास के लिए जाना जाने वाला एक पसंदीदा त्योहार का व्यंजन है। फिर भी, एक चिंताजनक मुद्दा है जिसे नजरअंदाज किया जा रहा है, और यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सार्वजनिक रूप से गंभीरता से चर्चा होनी चाहिएः खाद्य पदार्थों में मिलावट, अस्वच्छ प्रथाएं और ताजगी या सुरक्षित उपयोग अवधि के बारे में उचित जानकारी के बिना मिठाइयों की बिक्री। त्योहारी मौसम की शुरूआत से ही, घेवर न केवल पारंपरिक मिठाई की दुकानों में, बल्कि मोहल्लों और गलियों में लगने वाले अस्थायी स्टालों और छोटी दुकानों में भी नजर आने लगता है। बढ़ती मांग के कारण विक्रेताओं के लिए एक आकर्षक व्यावसायिक अवसर मौजूद है। वहीं दूसरी ओर, इससे कुछ व्यापारी ऑर्डर पूरे करने और मुनाफा बढ़ाने के लिए गुणवत्ता से समझौता करने को भी तैयार हो जाते हैं। सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह है कि मिठाइयों के बनने की तारीख और उन्हें खाने के लिए सुरक्षित रखने की अवधि के बारे में जानकारी का अभाव है। कई स्थानीय बाजारों में, ग्राहक विक्रेता के इस दावे पर खुले घेवर खरीद लेते हैं कि यह ताजा है या आज ही बनाया गया है। हालांकि, आम तौर पर उपभोक्ताओं के पास इन दावों की पुष्टि करने के लिए स्वतंत्र साधनों की कमी है। प्रासंगिक जानकारी उपभोक्ताओं को पैकेटबंद मिठाइयों के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद करती है। ताजगी और सुरक्षित रखरखाव से जुड़ी एक अतिरिक्त चुनौती खुले में रखी मिठाइयों के मामले में और भी गंभीर हो जाती है। घेवर को सही तरीके से स्टोर और संभालना भी जरूरी है। साधारण घेवर और क्रीम, खोया या अन्य जल्दी खराब होने वाली सामग्री से बने घेवर के लिए अलग-अलग भंडारण स्थितियों की आवश्यकता हो सकती है। गर्मी, नमी, धूल और अस्वच्छ वातावरण भोजन की गुणवत्ता पर असर डाल सकते हैं। मानसून के महीनों में नमी अधिक होती है, जिससे सही तरीके से संभालना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मिठाई बाहर से देखने में अच्छी लग सकती है, लेकिन गलत तरीके से स्टोर करने पर अंदर से खराब हो सकती है। मिलावट भी एक गंभीर समस्या है। मिठाइयाँ कृत्रिम रंगों, खाना पकाने के तेल, घी, खोया और दूध से बनाई जाती हैं; इन सभी सामग्रियों की गुणवत्ता सीधे तौर पर मिठाइयों की सुरक्षा को प्रभावित करती है। जब इस्तेमाल की गई सामग्रियाँ उच्च गुणवत्ता की नहीं होतीं, तो उपभोक्ताओं को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि बिना किसी सबूत के खुलेआम बेची जा रही किसी भी मिठाई के बारे में यह निष्कर्ष न निकाला जाए कि उसमें मिलावट है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का मूल्यांकन उचित निरीक्षण, नमूनाकरण और प्रयोगशाला परीक्षण के आधार पर किया जाना चाहिए, न कि अनुमान या अफवाहों के आधार पर। खाद्य सुरक्षा निगरानी को केवल प्रसिद्ध मिठाई की दुकानों या बड़े वाणिज्यिक बाजारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में छोटी स्थानीय दुकानें, अस्थायी स्टॉल और स्थानीय विक्रेता भी शामिल हैं। वास्तव में, ये छोटे बिक्री केंद्र अधिक ध्यान देने योग्य हैं क्योंकि हो सकता है कि उनके पास भंडारण और स्वच्छता के लिए सीमित सुविधाएं उपलब्ध हों। त्योहारों के मौसम में खाद्य पदार्थों के नमूनों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है, जिसे खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण अक्सर करते हैं। खाद्य सुरक्षा कोई आवधिक गतिविधि नहीं हो सकती। निरंतर निरीक्षण, जागरूकता बढ़ाना और प्रभावी प्रवर्तन पूरे वर्ष लागू किए जाने चाहिए। यदि नमूने निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करते हैं, तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, निरीक्षण के नियम निष्पक्ष और सुसंगत होने चाहिए, और उपभोक्ताओं को नियमों पर पूरा भरोसा होना चाहिए। मिठाई बेचने वालों की भी बड़ी ज़िम्मेदारी होती है। भोजन बेचने वाला व्यक्ति केवल एक उत्पाद नहीं बेच रहा होता है, बल्कि वह ऐसी चीज बेच रहा होता है जिसे बच्चे, बुजुर्ग और पूरा परिवार खाएगा। इसलिए, स्वच्छ तैयारी क्षेत्र, गुणवत्तापूर्ण सामग्री, स्वच्छतापूर्ण तरीके से संभालना, उचित भंडारण और उपभोक्ता को उत्पाद के बारे में सही जानकारी देना अनिवार्य कार्य माना जाना चाहिए, न कि वैकल्पिक। उपभोक्ता भी पूरी तरह से अधिकारियों पर निर्भर नहीं रह सकते। उन्हें मिठाई खरीदते समय अधिक जागरूक होना सीखना चाहिए। मिठाई खरीदते समय दुकान की स्वच्छता, मिठाई की दिखावट और ताजगी, भंडारण की स्थिति और दुकान पर दी गई उत्पाद संबंधी जानकारी पर ध्यान देना चाहिए। अगर मिठाई से गंध, स्वाद और/या दिखावट में कोई अंतर हो, तो उसे न खाएं। कम कीमत को स्वस्थ भोजन न खरीदने का बहाना कभी नहीं बनाना चाहिए। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया की भूमिका भी अहम हो गई है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की कोई तस्वीर, वीडियो या आरोप कुछ ही घंटों में वायरल हो सकता है। सोशल मीडिया निश्चित रूप से लोगों तक बात पहुंचाने और वास्तविक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने का एक अच्छा माध्यम है, लेकिन किसी आरोप को यूं ही सत्य नहीं मान लेना चाहिए।

दलदल में खड़ा मुखिया और डेढ़ अरब उम्मीदों का भारत

वह कुछ क्षणों के लिए खुद को स्थिर करता है, स्थिति का आकलन करता है और फिर बाहर निकलने का रास्ता तलाशता है। परिवार का मुखिया भी कुछ ऐसी ही स्थिति से गुजरता है। घर में पांच लोग हो या दस, जिम्मेदारी का वास्तविक भार अक्सर उस व्यक्ति के कंधे पर होता है जिसे परिवार का मुखिया माना जाता है। घर के बाकी सदस्य परेशान हो सकते हैं, नाराज हो सकते हैं, अपनी-अपनी राय दे सकते हैं, यहां तक कि मुखिया को उसकी कथित कमजोरियों के लिए कटघरे में भी खड़ा कर सकते हैं, लेकिन संकट की घड़ी में बिलों का हिसाब, बच्चों का भविष्य, बुजुर्गों की दवा, रोजगार की चिंता, सामाजिक प्रतिष्ठा और आने वाले कल की अनिश्चितता, इन सबका जोड़-घटाव उसी व्यक्ति के दिमाग में चलता रहता है। कई बार वह बोलता नहीं है। कई बार वह अपने मन की बेचैनी किसी को बताता भी नहीं है। कई बार वह मुस्कुराता रहता है ताकि परिवार के दूसरे लोगों को यह महसूस न हो कि नाव का मल्लाह स्वयं तूफान से डर रहा है और यही वह बिंदु है जहां हमें एक बहुत बड़े सवाल पर विचार करना चाहिए।

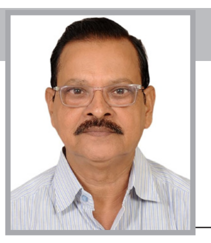

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

जब किसी इंसान का पांव अचानक दलदल को छूता है तो सबसे पहले उसके चेहरे पर घबराहट आती है। वह जितना हाथ-पैर मारता है, उतना ही गहराई में धंसने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे समय में समझदार व्यक्ति शोर नहीं करता है। वह कुछ क्षणों के लिए खुद को स्थिर करता है, स्थिति का आकलन करता है और फिर बाहर निकलने का रास्ता तलाशता है। परिवार का मुखिया भी कुछ ऐसी ही स्थिति से गुजरता है। घर में पांच लोग हो या दस, जिम्मेदारी का वास्तविक भार अक्सर उस व्यक्ति के कंधे पर होता है जिसे परिवार का मुखिया माना जाता है। घर के बाकी सदस्य परेशान हो सकते हैं, नाराज हो सकते हैं, अपनी-अपनी राय दे सकते हैं, यहां तक कि मुखिया को उसकी कथित कमजोरियों के लिए कटघरे में भी खड़ा कर सकते हैं, लेकिन संकट की घड़ी में बिलों का हिसाब, बच्चों का भविष्य, बुजुर्गों की दवा, रोजगार की चिंता, सामाजिक प्रतिष्ठा और आने वाले कल की अनिश्चितता, इन सबका जोड़-घटाव उसी व्यक्ति के दिमाग में चलता रहता है। कई बार वह बोलता नहीं है। कई बार वह अपने मन की बेचैनी किसी को बताता भी नहीं है। कई बार वह मुस्कुराता रहता है ताकि परिवार के दूसरे लोगों को यह महसूस न हो कि नाव का मल्लाह स्वयं तूफान से डर रहा है और यही वह बिंदु है जहां हमें एक बहुत बड़े सवाल पर विचार करना चाहिए। क्या चुप रहने वाला व्यक्ति वास्तव में कमजोर होता है? शायद नहीं। कई बार उसकी चुप्पी के पीछे कायरता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का पहाड़ खड़ा होता है। वह जानता है कि उसके एक गलत शब्द से घर का माहौल बिगड़ सकता है। उसके एक गलत निर्णय से वर्षों की मेहनत मिट्टी में मिल सकती है। इसलिए वह अपनी भावनाओं को दबाकर परिवार के लिए रास्ता तलाशता रहता है। राष्ट्र भी एक विशाल परिवार ही तो है। अंतर सिर्फ इतना है कि घर में जिम्मेदारी कुछ लोगों की होती है और राष्ट्र में जिम्मेदारी करोड़ों-करोड़ लोगों की। भारत जैसे विशाल देश में यह जिम्मेदारी कितनी विकराल होगी, इसका अनुमान लगाना भी आसान नहीं है। कल्पना कीजिए, किसी परिवार की आय सीमित हो और खर्च लगातार बढ़ रहे हो। बच्चों की पढ़ाई है, बुजुर्गों की दवा है, घर की मरम्मत है, रोजगार की चिंता है, सामाजिक दायित्व हैं और ऊपर से अचानक कोई बड़ा आर्थिक संकट आ जाए। ऐसे समय में घर का मुखिया हर व्यक्ति को खुश नहीं रख सकता है। उसे प्राथमिकताएं तय करनी पड़ती हैं। किस खर्च को अभी करना है? किसे टालना है? कहां समझौता करना है? कहां बिल्कुल समझौता नहीं करना है? किससे बातचीत करनी है? किससे दूरी बनाए रखनी है? और सबसे महत्वपूर्ण है किस निर्णय का असर आज होगा और किसका असर दस वर्ष बाद दिखाई देगा? यही सवाल किसी राष्ट्र के सामने भी होते हैं। लेकिन राष्ट्र के मामले में आंकड़े कहीं अधिक विशाल होते हैं। भारत की आबादी लगभग डेढ़ अरब है। करोड़ों परिवारों की अलग-अलग आवश्यकताएं हैं। अलग-अलग भाषाएं हैं। अलग-अलग प्रदेश हैं। अलग-अलग आर्थिक परिस्थितियां हैं। किसानों की समस्या अलग है, मजदूरों की अलग। उद्योगों की चिंता अलग है, नौकरी तलाश रहे युवाओं की अलग। विदेश में काम कर रहे भारतीयों की अपनी चिंता है तो देश में रहने वाले लोगों की अपनी अपेक्षाएं। इन सबको एक दिशा में लेकर चलना किसी साधारण प्रबंधन का विषय नहीं है। यह एक असाधारण जिम्मेदारी है और यही कारण है कि जब किसी देश पर बाहरी दबाव आता है तो सरकार की प्रतिक्रिया को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना हमेशा उचित नहीं होता है। पिछले कुछ दिनों में अमेरिका की व्यापार और आव्रजन नीतियों को लेकर भारत में जिस प्रकार की चर्चा तेज हुई है, उसने एक बार फिर यह प्रश्न सामने रखा है कि वैश्विक राजनीति में राष्ट्रीय हितों की रक्षा किस तरह की जाती है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और वित्तीय शक्तियों में से एक है। डॉलर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय व्यवस्था में केंद्रीय भूमिका निभाता है। अमेरिकी बाजार का आकार विशाल है। तकनीक, वित्त, रक्षा, शिक्षा और वैश्विक निवेश, कई क्षेत्रों में अमेरिका की भूमिका निर्णायक है। दूसरी तरफ भारत भी अब वह भारत नहीं है जिसे वैश्विक दबावों के सामने केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश माना जाए। भारत एक विशाल बाजार है। भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में है। भारत के पास विशाल युवा आबादी है। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। भारत का विनिर्माण क्षेत्र विस्तार कर रहा है। भारत अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, दवा उद्योग, सेवा क्षेत्र और तकनीकी प्रतिभा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। इसलिए भारत-अमेरिका संबंधों को केवल किसी एक शुल्क, किसी एक वीजा नीति या किसी एक राजनीतिक बयान के आधार पर समझना भूल होगी। यह एक बहुत बड़ी और जटिल वैश्विक साझेदारी है। अमेरिकी व्यापार नीति में टैरिफ का इस्तेमाल नया नहीं है। दुनिया के अनेक देशों ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के दौरान इसी चुनौती का सामना किया है। लेकिन जब किसी बड़े देश द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊंचे शुल्क की बात सामने आती है तो उसका प्रभाव केवल सरकार तक सीमित नहीं रहता है। उसका असर उद्योग पर पड़ता है। उद्योग का असर रोजगार पर पड़ता है। रोजगार का असर परिवारों पर पड़ता है और अंततः उसका असर आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। यही कारण है कि व्यापार युद्ध का अर्थ केवल दो देशों के बीच आंकड़ों की लड़ाई नहीं होता है।

आज के युवा को केवल अधिकार नहीं अपने दायित्वों का भी बोध रखना होगा

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल वर्तमान का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह भविष्य का निमार्ता भी होता है। उसकी ऊर्जा, उसकी चेतना, उसका विवेक और उसका चरित्र ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला भारत कैसा होगा। इसलिए जब देश का युवा अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरता है, तो यह लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण माना जाता है। किंतु वही युवा यदि अपने अधिकारों की लड़ाई में संवैधानिक मयार्दाओं, सामाजिक अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों को भूलने लगे, तो यह केवल एक आंदोलन का विषय नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। हाल के वर्षों में देश ने अनेक युवा आंदोलनों को देखा है। इन आंदोलनों ने यह सिद्ध किया है कि आज का युवा अपने अधिकारों के प्रति पहले से अधिक सजग, शिक्षित और मुखर है। वह अन्याय का प्रतिकार करना जानता है और शासन-प्रशासन से जवाबदेही की अपेक्षा रखता है। यह स्वस्थ लोकतंत्र का सकारात्मक पक्ष है। किंतु इसके साथ एक दूसरा पक्ष भी सामने आता है, जो कहीं अधिक चिंताजनक है। जब किसी आंदोलन में उत्तेजना, हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति, सुरक्षा बलों पर हमला, अपमानजनक भाषा अथवा संवैधानिक संस्थाओं के प्रति असम्मान दिखाई देता है, तब यह आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है कि क्या हम अधिकारों की लड़ाई लड़ते-लड़ते अपने कर्तव्यों को भूलते जा रहे हैं ? भारत का संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं है। वह नागरिकों को मौलिक कर्तव्यों का भी बोध कराता है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे समाज में अधिकारों की चर्चा तो व्यापक रूप से होती है, किंतु कर्तव्यों पर अपेक्षाकृत कम बल दिया जाता है। परिणामस्वरूप अनेक बार अधिकारों की मांग तो लोकतांत्रिक होती है, लेकिन उन्हें प्राप्त करने के तरीके लोकतांत्रिक नहीं रह जाते। यहां सबसे बड़ा प्रश्न शिक्षा का भी है। क्या केवल डिग्रियां प्राप्त कर लेना शिक्षित होने का प्रमाण है ? यदि शिक्षा व्यक्ति में संयम, संवाद, सहिष्णुता, अनुशासन और राष्ट्रहित का बोध उत्पन्न नहीं करती, तो वह अधूरी शिक्षा है। बुद्धिमान होना और विवेकशील होना दोनों अलग बातें हैं। बुद्धि तर्क करना सिखाती है, किंतु विवेक सही निर्णय लेना सिखाता है। आज आवश्यकता बुद्धि से अधिक विवेक की है। भारतीय संस्कृति ने सदैव कहा है कि ह्लविद्या ददाति विनयम्ह्व - सच्ची विद्या विनम्रता देती है, अहंकार नहीं; संयम देती है, उग्रता नहीं; समाधान देती है, संघर्ष नहीं। यदि शिक्षा के साथ संस्कार नहीं जुड़े, तो ज्ञान भी कभी-कभी विनाश का कारण बन सकता है। आज अभिभावकों के सामने भी एक गंभीर चुनौती है। वे अपने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं, तकनीकी शिक्षा और रोजगार के लिए तो तैयार कर रहे हैं, किंतु क्या वे उन्हें संविधान, लोकतांत्रिक मयार्दाओं, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक साहस का भी पाठ पढ़ा रहे हैं ? परिवार केवल आर्थिक सुरक्षा देने का माध्यम नहीं है; वह चरित्र निर्माण की प्रथम पाठशाला भी है। यदि घर में संवाद, अनुशासन और नैतिकता का वातावरण होगा, तो समाज भी सुदृढ़ होगा। सोशल मीडिया के युग में यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। आज अफवाहें, अधूरी सूचनाएं और भावनात्मक उकसावे कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे समय में प्रत्येक युवा को स्वयं से प्रश्न करना चाहिए..क्या मैं किसी भी संदेश पर बिना सत्यापन के विश्वास कर लेता हुं? क्या मैं भीड़ का हिस्सा बनकर सोचता हुं, या फिर अपने विवेक से निर्णय लेता हुं ? लोकतंत्र में असहमति राष्ट्रद्रोह नहीं है और विरोध भी अपराध नहीं है। किंतु असहमति का अधिकार तभी सम्मानित होता है जब वह संविधान की मयार्दाओं के भीतर व्यक्त किया जाए। हिंसा किसी भी पक्ष से हो, वह लोकतंत्र की शक्ति नहीं, उसकी कमजोरी का प्रतीक है। इसलिए राज्य, प्रशासन, आंदोलनकारी और समाज सभी को आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति को अपनाना होगा। आज आवश्यकता किसी विशेष आंदोलन या किसी एक वर्ग का मूल्यांकन करने से अधिक उस व्यापक मानसिकता को समझने की है, जिसमें अधिकार तो याद रहते हैं, पर कर्तव्य पीछे छूट जाते हैं। यह प्रवृत्ति यदि बढ़ी, तो लोकतंत्र केवल मांगों का मंच बनकर रह जाएगा, उत्तरदायित्व का नहीं।

संक्षिप्त खबरें

पीआरडी जवान का शव नदी में मिला

मीरजापुर। मीरजापुर जाने की बात कहकर सोमवार दोपहर घर से निकले 50 वर्षीय पीआरडी जवान का शव मंगलवार सुबह पड़री थाना क्षेत्र के चट्टर नदी में मिला। शव की पहचान मोहनपुर गांव निवासी मुन्नी यादव के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन के अनुसार, मुन्नी यादव सोमवार दोपहर मीरजापुर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई पता नहीं चला। मंगलवार सुबह चट्टर नदी में शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के बड़े बेटे दिलीप कुमार यादव ने शव की शिनाख्त की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या नदी में डूबने से पीआरडी जवान की मौत की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। मामले की जांच की जा रही है।

तिरंगे की शान में गूंजा अजीतमल देशभक्ति के रंग में रंगा नगर

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को भाजपा के अजीतमल मंडल के तत्वावधान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर निकले सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं और नगरवासियों के जोश तथा देशभक्ति के नारों से पूरा अजीतमल राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। यात्रा के दौरान ह्यभारत माता की जयह्ल और ह्यवंदे मातरम्ह्ल के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ नगर पंचायत बाबरपुर-अजीतमल कार्यालय से हुआ। मंडल अध्यक्ष शिवेंद्र राजपूत के नेतृत्व और कार्यक्रम संयोजक एवं मंडल महामंत्री विपिन चौबे सोनू के संयोजन में निकली यात्रा अजीतमल तिराहा होते हुए जनता महाविद्यालय पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। रास्तेभर कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। यात्रा में बड़ी संख्या में नगरवासियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सर्वेश कठेरिया और सदर विधायक गुड़िया कठेरिया मौजूद रहीं। उनके साथ जिला पंचायत सदस्य सोनू सेंगर, ब्लॉक प्रमुख रजनीश पांडेय, यशवीर सिंह, मंडल प्रभारी एवं जिला मंत्री प्रतीक सिंह, चेयरमैन आशा चक, प्रतिनिधि अखिलेश चक, मोनू सेंगर, किशन सोनी, सत्येंद्र भदौरिया, इंद्रवीर सिंह सेंगर, आशीष तिवारी, सभासद, अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नगरवासी शामिल रहे।

कचहरी की सड़कों पर नहीं चलेगी मनमानी पुलिस ने हटवाया अतिक्रमण

कानपुर। कचहरी परिसर में जाम और अतिक्रमण की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मंगलवार को पुलिस ने सख्ती दिखाई। डीसीपी ट्रैफिक के निर्देश पर कानपुर बार एसोसिएशन और लॉयर्स एसोसिएशन के सहयोग से अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों को हटवाने के साथ ठेले, खोमचे और सब्जी विक्रेताओं को भी सड़क खाली रखने के निर्देश दिए गए। बार एसोसिएशन महामंत्री विनय मिश्रा ने बताया कि पिछले कई दिनों से शिकायतें मिल रही थीं कि सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण कचहरी आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही थी। इसी को देखते हुए पुलिस और दोनों बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बीच समन्वय बनाकर अभियान चलाया गया। उन्होंने अधिवक्ताओं से पुलिस का सहयोग करने और सड़क पर वाहन खड़ा न करने की अपील की। लॉयर्स एसोसिएशन महामंत्री राजीव यादव ने कहा कि कचहरी परिसर में जाम की समस्या को दूर करने के लिए सभी को जिम्मेदारी निभानी होगी। अधिवक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने वाहन निर्धारित स्थान पर ही खड़े करें और सड़क पर आवागमन बाधित न करें। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण कई बार कचहरी परिसर में यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है। एसीपी कोतवाली अमित कुमार पांडेय के साथ समन्वय कर चलाए गए अभियान में पुलिस ने सड़क किनारे लगे ठेले और खोमचों को हटवाया। साथ ही बेतरतीब खड़े वाहनों को भी हटाकर सड़क को खाली कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कचहरी परिसर में यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सतत विकास से बनी गोरखपुर की नई पहचान: मुख्यमंत्री योगी

-सरकार का संकल्प, हर नागरिक के जीवन में हो सुगमता: योगी आदित्यनाथ

प्रात : किरण संवाददाता

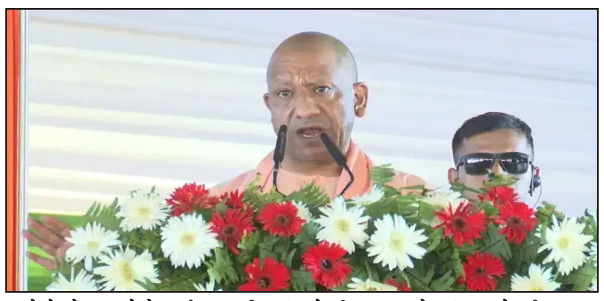

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास कार्यों की श्रृंखला से अब बदलता गोरखपुर दिखाई दे रहा है। यहां का हर मार्ग फोरलेन से जुड़ रहा है। बड़े पैमाने पर फ्लाईओवर और ओवरब्रिज बन रहे हैं। सतत हो रहे विकास कार्यों और इससे आई जीवन सुगमता से गोरखपुर की नई पहचान बनी है। सरकार का संकल्प है कि हर नागरिक के जीवन में सुगमता हो। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार पूर्वाह्न गोरखपुर-सोनौली मार्ग से ग्रीन सिटी होते हुए माधोपुर बंधा तक सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नेताजी सुभाषचंद्र नगर में एसटीपी के समीप स्थित मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में बहुत पहले से लोग रह रहे थे। कई स्कूल भी यहां बने हुए हैं। पर, मार्ग संकरा होने के कारण लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। भारी वाहन इधर नहीं आ पाते थे। करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से लगभग दो किलोमीटर तक इस सड़क के बन जाने से अनेक समस्याओं का समाधान हो गया है। इससे लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। साथ ही जलभराव की समस्या भी समाप्त हुई है। उन्होंने कहा कि यह सड़क, आवागमन को सुगम बनाने का एक बेहतरीन मार्ग है। वाराणसी, लखनऊ या नेपाल जाने के लिए शहर में अंदर जाने की जरूरत नहीं मुख्यमंत्री ने ग्रीन सिटी-माधोपुर बंधा तक नवनिर्मित सड़क का महत्व बताते हुए कहा कि इस मार्ग की कनेक्टिविटी से अब वाराणसी, लखनऊ, नेपाल, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बलरामपुर आदि स्थानों पर जाने वालों को शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि राजघाट से होते हुए हाबर्ट बंधा-माधोपुर तटबंध फोरलेन हो रहा है। डोमिनगढ़ में फ्लाईओवर भी बनेगा। लोग यहां से होते हुए डोमिनगढ़ फोरलेन बाईपास पकड़कर कालेसर जाकर लखनऊ मार्ग पर पहुंच जाएंगे। ऐसे ही नेपाल, सोनौली की तरफ जाना हो तो महेसरा होकर जाने की सुविधा मिल जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा गोरखपुर के लोगों के लिए सरकार की तरफ से बहुत सारी सुविधाएं दी जा रही हैं। सड़क लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को सावन शिवरात्रि की बधाई और शुभकामनाएं दीं। साथ ही देवाधिदेव महादेव भगवान भोलेनाथ से सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। समारोह में प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वाराणसी में गंगा स्थिर, 63.71 मीटर पर जलस्तर, घाटों और तटवर्ती इलाकों में निगरानी

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के बीच वाराणसी में गंगा का जलस्तर पिछले तीन दिनों से स्थिर बना हुआ है। मंगलवार को गंगा का जलस्तर 63.71 मीटर दर्ज किया गया। फिलहाल जलस्तर में बढ़ोतरी नहीं होने से कुछ राहत है, लेकिन नदी का पानी कई घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। इसके कारण घाटों के बीच आवागमन प्रभावित हुआ है और कई घाटों का आपसी संपर्क भी टूट गया है। जलस्तर बढ़ने का असर धार्मिक आयोजनों पर भी पड़ा है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती का स्थल बदला गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और घाट की मौजूदा स्थिति को देखते हुए आरती को ऊंचाई वाले स्थान पर कराया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को भी बदले हुए स्थान से आरती के दर्शन करने पड़ रहे हैं। गंगा का पानी निचले घाटों की सीढ़ियों और रास्तों तक पहुंचने से एक घाट से दूसरे घाट तक पैदल आवागमन मुश्किल हो गया है। निचले हिस्सों में स्थित मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों तक पहुंच भी प्रभावित हुई है। प्रशासन की ओर से लोगों को गंगा के बढ़े जलस्तर के बीच जाने से बचने और सुरक्षा व्यवस्था का पालन करने की अपील की जा रही है।

मायावती ने जेन-जी से भाजपा और कांग्रेस से दूर रहने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पूरे देश के छात्रों व नौजवान अर्थात ह्यजेनजीह्ल से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं से को दूर करने के लिए सत्ता और विपक्ष के बीच इस समय चल रहे षडयंत्र से दूर रहे। उन्होंने आरोप लगाया है कि सत्ता और विपक्ष के लोग अपनी संकीर्ण राजनीति के लिए इसका फायदा उठाएंगे। मायावती ने मंगलवार को अपने आवास पर पत्रकारवार्ता के दौरान कहा कि पिछले कुछ समय से संसद में सत्ता व विपक्ष के लोग किसी ना किसी मुद्दे की आड़ में देश व जनहित के ज्वलन्त मुद्दों पर से जनता का ध्यान बाँटने व भटकाने के लिए संसद को चलने नहीं दे रहे हैं। यह या तो इनकी केन्द्र व राज्यों की सरकारों की कमियों पर से जनता का ध्यान हटाने के लिए अन्दरुणी मिलीभगत है, या फिर इसकी आड़ में इनकी सत्ता हथियाने की भी साज़िश लगती है और यह सब देश की जनता को सीधे-सीधे तौर पर काफी कुछ नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के छात्र व नौजवान यानि कि जेन-जी आदि भी अपनी अनेकों समस्याओं को लेकर बहुत ज्यादा दुःखी व चिन्तित भी हैं, जिनको दूर कराने के लिए बसपा भी अपनी कार्यशैली के तहत चलकर हमेशा इनके साथ खड़ी रही है और अभी भी खड़ी है। क्योंकि इनका यह आन्दोलन देश के समस्त छात्रों व नौजवान पीढ़ी एवं उनके परिवार वालों की गंभीर समस्याओं से जुड़ा हुआ है, जिसके निदान को लेकर बसपा लगातार गम्भीर व अपने तरीके से संघर्षरत भी है। लेकिन देश को ऐसा नहीं लगना चाहिये कि छात्र व जेनजी अपनी समस्याओं को दूर करवाने की बजाय आए दिन ये लोग उनकी राजनीति में ही बुरी तरह से फंसते जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर अभी कुछ दिन पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का छात्रों, नौजवानों, जेन-जी आदि की समस्याओं को लेकर आन्दोलन छिड़ा, तो फिर वहाँ इनके इस आन्दोलन को कांग्रेस व इनके सहयोगी दलों ने हाईजैक कर लिया जो किसी से छिपा नहीं है।

जौनपुर में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बना रहीं चार लाख तिरंगे झंडे

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अभियान के लिए चार लाख राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने में जुटी हैं। इन्हें 13 अगस्त तक तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक करीब तीन लाख तिरंगे तैयार कर वितरित भी किए जा चुके हैं। जिले के प्रत्येक ब्लॉक में पांच-पांच स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तिरंगा बनाने के कार्य में जुटी हैं। एनआरएलएम के तहत गठित 105 महिला स्वयं सहायता समूहों की करीब 300 महिलाएं इस काम को पूरा करने में लगी हैं। महिलाएं तिरंगे तैयार कर न केवल अभियान को गति दे रही हैं, बल्कि इसके माध्यम से रोजगार से भी जुड़ रही हैं।मंगलवार को अभियान की जानकारी देते हुए उपायुक्त स्वरोजगार जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तिरंगा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि जिले में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वर्तमान में 19 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं। अभियान के तहत तैयार किए जा रहे सभी तिरंगे 15 अगस्त से पहले सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और आमजन तक पहुंचाने की योजना है। संबंधित विभाग स्वयं सहायता समूहों से झंडे खरीदकर गांवों में घर-घर तक पहुंचाएंगे, ताकि स्वतंत्रता दिवस पर अधिक से अधिक घरों पर तिरंगा फहराया जा सके। एनआरएलएम से जुड़ी महिलाएं तीन अलग-अलग आकार के तिरंगे तैयार कर रही हैं। इनकी कीमत 20 रुपये तक निर्धारित की गई है।

जौनपुर में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित जलालपुर थाना अंतर्गत इजरी गांव के समीप मंगलवार को ट्रेन की चपेट में आकर एक 22 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। क्षेत्र के रासीपुर गांव निवासी अनुज कुमार यादव (22) पुत्र स्वर्गीय शंकर यादव नौकरी की तैयारी कर रहा था।वह किसी काम से सुबह जलालपुर बाजार जा रहा था।रास्ते मे बाकराबाद व इजरी के बीच मे शौच करने चला गया।वह उसी दौरान वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया।उसकी मौके पर मौत हो गयी। घटना की सूचना पर परिजन तथा थानाप्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक का बड़ा भाई अभिमय यादव बाराबंकी में यूपी पुलिस के जवान के रूप में तैनात है। घर में माँ इंद्रावती का घटना के बाद हाल बेहाल है। वह बेसुध पड़ी है। पूरे गांव में गमगीन माहौल है। थानाध्यक्ष सतेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है लेकिन अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

तिरंगा यात्रा : देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया बलिया,विद्यार्थियों में दिखा विशेष उत्साह

प्रात : किरण संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान समूचा बलिया राष्ट्रभक्ति में सराबोर नजर आया। वीर लोरिक स्टेडियम से जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने तिरंगा यात्रा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। तिरंगा यात्रा वीर लोरिक स्टेडियम से शुरू होकर कुंवर सिंह चौराहा, टीडी कॉलेज चौराहा, ओवरब्रिज, विशुनीपुर चौराहा होते हुए शहीद पार्क पहुंची। यहां राष्ट्रगान के साथ रैली का समापन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान नौ से 17 अगस्त तक गौरव और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम तहसील, ब्लॉक और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर भी आयोजित किया जा रहा है। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक राष्ट्रीय ध्वज लेकर रैली में शामिल हुए। दोनों अधिकारियों ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर प्रतिभागियों का उत्साह भी बढ़ाया। तिरंगा यात्रा में विद्यार्थियों और पुलिसकर्मियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे यात्रा मार्ग पर देशभक्ति के नारों और हाथों में लहराते तिरंगों से माहौल राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करना रहा। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और पूरे मार्ग पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। तिरंगा यात्रा में एडीएम अनिल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा समेत बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।

251 दंपत्तियों ने विहिप -बजरंग दल के निर्देशन में हरिद्वार से लाए गंगाजल से किया रूद्राभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल मुरादाबाद के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवरात्रि (शिवतेरस) पर मंगलवार को श्री राधा कृष्ण मंदिर में सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। जिसमें 251 दंपत्तियों के द्वारा हरिद्वार से लाए गंगाजल से रुद्राभिषेक किया। कलश पूजन के साथ रुद्राभिषेक का शुभारंभ हुआ। रुद्राभिषेक में 51 प्रकार की सामग्री का प्रयोग किया गया। वहीं हरिद्वार से लाए गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक किया गया तत्पश्चात शिवलिंग का श्रंगार कर सामूहिक आरती की गई एवं हर-हर महादेव ओम नमः शिवाय से पूरा मंदिर प्रांगण भक्ति मय हो गया। विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष अमित गुप्ता ने बताया कि रुद्राभिषेक से मन की शांति मिलती है एवं सभी प्रकार के कष्टों एवं काल सर्प दोष काम निवारण होता हैं। आयोजन के मुख्य यजमान के रुप चैतन्य चौहान, अमित गुप्ता, अमित गौड़, उपेंद्र मिश्रा, राज कमल गुप्ता, गुरमुख सिंह, रेशम सिंह, वरुण शर्मा रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष बिल्लू कत्याल रहे जिनके द्वारा समस्त भंडारे की व्यवस्था की गई। समस्त पूजन वेद विद्यालय के आचार्य शुभम भारद्वाज एवं बटुकों के द्वारा किया गया। आयोजन में सर्व व्यवस्था प्रमुख अनिल शर्मा, कार्यक्रम संयोजक अनिल कठेरिया, कार्यक्रम व्यवस्था प्रमुख मोहित सक्सेना, नवदीप कुमार सिंह, बृजेशजी, नवदीप अग्रवाल, सचिन विश्नोई, विपिन गुप्ता, अमित गुप्ता, नितिन यादव, चरण सिंह, विक्की प्रजापति, सोमपाल, संजय ठाकुर, अवनीश गुप्ता, अमित पूठिया, शुभम देशभक्त, गौरव कश्यप, जयदेव यादव, विकास गुप्ता रहे।

रेलवे स्टेशन के पास मिला सेना के जवान का शव,पुलिस जांच में जुटी

प्रात : किरण संवाददाता

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में मंगलवार को सेना के जवान का शव रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर पड़ा मिला। पुलिस ने मृतक की पहचान कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी थानाध्यक्ष सचिन पटेल ने बताया कि मिल एरिया थाना क्षेत्र में रूपामऊ रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को सेना के जवान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक की पहचान हरियाणा राज्य के जनपद रेवाड़ी में जदतल निवासी प्रवीन के पुत्र ध्रुव (23) के रूप में हुई है। वह भारतीय सेना में तैनात और उसकी पोस्टिंग प्रयागराज में थी। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे रूपामऊ रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लोगों ने ध्रुव का शव पड़ा देखा। सूचना पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी। फिलहाल मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक के दोस्तों समेत अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। जीआरपी थानाध्यक्ष सचिन पटेल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बीएससी पाठ्यक्रम में रिक्त सीटों पर मिलेगा सीधे प्रवेश

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026झ्27 के लिए बीएससी पाठ्यक्रम के में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी सीधे प्रवेश ले सकते है। यह प्रवेश पहले आओ पहले पाओगे आधार पर होगा। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रवेश से संबंधित पात्रता, विषय संयोजन, शुल्क, आवश्यक दस्तावेज तथा अंतिम तिथि की जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना एवं संबंधित विभाग से प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया कर सकते है। उन्होंने बताया कि इंटरमीडिएट जीव विज्ञान या गणित से परीक्षा उत्तीर्ण ऐसे विद्यार्थी, जो बीएससी में प्रवेश लेना चाहते हैं, विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पात्रता एवं प्रवेश संबंधी नियमों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश सीटों की उपलब्धता एवं निर्धारित मानकों के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी समय सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) क संस्थान के संबंधित विभाग/प्रवेश कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

शिवतेरस पर भगवान आशुतोष के जलाभिषेक को उमड़े कांवड़ और श्रद्धालु

मुरादाबाद। सावन मास की शिवरात्रि (शिव तेरस) पर मंगलवार को मुरादाबाद जनपद के प्रमुख सिद्ध पीठ सहित सभी मंदिरों में सुबह तड़के से दोपहर तकःभगवान आशुतोष पर जलाभिषेक हुआ। प्राचीन सिद्पीठ मंदिरों में कांवड़ बेड़ों ने तड़के 4 बजे से जलाभिषेक प्रारंभ कर दिया था। कांवड़ियों और शिव भक्तों की लंबी लाइनें दोपहर तक लगी रही। मुरादाबाद महानगर में किसरोल स्थित अति प्राचीन सिद्ध पीठ 84 घंटा मंदिर और नागफनी स्थित झारखंडी शिव मंदिर में आज सुबह तड़के चार बजे से शिव भक्तों व कांवडियों द्वारा जलाभिषेक प्रारंभ हो गया। श्रद्धालुओं ने बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ भगवान आशुतोष पर जलाभिषेक करके पूजा अर्चना की। दोपहर तक सैकड़ों कांवर बेड़ों के द्वारा मंदिर में जलाभिषेक किया गया।

उत्तर प्रदेश में संगठन सृजन अभियान से बूथ स्तर पर मजबूत करेंगे कांग्रेस : बीएम संदीप

-कांग्रेस के राष्ट्रीव सचिव संगठन सृजन अभियान में हुए शामिल,20 अगस्त तक चलेगा अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पूर्व कांग्रेस संगठन को मजबूत, सक्रिय और जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पार्टी ने मंगलवार से संगठन सृजन अभियान शुरू किया है। इस अभियान में शामिल होने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं अभियान प्रभारी समन्वयक बी. एम. संदीप वाराणसी पहुंचे। मंगलवार को 20 अगस्त तक चलने वाले अभियान के शुरूआत के बाद राष्ट्रीय सचिव बी. एम. संदीप पराड़कर भवन में मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ,कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ,प्रियंका गांधी वाड्रा , राजेंद्र पाल गौतम व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में संगठन को मजबूत बनाने का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि संगठन सृजन केवल पदों का गठन करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जमीनी कार्यकताओं, वरिष्ठ नेताओं और सभी संगठन और चुनावी अनुभव रखने वाले साथियों के विचार एवं अनुभव के आधार पर मजबूत संगठन तैयार करने का अभियान है। संगठन सृजन का कार्य महानगर, जिला, ब्लॉक, मंडल और वार्ड स्तर तक किया जाएगा। इसके बाद 15 अगस्त तक इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। 16 अगस्त से 20 अगस्त तक जिले के संगठन सृजन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान जिले के अंतर्गत आने वाले सभी मंडलों, ब्लॉकों और वार्डों की संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा की जाएगी तथा आवश्यक सुझाव और जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। वार्ता में पार्टी के नेता सलमान बशर ,दयाशंकर पाण्डेय,लल्लन पटेल,जिला अध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे भी मौजूद रहे।

जेम पर उत्तर प्रदेश का शानदार प्रदर्शन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद और तीन राष्ट्रीय पुरस्कार

- -जेम के 10वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने किया सम्मानित
- -जेम पर सरकारी खरीद में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मिला जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड
- - एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद के लिए मिला हाईएस्ट जीएमवी सिंस इनसेप्शन अवार्ड
- -जेम की जानकारी और प्रशिक्षण को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए मिला बेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव्स फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग अवार्ड
- -यूपी की खरीद देश के राज्यों की कुल खरीद में 30 प्रतिशत से अधिक

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने सरकारी खरीद के डिजिटल मंच जेम यानी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2017 में जेम की शुरूआत के बाद से प्रदेश ने इसके माध्यम से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद कर ली है। देश के सभी राज्यों की जेम के जरिए हुई कुल खरीद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है। इसी शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदेश को जेम के 10वें स्थापना दिवस पर एक साथ तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। 10 अगस्त को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित जेम के 10वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तर प्रदेश को ह्यजेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्डह्ल, ह्यहाईएस्ट जीएमवी सिंस इनसेप्शनह्ल और ह्यबेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव्स फॉर कैपेसिटी बिल्डिंगह्ल से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश की ओर से प्रमुख सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, शशि भूषण लाल सुशील ने ये पुरस्कार ग्रहण किए। तीन अलग-अलग श्रेणियों में मिला यह सम्मान जेम पर उत्तर प्रदेश के लगातार बेहतर प्रदर्शन की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। उत्तर प्रदेश को मिला जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड जेम पर प्रदेश के समग्र प्रदर्शन के लिए है। हाईएस्ट जीएमवी सिंस इनसेप्शन पुरस्कार जेम की स्थापना से अब तक प्रदेश द्वारा की गई एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद को दशार्ता है। वहीं बेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव्स फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग पुरस्कार जेम के बारे में लोगों को जागरूक करने, प्रशिक्षण देने और अधिक से अधिक विभागों, अधिकारियों तथा कारोबारियों को इससे जोड़ने के प्रयासों के लिए मिला है। प्रमुख सचिव शशिभूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जेम पर उत्तर प्रदेश की बढ़ती खरीद का फायदा सरकारी विभागों के साथ प्रदेश के कारोबारियों और उद्यमियों को भी मिला है।

औरैया : देवकली मंदिर परिसर में हुआ पौधारोपण पीएसी जवानों को सौंपी पौधों की जिम्मेदारी

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति रजि. औरैया की ओर से चलाए जा रहे जीवनधारा पौधारोपण अभियान के तहत मंगलवार को देवकली मंदिर प्रांगण स्थित पीएसी सुरक्षा शिविर में पौधारोपण किया गया। अभियान का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने किया। इस दौरान मधुकामिनी, बेलपत्र, हरसिंगार, कदम, गुड़हल, पीपल, पकड़िया, बरगद, चितवन, बोतल पाम, अमरूद और नींबू सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पौधों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी पीएसी के जवानों को सौंपी गई। समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि मौसम पौधारोपण के लिए अनुकूल होने के कारण समिति की ओर से यमुना तट, मंगला काली मंदिर, परिक्रमा पथ सहित अन्य सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर वृहद पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शुद्ध प्राणवायु और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पांच जून 2026 विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू किए गए लक्ष्य-5100 जीवनधारा पौधारोपण अभियान के तहत अब तक 3280 पौधों का रोपण एवं लोगों की पसंद के पौधों का वितरण किया जा चुका है। लक्ष्य पूरा होने तक अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर पीएसी जवान अविनाश कुमार, राकेश कुमार, कुंवर पाल सिंह, हरेंद्र यादव, संतोष कुमार, अजय पाल सिंह, नरेंद्र सिंह, सेवानिवृत्त बैंककर्मी तेज बहादुर वर्मा, शेखर गुप्ता, पर्यावरण प्रहरी मनीष पुरवार (हीरु), डॉ. आर्य प्रबुद्ध, संजय अग्रवाल, राम आसरे गुप्ता, संतोष कुशवाहा, विपुल कुमार, राजीव पोरवाल (रानू), हिमांशु दुबे, रामचंद्र सोनी, कुलदीप बाजपेई (बाबा), ओम प्रकाश, सतीश कुमार सहित अन्य पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

दीक्षांत समारोह समाज निर्माण का संकल्प और प्रतिभा का सम्मान : कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह

-अवध विश्वविद्यालय में 31वें दीक्षांत समारोह का भव्य पूर्वाभ्यास, फुल रिहर्सल

प्रात : किरण संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आगामी 12 अगस्त को आयोजित होने वाले 31वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को विवेकानंद सभागार (दीक्षांत मण्डप) में एक भव्य पूर्वाभ्यास (फुल रिहर्सल) का आयोजन किया गया। यह पूर्वाभ्यास कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता एवं गरिमामयी उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूर्वाभ्यास का शुभारंभ बटुकों के वेद मंत्रोच्चार और स्वस्ति वाचन के साथ हुआ। तत्पश्चात ह्यवंदे मातरम्ह्न तथा विश्वविद्यालय के कुलगीत की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। इस दौरान डोगरा रेजीमेंट की बैंड टीम ने आकर्षक धुन के साथ दीक्षांत शोभायात्रा की अगवानी किया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन प्रो. नीलम पाठक द्वारा किया गया। समारोह के पूर्ण अभ्यास के दौरान कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने प्रगति आख्या का प्रस्तुत किया। इसके उपरांत उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्त करने जा रहे सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुरूप ह्यदीक्षोपदेशह्न का प्रशिक्षण दिया। अभ्यास के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की उपाधियों को ह्यडिजिलॉकरह्न पर अपलोड करने की प्रक्रिया का भी सफलतापूर्वक पूर्वाभ्यास किया गया। उल्लेखनीय है कि 12 अगस्त को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में मेधावियों को कुल 120 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। 31वें दीक्षांत समारोह में स्नातक परास्नातक की कुल 166055 उपाधियां डिजिलॉकर पर कुलाधिपति द्वारा अपलोड की जाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, समर्पण और विद्वता का उत्सव है। यह दिवस युवाओं को समाज और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके दायित्वों का स्मरण कराता है। हमारे मेधावी छात्र जब यहाँ से शिक्षा और ह्यदीक्षोपदेशह्न का संस्कार लेकर निकलेंगे, तो वे समाज में उत्कृष्टता और नैतिक मूल्यों के नए मानक स्थापित करेंगे। पूर्वाभ्यास के दौरान विद्या परिषद एवं कार्य परिषद के सदस्यगण, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, विभागाध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक व अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस दौरान दीक्षांत शोभायात्रा के प्रवेश से लेकर मंच संचालन, उपाधि व पदक वितरण की प्रक्रियाओं तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम के समापन तक की सभी व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर लोनी में उमड़ा आस्था का सैलाब, मंदिरों-शिवालयो में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

प्रात : किरण सुशील शर्मा

लोनी। मंगलवार को लोनी क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर्व पूरी श्रद्धा और हर्ष उल्लास के साथ से मनाया गया. शिव भक्त श्रद्धालुओ ने शिवलिंग का जलाभिषेक किया और भोलेनाथ के पसंदीदा व्यंजनों का भोग लगाते हुए श्रद्धा भाव के साथ विधिवत रूप से पूजा अर्चना की। महादेव के जलाभिषेक के दौरान शिवालयों में महादेव के नाम के विभिन्न जयकारे गूंजते रहे। महाशिवरात्रि (शिव चौदस) के पावन पर्व पर शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, मंदिरों/शिवालियो में प्रातः से ही जलाभिषेक करने वाले शिव भक्तों का ताता लगना शुरू हो गया था। व्रतधारी शिव भक्त हो या अन्य आस्थावान, उनके जलाभिषेक व पूजा अर्चना का यह सिलसिला क्षेत्र में दिन भर यूं ही चलता रहा। इस कड़ी में बात लोनी-बन्थला मार्ग, मैन बाजार में स्थित शिव मंदिर की करें तो वहां बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ देखने को मिली जबकि गुलाब वाटिका स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिव भक्तों को जलाभिषेक के लिए अपनी-अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा था। और इस तरह अपने हाथों में जल और पूजा सामग्री के साथ कतार में खड़े सभी महिला व पुरुष श्रद्धालुओ ने बारी-बारी से शिवलिंग का जलाभिषेक और पूजा अर्चना करते रहे। इस दौरान भक्तिमय धार्मिक संगीत के साथ-साथ मंदिर प्रांगण में घंटे-घड़ियाल, शंखनाद और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। ऐसे श्रद्धा व भक्तिपूर्ण माहौल को देखकर ऐसा लग रहा था मानव पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया हो।

आस्थावनों ने हवन आहुति दे उठाया धर्म लाभ

क्षेत्र के अनेक शिवालयों में जलाभिषेक से पूर्व पंडितों द्वारा वहां यज्ञ का आयोजन किया गया था। पूरे विधि-विधान व मंत्रोच्चारण के साथ किए गए यज्ञ के दौरान वहां श्रद्धालुओं ने घी, नारियल व सुगन्धित सामग्री की आहुति देते हुए धार्मिक लाभ उठाया। सभी ने भगवान शंकर से अपने परिवार व सगे-संबंधियों के साथ-साथ देश की सुख-समृद्धि के लिए मंगल कामना करी।

बाजारो में बनी रही खरीदारों की रौनक

महाशिवरात्रि महापर्व पर अपने आराध्य महादेव की पूजा अर्चना के लिए बाजारों में बड़ी संख्या में पूजा सामग्री खरीदने निकले थे। जलाभिषेक और पूजा के लिए भोलेनाथ के प्रिय माने जाने वाली पूजा सामग्री खरीदने वाले श्रद्धालुओ की भीड़ बाजार की रौनक बनी थी। भोले भक्त नागरिक खासतौर पर पुष्प, भांग, धतूरा व बेल पत्र आदि की खरीद करते नजर आए। पिछले कई दिनों से शिव भक्त महिला व पुरुषों की यह चहल-पहल बनी रहने के इस खास मौके का दुकानदारों ने भी खूब लाभ उठाया।

सुरक्षा व्यवस्था के रहे कड़े इंतजाम

महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर मंदिरों में जलाभिषेक को उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजामात किए गए थे. ताकि कोई भी असामाजिक तत्व किसी प्रकार का कोई व्यवधान उत्पन्न ना कर सके। यही कारण था कि जहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था वहीं शीर्ष अधिकारी भी प्रत्येक गतिविधि पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए थे।

परशुरामेश्वर महादेव मंदिर में 15 लाख ने किया जलाभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में श्रावण मास के पावन अवसर पर जनपद के बालैनी पुरा गांव स्थित परशुरामेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार तड़के 3 बजे के पूजा-अर्चना और झंडारोहण के साथ जलाभिषेक का शुभारंभ हुआ। शिव चतुर्दशी के अवसर पर जैसे ही जलाभिषेक शुरू हुआ, वैसे ही लाखों शिवभक्तों की आस्था मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे और श्रद्धालु लंबी कतारों में लगकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते नजर आए। मंदिर के मुख्य पुजारी जय भगवान शर्मा ने बताया कि अब तक करीब 15 लाख कांवड़िये जलाभिषेक कर चुके हैं और शाम तक यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। तीन दिवसीय कांवड़ मेले का समापन मंगलवार शाम को होगा। मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। सोमवार रात एडीजी भानु भास्कर और एसपी बागपत ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मेले में लगभग तीन हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संभाल रहे हैं। जगह-जगह बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस की मुस्तैदी से व्यवस्था चाक-चौबंद रही। वहीं, प्रशासन द्वारा स्वच्छता अभियान भी चलाया गया, जिससे मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र साफ-सुथरा बना रहा। इस बार बागपत के युवा अमन कुमार द्वारा तैयार किया कांवड़ ऐप भी श्रद्धालुओं के लिए काफी उपयोगी साबित हुआ। अब तक 25 हजार से अधिक कांवड़ियों ने इस ऐप का इस्तेमाल किया है, जिससे उन्हें मार्गदर्शन और सुविधाएं प्राप्त हुईं।

हार्डवेयर दुकान की छत गिरी एक की मौत, दो घायल

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के गुलाब वाटिका कॉलोनी में दिल्ली-सहारनपुर मार्ग स्थित हार्डवेयर की तीन मंजिला दुकान की छत सोमवार शाम को करीब चार बजे भरभराकर गिर गई। हादसे में एक राजमिस्त्री समेत तीन लोग मलबे में दब गए। दो श्रमिकों को समय रहते आसपास के लोगों ने मशक्कत से बाहर निकाल लिया। जबकि तीसरे को चार घंटे बाद एनडीआरएफ ने बाहर निकाला। उपचार के दौरान उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि दिल्ली के शाहदरा निवासी कुनाल जैन की गुलाब वाटिका कॉलोनी में हार्डवेयर की दुकान है। वहां दूसरी मंजिल पर गोदाम बना हुआ था। वह तीसरी मंजिल पर गार्डर-पत्थर से दुकान की छत बना रहे थे। छत पर अजीत निवासी गुलाब वाटिका कॉलोनी दीवारों पर प्लास्टर कर रहा था। तीनों मंजिल की छत गार्डर-पत्थर से बनी थी। सबसे ऊपर वाली मंजिल की छत अचानक गिरी तो एक के बाद एक तीनों मंजिल भरभराकर गिर गई। इस दौरान राजमिस्त्री अजीत पहली मंजिल पर दुकान में काम करने वाले मुकेश यादव और जतिन दूसरी मंजिल पर मलबे में दब गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया। वहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मुकेश यादव को मृत घोषित कर दिया। आसपास के लोगों ने दुकान में निर्माण और सामान रखने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि तीनों तल हार्डवेयर के भारी सामान से भरे हुए थे। छत लोहे के गर्डर और पत्थर से बनी थीं। इन पर क्षमता से अधिक सामान रखा गया था। दूसरे तल की छत पर पानी की टंकी के अलावा निर्माण सामग्री भी रखी थी। इससे आशंका है कि अधिक भार होने के कारण छत गिरी थी। घटना की जानकारी मिलते ही लोनी एसडीएम दीपक कुमार, नायब तहसीलदार रति गुप्ता, एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्या और लोनी एसीपी राम किशन मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने बताया कि मुकेश की मौत हो गई है। जबकि दो श्रमिकों को बचा लिया गया है।

देवरिया: स्कूल बस की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

देवरिय। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में गौरी बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरी बाजार-हाटा मार्ग पर मंगलवार सुबह करीब आठ बजे देवगांव के समीप स्कूल बस और ई-रिक्शा की टक्कर हो गई। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कई छात्र समेत 18 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गौरी बाजार थाना क्षेत्र के विशुनपुरा गांव निवासी अकबर (३५) ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। मंगलवार सुबह वह छात्रों को स्कूल पहुंचाने के लिए ई-रिक्शा लेकर जा रहे थे। देवगांव के समीप देवरिया की ओर से आ रही एसबीटी पब्लिक स्कूल की बस ने ई-रिक्शा में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ई रिक्शा चालक अकबर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अंश (12), पूनम तिवारी (40), रिषभ यादव (14), निकिता तिवारी (23), शिक्षा वर्मा (23), प्रगति सिंह (22), जानकी तिवारी (23), नेहा सिंह (29), पल्वी सिंह (24), पियूष(9), कुसुम गुप्ता (38), आदित्य यादव (12), खुशी गुप्ता (15), प्रियंका ओझा (30), प्रिया ओझा (29), कुसुम गुप्ता (38), निकिता तिवारी (25), शिक्षा (25) समेत अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को गौरी बाजार स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर किया गया। कुछ घायलों के परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर चले गए।

सुधांशु हत्याकांड पर सुभासपा ने खोला मोर्चा, पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

50 लाख मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और शस्त्र लाइसेंस की मांग; आरोपियों के मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई की उठाई मांग

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। थाना नौगावां क्षेत्र के गांव गुलड़िया निवासी सुधांशु प्रजापति की गोली मारकर हत्या के मामले में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने पीड़ित परिवार के पक्ष में मोर्चा खोल दिया है। पार्टी पदाधिकारियों ने राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर सिंह प्रजापति को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता, सरकारी नौकरी और सुरक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही हत्याकांड में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि 9 अगस्त को गांव गुलड़िया में सुधांशु प्रजापति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद परिवार में गहरा शोक है और परिजनों में सुरक्षा को लेकर भी भय का माहौल बना हुआ है। सुभासपा पदाधिकारियों ने शासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, परिजनों की सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके साथ ही हत्याकांड में फरार अथवा अभी तक गिरफ्तार न किए गए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने और आरोपियों के मकानों के संबंध में कानून के दायरे में आवश्यक कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई किए जाने की मांग भी उठाई गई। सुभासपा पदाधिकारियों ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए शासन को पांचों मांगों पर शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा संबंधी सहायता उपलब्ध कराए। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष बलराज प्रजापति, जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, आदेश अमरोही, कोषाध्यक्ष दिनेश प्रजापति, आकाश प्रजापति, टिंकू प्रजापति और पवन प्रजापति मौजूद रहे।

सुसुवाही में विशेष सफाई अभियान, भारी मात्रा में कूड़ा का किया गया निस्तारण

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। सुसुवाही वार्ड नंबर 39 में जगह-जगह जमा कूड़े और गंदगी को देखते हुए मंगलवार को विशेष सफाई अभियान चलाया गया। पार्षद सुरेश कुमार पटेल उर्फ गुड्डू पटेल के नेतृत्व में सुबह से शुरू हुए अभियान में वार्ड के विभिन्न इलाकों की सफाई कराई गई। इस दौरान करीब 8 से 10 ट्रैक्टर कूड़ा एकत्र कर मौके से हटवाया गया और उसका निस्तारण कराया गया। पार्षद ने स्वयं क्षेत्र का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। जहां भी सड़क किनारे, खाली स्थानों और घरों के आसपास कूड़े के ढेर दिखाई दिए, वहां तत्काल सफाई कर्मचारियों को भेजकर कूड़ा उठवाया गया। अभियान के दौरान नालियों और नालों की सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया गया, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति न बने। सुसुवाही भगवती नगर रोड, प्रज्ञा पुरम कॉलोनी के पास मुख्य मार्ग, चंद्रिका चौराहा और पोखरी के आसपास विशेष सफाई कराई गई। ओम ग्रीन गार्डन के पास भी सफाई अभियान चलाया गया। वहीं नुआव तड़िया पुल के समीप नाले की सफाई का कार्य कराया जा रहा है। चंद्रिका चौराहे पर सफाई के बाद वहां एकत्र कूड़े को भी तत्काल उठाकर निर्धारित स्थान पर भेजा गया। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान पार्षद ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि घरों और दुकानों से निकलने वाला कूड़ा सड़क किनारे, नाली अथवा खाली स्थानों पर न फेंकें।

बिजली विभाग की खोदाई में गेल की गैस पाइपलाइन कटी, 20 से अधिक घरों में ठप रही आपूर्ति

वाराणसी। नगवा क्षेत्र के शिवप्रसाद गुप्त लेन और आसपास के इलाकों में सोमवार सुबह बिजली विभाग की ओर से कराई जा रही खोदाई के दौरान गेल की भूमिगत गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन कटने के बाद गैस का तेज रिसाव शुरू हो गया, जिससे क्षेत्र में गैस आपूर्ति बाधित हो गई। सुबह के समय आपूर्ति बंद होने से 20 से अधिक घरों में चूल्हे नहीं जल सके। लोगों को मजबूरी में होटल और रेस्टोरेंट से खाना मंगवाकर काम चलाना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में पिछले तीन दिनों से बिजली के तारों को भूमिगत करने का कार्य चल रहा था। सोमवार सुबह इसी कार्य के लिए की जा रही खोदाई के दौरान जमीन के नीचे बिछी गेल की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटते ही गैस का रिसाव होने लगा। इससे आसपास के लोगों में भी चिंता बढ़ गई। सूचना मिलने के बाद संबंधित विभागों की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत का काम शुरू कराया गया। नगवा निवासी प्रो. अनूप मिश्रा ने बताया कि बिजली विभाग और गेल गैस प्रशासन के बीच समुचित समन्वय का अभाव इस घटना का कारण बना। उनका कहना है कि किसी भी क्षेत्र में खोदाई शुरू करने से पहले वहां मौजूद भूमिगत गैस, पानी, सीवर और अन्य उपयोगिता लाइनों की जानकारी होना जरूरी है। यदि पहले से पाइपलाइन की लोकेशन की जानकारी ली जाती तो नुकसान से बचा जा सकता था। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में नाराजगी भी देखने को मिली। क्षेत्र निवासी अशोक शुक्ला, पीके ओझा समेत अन्य लोगों ने बताया कि पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद सुबह से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर जानकारी दी गई।

राहुल गांधी को झारखंड के छात्रों की चीख सुनाई नहीं पड़ रही: बृजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी को झारखंड के छात्रों की चीख सुनाई नहीं पड़ रही है। उन्हें छात्रों के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। देश का युवा राहुल गांधी के दोहरे चरित्र को भली प्रकार से समझ रहा है। बृजेश पाठक ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के माध्यम से अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार जेन जी व छात्रों के साथ खड़ी है। हम छात्रों व युवाओं के हितों के साथ खड़े हैं। एक सवाल के उत्तर में कहा हमारी सरकार संसद चलाने के लिए तैयार है। राहुल गांधी ने संसदीय इतिहास की गरिमा को तार तार किया है। वह 15 दिन से संसद को हाईजैक कर जनता में भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री मंत्री हर सवाल का जवाब देंगे वह सुनने के लिए तैयार रहें। प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश के मीडिया संयोजक मनीष दीक्षित और प्रदेश के सह मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ निकली भव्य तिरंगा रैली

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और देशप्रेम की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को आईएम इंटर कॉलेज से जनपद स्तरीय तिरंगा रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने किया। रैली में कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का शुभारंभ कॉलेज परिसर से हुआ। विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से रैली निकाली और आमजन को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान तथा ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। ह्यभारत माता की जयह्न के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान से अवगत कराते हुए कहा कि युवा पीढ़ी का दायित्व है कि वह स्वतंत्रता सेनानियों के संदेश और राष्ट्रप्रेम की भावना को घर-घर तक पहुंचाए। रैली में विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों और कॉलेज के कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। रैली के माध्यम से लोगों को देश के गौरवशाली इतिहास से जुड़ने तथा स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाने के लिए जागरूक किया गया। रैली का उद्देश्य केवल तिरंगा फहराना ही नहीं, बल्कि युवाओं में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय गौरव और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करना भी रहा।

स्योहारा नगर पालिका ने दस हजार तिरंगे झंडे किये वितरित

तिरंगा झंडा हर देशवासी की शानः विजेंद्र सिंह पाल

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। देश कि आजादी के 80 वें स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष मे शासन के आदेश पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद स्योहारा में नगर पालिका के अधिशासी विजेंद्र सिंह पाल के निर्देश पर नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर 10, 000 तिरंगे झंडे वितरित किए गए! उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि सभी तिरंगे झंडे को अपने घर पर तिरंगा संहिता का पालन करते हुए लगाएं। हर घर तिरंगा अभियान 9 अगस्त से से 17 अगस्त तक चलेगा और कहा की अभियान के पश्चात सभी नागरिक अपने घरों से तिरंगे झंडे को आदर सहित उतारकर सुरक्षित रख लें। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने कहा तिरंगा झंडा हमारे देश की शान है। इसके तीनो रंग जीवन की सफलता और अनुशासन की प्रेरणा देते हैं। तिरंगे झंडे का सबसे ऊपर का केसरिया रंग देश के प्रति साहस,त्याग और बलिदान की प्रेरणा देता है यह हमारे देश पर मर मिटने वाले शूरवीर नायकों के समर्पण को दशार्ता है। बीच का सफेद रंग सत्य, शांति और पवित्रता का संदेश देता है यह हमें सदभाव और ईमानदारी के साथ जीने के लिए प्रेरित करता है। सबसे नीचे का हरा रंग धरती की हरियाली, खुशहाली, उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक है यह जीवन में प्रगति और विकास का संदेश देता है। झंडे के सफेद रंग के बीच बना गहरा नीला अशोक चक्र इसमें 24 तीलियां होती हैं यह निरंतर गतिशीलता, प्रगति, न्याय और धर्म के मार्ग पर बिना रुके आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। जो कि हम सब के लिए गौरव की बात ह

औरैया-फफूंद फोरलेन मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे, राहगीर परेशान

-शेरपुर सरैया में सड़क पर भरा बारिश का पानी, स्कूली बच्चों को भी निकलने में हो रही दिक्कत

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद शहर को फफूंद से जोड़ने वाला औरैया-फफूंद फोरलेन मार्ग शेरपुर सरैया के पास बदहाल हो गया है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भरने से राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग वर्षों से अधूरा पड़ा होने के कारण लोगों में नाराजगी है। हालात यह हैं कि कई राहगीर अब परेशानी से बचने के लिए चक्कर काटकर औरैया आने-जाने को मजबूर हैं। शेरपुर सरैया में सड़क पर बने गड्ढे और उनमें भरा पानी राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है। दोपहिया वाहन चालक आए दिन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं चार पहिया वाहनों को भी पानी और कीचड़ के बीच से निकलना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। इस मार्ग से बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं भी प्रतिदिन आवागमन करते हैं। गड्ढों में भरे पानी से कई बार वाहनों के पहिए गुजरने पर कीचड़ उछलकर छात्रों की स्कूल ड्रेस पर पड़ जाता है। इसके चलते उन्हें वापस घर लौटना पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि सड़क की बदहाली से बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। औरैया-फफूंद मार्ग के सीसी फोरलेन का प्रस्ताव वित्तीय वर्ष 2015-16 में शासन से मंजूर हुआ था। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू भी हुआ, लेकिन बजट की कमी के चलते काम की रफ्तार धीमी पड़ गई।

सुधांशु हत्याकांडः राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस

दोषियों के खिलाफ होगी कठोर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नौगावां सादात क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया में 21 वर्षीय सुधांशु प्रजापति की हत्या की घटना से दुखी परिवार से मंगलवार को प्रदेश के होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाते हुए घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। राज्य मंत्री ने कहा कि युवा बेटे को खोने का दुख बेहद पीड़ादायक है। इस कठिन घड़ी में प्रदेश सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुधांशु की हत्या के मामले में दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। राज्य मंत्री ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार मामले को गंभीरता से ले रही है। अंत में उन्होंने दिवंगत सुधांशु की आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

कौम व मिल्लत की फलाह के लिए काम करेगी सुन्नी मुस्लिम कमेटी : सय्यद सऊद अली

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सुन्नी मुस्लिम कमेटी के इफ़्तेताह के मौके पर मंगलवार को दोपहर 12 बजे से ताज गार्डन, अमरोहा में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के ज़िम्मेदार हजरात, शहर की प्रमुख शख्सियात, पत्रकार बंधु तथा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज की खिदमत अंजाम देने वाले साथियों ने शिरकत की। कार्यक्रम का आगाज हाफि ज फैजान रजा ने तिलावत-ए-कलाम-ए-इलाही से किया। इसके बाद फहीम कादरी, हाफि ज इमरान, अब्दुल रहीम एवं शहजाद ने आका-ए-करीम ﷺ की शान में नात-ए-पाक पेश की। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार बंधुओं, शहर की प्रमुख शख्सियात तथा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज और कौम की आवाज को बुलंद करने वाले योद्धाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुन्नी मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष सैय्यद सऊद अली ने कहा कि कमेटी का मुख्य उद्देश्य कौम व मिल्लत की फलाह और बहबूदी के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना है। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद, शिक्षा को बढ़ावा देना, युवाओं को बेहतर दिशा प्रदान करना तथा समाज में आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करना कमेटी की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।उन्होंने कहा कि सुन्नी मुस्लिम कमेटी किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए प्रयास करेगी। कमेटी सामाजिक, शैक्षिक एवं जनकल्याण के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेगी तथा समाज की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों और ज़िम्मेदार लोगों तक पहुंचाकर उनके समाधान का प्रयास करेगी। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने सुन्नी मुस्लिम कमेटी के गठन का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि कमेटी समाज के लोगों को एकजुट करने और जरूरतमंदों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के आखिर में मुफ़्ती तैय्यब अली कादरी ने मुल्क तथा अमरोहा में अमन, शांति और खुशहाली के लिए खुसूसी दुआ कराई। दुआ के बाद सभी मेहमानों ने भोजन किया। कार्यक्रम का संचालन मो. अतहर एवं यासिर अंसारी एडवोकेट ने किया।अंत में कमेटी के अध्यक्ष सैय्यद सऊद अली ने कार्यक्रम में शामिल सभी मेहमानों, पत्रकार बंधुओं, सम्मानित अतिथियों एवं तमाम सहयोगियों का शुक्रिया अदा किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से हाफि ज अजगर अली, इब्राहिम भूरे, हाजी खुर्शीद अनवर, मंसूर अहमद एडवोकेट, इकराम जैदी, कमर नकवी, मो. अहमद जैदी, वहाब सैफी, आरिफ कुरैशी, इमरान पाशा, डॉ. मनसब, कमर आलम सैफी, शजर आलम शाही, शाने आलम तुर्क, हकीम दिलनवाज, इसरार एडवोकेट, नदीम एडवोकेट, अकबर एडवोकेट, नदीम रायनी, शकील अंसारी, समीर खान, अजीम एडवोकेट, हाजी सोनू, मो. आजम, रियाज उद्दीन, हाजी मोहसिन, मो. रिजवान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

वाराणसी : मंदिर के सामने कुएं में गिरा युवक, दो घंटे बाद निकला शव

वाराणसी। शिवदासपुर मारवाड़ी स्थित बरम बाबा मंदिर के सामने मंगलवार सुबह एक युवक के कुएं में गिरने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना सुबह मिलने के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी मिलते ही श्री बरम बाबा सेवा हितकारिणी ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी एवं अध्यक्ष ईश्वर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। कुएं में गिरे युवक की पहचान आकाश कुमार (28) पुत्र बलिराम, निवासी शिवदासपुर मारवाड़ी, वाराणसी के रूप में हुई। सूचना मिलते ही ट्रस्ट की टीम, स्थानीय लोगों और पुलिस ने युवक को कुएं से बाहर निकालने के लिए राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। आसपास के लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। रेस्क्यू अभियान के दौरान अनिल कुमार बिंद पुत्र अशोक कुमार बिंद ने साहस का परिचय देते हुए बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से युवक को बाहर निकालने के लिए करीब दो घंटे तक प्रयास किया गया। काफी मशक्कत के बाद आकाश कुमार को कुएं से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। युवक के कुएं में गिरने की जानकारी फैलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस युवक के कुएं में गिरने के कारणों की भी जांच कर रही है। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 12 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

1100-करोड़ में बनी टनल में पहली बारिश में भरा पानी

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कोटा में 1100 करोड़ में बनी मुकंदरा टनल में पहली बारिश में ही पानी भर गया। टनल में पहाड़ों से जगह-जगह से पानी का रिसाव हो रहा है। ऐसे में सुरंग से गुजरने वाले वाहन ड्राइवरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। NHAI के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया- बारिश ज्यादा थी। इस कारण सिपेज का पानी अंदर आ गया। पंप कम कैपेसिटी के थे। इस कारण पानी बाहर नहीं निकल पाया। अब पंप की कैपेसिटी बढ़ाई जाएगी। दरारों से पानी अंदर आया, पंपों की कैपेसिटी बढ़ाएंगे NHAI के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया- ट्यूब 1 और ट्यूब 2 में 30 पंप लगे हैं। यह 10- 25 हॉर्स पावर के हैं। कुछ पंपों की कैपेसिटी बढ़कर 35 हॉर्स पावर की जाएगी। ये कैपेसिटी पानी और डिजाइन के हिसाब से बढ़ाई जाएगी। पहले जो डिजाइन में एसेस किया था, वह कैपेसिटी में कम रह गए। यह टेक्निकल चीज है।

दिनदहाड़े पूर्व जनपद सदस्य के पति की गला रेतकर हत्या

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार को विवाद के बाद 2 युवकों ने शराब दुकान के सामने दिनदहाड़े भाजपा समर्थित पूर्व जनपद सदस्य के पति की गला रेतकर हत्या कर दी। हमले में एक बुजुर्ग भी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के बाद आरोपियों ने शराब दुकान में तोड़फोड़ की और वहां लगे उउळश कैमरे को भी डैमेज कर दिया। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक भाजपा समर्थित पूर्व जनपद सदस्य गीता साहू के पति का नाम बबला साहू उर्फ शिवनंदन साहू (56) है। जो कि देवरी खुर्द का रहने वाले थे। वह पेशे से ऑटो ड्राइवर थे। बताया जा रहा है कि तोरवा शराब दुकान के सामने बबला साहू का दो युवकों से विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद दोनों युवकों ने उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने चाकू से बबला साहू का गला रेत दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद शराब दुकान में तोड़फोड़ के बाद आरोपियों ने मौके पर काफी देर तक हंगामा किया। इससे वहां मौजूद लोगों में डर फैल गया और कई लोग वहां से भाग गए। इसके बाद आरोपियों ने शराब दुकान में भी तोड़फोड़ की। उन्होंने दुकान में लगे उउळश कैमरों को भी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद कुछ समय के लिए शराब दुकान बंद कर दी गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। साथ ही, मौके पर मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने वारदात से पहले की उउळश फुटेज भी खंगाली।

गर्ल्स हॉस्टल की गार्ड कराती है मालिश, धुलवाती है वर्दी

सरगुजा जिले के खमरिया के गर्वमेंट गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं ने सुरक्षा गार्ड पर मालिश कराने और वर्दी धुलवाने के साथ निजी काम करने का आरोप लगाया है। जिला पंचायत सदस्य राधा रवि जब हॉस्टल पहुंचीं, तो छात्राएं उनके सामने रोने लगीं और अपनी परेशानी बताई। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि जिला पंचायत सदस्य छात्राओं से कहती हैं- सरकार उनको इसलिए सैलरी नहीं देती कि वो आप लोगों से व्यक्तिगत काम कराए। आप लोगों को किसी मैडम या सर कपड़ा धोने और मालिक करने के लिए नहीं भेजा गया है। सरकार ने आप सभी के लिए सुविधा इसलिए दी है कि आप लोग अच्छे से रह सकें और पढ़ाई कर सकें। जिला पंचायत सदस्य राधा रवि की शिकायत के बाद आदिवासी विकास विभाग ने इस मामले की जांच कराई और महिला होमगार्ड रविसूर्या राजवाड़े को हॉस्टल से हटा दिया है। यह मामला थाना उदयपुर क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, खमरिया में हायर सेकेंडरी स्कूल संचालित है। स्कूल परिसर में ही कक्षा 6वीं से 10वीं तक की छात्राओं के लिए हॉस्टल भी है। इस हॉस्टल में करीब 80 छात्राएं रहती हैं। सोमवार को जिला पंचायत सदस्य राधा रवि अचानक खमरिया के गर्ल्स हॉस्टल पहुंचीं और छात्राओं से बात की। इस दौरान हॉस्टल में कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं था। उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर उनके खाने, रहने और पढ़ाई की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। रोने लगी छात्राएं, महिला गार्ड की शिकायत की हॉस्टल की छात्राओं ने जिला पंचायत सदस्य को बताया कि गार्ड उनसे अपनी वर्दी धुलवाती है। छात्राओं ने बताया कि गार्ड रात में सोने से पहले उनसे मालिश भी करवाती है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि जब वे काम करने से मना करती हैं, तो गार्ड उन्हें दूसरे कमरे में बंद करने और हॉस्टल से बाहर निकालने की धमकी देती है। छात्राओं ने बताया कि डर की वजह से उन्हें गार्ड की बात माननी पड़ती है। गार्ड की शिकायत करते हुए कई छात्राएं भावुक हो गईं और रोने लगीं। जिला पंचायत सदस्य ने छात्राओं को भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे बिना किसी चिंता के मन लगाकर पढ़ाई करें।

CM भजनलाल शर्मा GEN-Z से बात करेंगे

बच्चे मुख्यमंत्री से सवाल भी कर पाएंगे, सोच और उम्मीदों को लेकर होगी चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बीकानेर में Gen-Z से सीधे संवाद करेंगे। 15 अगस्त को डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के ठीक बाद रविंद्र रंगमंच पर यह कार्यक्रम होगा। इसमें स्कूल और कॉलेज के स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। करीब 15 से 20 साल की उम्र के युवाओं के साथ साल 2047 के भारत को लेकर उनके सपनों, सोच और उम्मीदों पर चर्चा की जाएगी। अभी ये तय नहीं है कि कोई भी स्टूडेंट इसमें सीधा हिस्सा ले सकता है या फिर आमंत्रित युवाओं को भी कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। स्टूडेंट्स को

अपने विचार मुख्यमंत्री के सामने रखने का अवसर मिलेगा। वे यह भी बता सकेंगे कि वे 2047 में भारत को किस रूप में देखना चाहते हैं। युवाओं को मुख्यमंत्री से सवाल पूछने का अवसर भी दिया जाएगा। यानी कार्यक्रम एकतरफा भाषण के बजाय सवाल-जवाब और संवाद पर केंद्रित रहेगा। सरकारी-प्राइवेट स्कूल और कॉलेज के स्टूडेंट्स जुड़ेंगे कार्यक्रम में सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के साथ कॉलेज के स्टूडेंट्स को जोड़ा जाएगा। प्रयास रहेगा कि अलग-अलग क्षेत्रों और संस्थानों से आने वाले युवाओं को मुख्यमंत्री से संवाद करने का अवसर मिले। आयोजन की जिम्मेदारी के लिए माध्यमिक शिक्षा के अतिरिक्त निदेशक शैलेंद्र देवड़ा को नोडल ऑफिसर बनाया गया है। शिक्षा विभाग के स्तर पर स्टूडेंट्स की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारियां की जा रही हैं।

ED ने कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के कथित 3400 करोड़ रुपए के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर रायपुर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 5 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। 17 अगस्त को फिर उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। आज कोर्ट पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामगोपाल अग्रवाल से मुलाकात की। बघेल ने कहा कि केवल परेशान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियों के पास नकली गवाह है, कोई सबूत नहीं है। बता दें कि इससे पहले एडह (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर पूछताछ

की थी, अब एऊ आगे की पूछताछ करेगी। रामगोपाल अग्रवाल पर क्या हैं आरोप एडह के मुताबिक, आरोप है कि शराब घोटाला, कोल लेवी और कस्टम मिलिंग से जुड़े पैसों को ठिकाने लगाने में रामगोपाल अग्रवाल की भूमिका थी। इसी वजह से एजेंसी ने आगे की पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। 8 जुलाई को किया था सरेंडर कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल करीब तीन साल तक फरार रहे। 8 जुलाई को उन्होंने एडह कार्यालय पहुंचकर सरेंडर किया था। इसके बाद मेडिकल परीक्षण कर उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से 9 जुलाई को 17 जुलाई तक की पुलिस रिमांड मंजूर की गई थी। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद 5 अगस्त तक एडह की कस्टडी में भेज दिया गया था। 25 जुलाई को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कई सीनियर नेताओं ने रामगोपाल अग्रवाल से जेल भेजे जाने से पहले उनसे मुलाकात की थी। इस दौरान भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि पार्टी को बदनाम करने के लिए एजेंसियों का उपयोग किया जा रहा है। 11 अगस्त को दूसरी बार कोर्ट पहुंचकर भूपेश बघेल ने रामगोपाल अग्रवाल से मुलाकात की।

भूपेश बोले- अपने बाप के घर से पेट्रोल लाए BJP :जनार्दन मिश्रा के बयान पर पलटवार

प्रात : किरण संवाददाता

E20 पेट्रोल को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा के बयान पर पलटवार किया है। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने शुद्ध पेट्रोल की मांग पर कहा था, शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा? इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि बीजेपी नेता होश खो बैठे हैं। अगर जनता शुद्ध पेट्रोल मांग रही है तो इसका जवाब भाजपा को देना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अगर इतना ही है तो अपने बाप के घर से शुद्ध पेट्रोल ले आएं। जानिए जनार्दन मिश्रा ने क्या कहा था ? भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा ने रीवा एयरपोर्ट पर रीवा से भोपाल और कोलकाता के लिए शुरू हुई नई उड़ानों के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान ए20 पेट्रोल का विरोध करने वालों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि आंदोलन किया जा रहा है कि एथेनॉल नहीं चलेगा, सिर्फ शुद्ध पेट्रोल चाहिए। इसके बाद उन्होंने सवाल किया- ह्यशुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा?ह्ण मिश्रा बोले- 80% तेल विदेश से आता है भाजपा सांसद ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का करीब 20% कच्चा तेल ही देश में पैदा करता है, जबकि करीब 80% तेल आयात करना पड़ता है। उनका तर्क था कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और युद्ध के कारण तेल की सप्लाई प्रभावित होती है।

एसपी बोले- जॉम्बी ड्रग का वीडियो राजस्थान का नहीं:पंजाब पुलिस ने राजस्थान का बताया था

प्रात : किरण संवाददाता

दो युवक जॉम्बी ड्रग का नशा कर एक ही जगह नशे में खड़े होकर झूल रहे हैं। क्रिकेटर और भाजपा राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने 41 सेकेंड के इस वीडियो को अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो पंजाब का बताया है। वीडियो सामने आते ही राजस्थान और पंजाब में नशे को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। वहीं, भाजपा राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह भी खूब ट्रोल हो रहे हैं। इस पर पंजाब पुलिस नेकहा- ये वीडियो श्रीगंगानगर (राजस्थान) का है, पंजाब का नहीं, ऐसे में श्रीगंगानगर एसपी ने इसे पंजाब का बताया है। हरभजन बोले- सरकारों ने पंजाबी युवाओं को बर्बाद कर दिया भाजपा राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने अपने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- पंजाब को बुरी नजर लग गई है, मेरे दोस्त, हमारे पंजाब परङ्क सरकारों ने पंजाब और उसके पंजाबी युवाओं को बर्बाद कर दिया है। यह सब देखकर रोने का मन करता है। माफ करना मेरे पंजाब क्षमा करना पंजाब। पंजाब को कहां ला खड़ा किया है? वह पंजाब जो कभी अपनी बढ़ती किस्मत, साहस और वीरता के लिए जाना जाता था। आज उसी पंजाब के युवा नशों के घेरे में फंसे हुए हैं। अभी भी वक्त है-मेरे पंजाब को बचाओ। पंजाब के युवाओं को बचाओ। नशे के वीडियो का पंजाब पुलिस ने खंडन किया वीडियो शेयर होने के बाद पंजाब पुलिस ने हरभजन सिंह की पोस्ट को रिप्लाई करते हुए स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो श्रीगंगानगर (राजस्थान) का है, पंजाब का नहीं। पंजाब पुलिस का इससे कोई संबंध नहीं है। पंजाबी ऑडियो ट्रैक लगाने से कोई घटना पंजाब की नहीं बन जाती है। पुलिस ने यूजर्स और सोशल मीडिया अकाउंट्स से अनुरोध किया कि भ्रामक सामग्री पोस्ट करने या पंजाब पुलिस को टैग करने से पहले तथ्यों और स्थान की पुष्टि कर लें। जिम्मेदारी से शेयर करें। श्रीगंगानगर एसपी बोले- जल्द इसका खंडन करेंगे श्रीगंगानगर एसपी हरी शंकर ने वीडियो का खंडन करते हुए बताया कि यह वीडियो तीन-चार दिन पहले पीलीबंगा (हनुमानगढ़) से किसी ने इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था। श्रीगंगानगर का इससे कोई संबंध नहीं है। एसपी ने दावा किया कि वीडियो पंजाब का है। जिस युवक ने इसे अपलोड किया था, पुलिस उसे ढूंढने का प्रयास कर रही है। राजस्थान पुलिस जल्द इसका खंडन करेगी।

बिलासपुर में एक ही फंदे पर मिली पति-पत्नी की लाश

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक ही फंदे पर लटकती पति-पत्नी की लाश मिली है। दंपती मूल रूप से मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के रहने वाले थे और बिलासपुर में किराए के मकान में रह रहे थे। मंगलवार सुबह घर से बच्चों के रोने की आवाज आने पर मकान मालिक मौके पर पहुंचा, जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जांच में सामने आया है कि सोमवार रात उनके घर से झगड़े की आवाज आ रही थी, इसके बाद तेज आवाज में गाना चल रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। 2 बच्चों के साथ किराए के मकान में रहते थे दंपती दरअसल, अमरकंटक थाना क्षेत्र के ग्राम जामकछार निवासी रमेश सिंह बंजारा (36) अपनी पत्नी माया बंजारा (32) और दो बच्चों (13 साल की बेटी और 5 साल का बेटा) के साथ सिरगिट्टी के नयापारा वार्ड नंबर-12 में किराए के मकान में रहते थे। वे यहां पिछले 10-12 साल से रह रहे थे। घर से तेज आवाज में गाने की आवाज आई दोनों पति-पत्नी इंडस्ट्रियल इलाके की एक कंपनी में काम करते थे। बताया जा रहा है सोमवार (10 अगस्त) रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद घर से तेज आवाज में गाने की आवाज आ रही थी। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर पहुंचा मकान मालिक मंगलवार (11 अगस्त) सुबह मकान मालिक रमेश कुमार साहू को कमरे से बच्चों के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर वे फौरन कमरे की ओर पहुंचे।

रायपुर में 26 साल से छिपा बांग्लादेशी घुसपैठिया अरेस्ट

प्रात : किरण संवाददाता

रायपुर के संजय नगर इलाके में पुलिस ने छापेमारी कर एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब 26 साल से रायपुर में रह रहा था और यहां गाड़ी मैकेनिक का काम करता था। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। आरोपी की पहचान रेहान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह करीब 5 साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ रायपुर आया था। पिछले साल घुसपैठियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान वह अपने माता-पिता के साथ बांग्लादेश लौट गया था। रेहान कुछ दिन पहले दोबारा रायपुर आया और संजय नगर में चोरी-छिपे रहने लगा। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी के परिजनों की तलाश कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की पहचान शेख रेहान (31) के रूप में हुई है। वह संजय नगर में किराए के मकान में रह रहा था। टिकरापारा इलाके में उसकी गाड़ी मैकेनिक की छोटी दुकान भी है। पुलिस के मुताबिक, रेहान साल 2000 में महज 5 साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ रायपुर आया था। इसके बाद उसने यहीं पढ़ाई की और करीब 26 साल से रायपुर में रह रहा था। पुलिस का दावा है कि रेहान और उसके माता-पिता ने रायपुर में आधार और राशन कार्ड समेत कई भारतीय दस्तावेज बनवा लिए थे। उसका भारतीय पासपोर्ट भी बना हुआ था। वह वीजा के जरिए बांग्लादेश स्थित अपने पैतृक गांव पार्वतीपुर आता-जाता था।

2676 करोड़ का फजीवाड़ा करने वाली कंपनी का संचालक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जयपुर जोनल ऑफिस ने 2676 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नेक्सा एवरग्रीन के आरोपी संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। कंपनी ने हर हफ्ते 3 गुना रिटर्न का लालच देकर जालसाजी की थी। ईडी ने मंगलवार दोपहर आरोपी को कोर्ट में पेश कर चार दिन की रिमांड पर लिया है। ईडी अफसरों के मुताबिक, नेक्सा एवरग्रीन धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी संचालक सुभाष चंद्र बिजारनिया को सोमवार रात गिरफ्तार किया गया है। कंपनी के संचालक रणवीर बिजारनिया, सुभाष चंद्र बिजारनिया और उनके सहयोगियों की ओर से बड़ी संख्या में निवेशकों से करीब 2676 करोड़ रुपए इकट्ठा किए गए थे। इस मामले में ईडी की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर जांच की जा रही है। 3 गुना साप्ताहिक रिटर्न का लालच ईडी और राजस्थान पुलिस की ओर से नेक्सा एवरग्रीन ग्रुप के खिलाफ दर्ज की गई ऋक्रफ और चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी रणवीर बिजारनिया और सुभाष चंद्र बिजारनिया उर्फ सुभाष चंद्रा बिजारनिया ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर निवेशकों को धोखा देने की साजिश रची। निवेशकों को यह कहकर पैसा लगाने लालच दिया गया कि उनका पैसा गुजरात के धोलेरा स्मार्ट सिटी में जमीन के विकास और प्लॉटिंग प्रोजेक्ट में लगाया जाएगा। 60 सप्ताह तक हर सप्ताह 3 फीसदी निश्चित रिटर्न या प्लॉट आवंटित करने का लालच दिया गया। इसके अलावा नए निवेशकों को जोड़ने पर अतिरिक्त कमीशन और लेपटॉप, कार-बाइक जैसे इनाम देने की पेशकश की गई। इसके लिए मल्टी-लेवल रेफरल स्कीम का यूज किया गया।

नशे में रेलवे स्टेशन के बाहर कपल का रोमांस:रायगढ़ में खुलेआम गले लगकर KISS करते दिखे

प्रात : किरण संवाददाता

रायगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर एक कपल के खुलेआम रोमांस करने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दोनों एक-दूसरे को गले लगाकर काफी देर तक किस करते दिखे। वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिस जगह यह कपल मौजूद था, उसके ठीक सामने रेलवे सुरक्षा बल (RPF) का कार्यालय भी है। वीडियो सामने आने के बाद इसकी जानकारी RPF तक पहुंची। जांच में सामने आया कि वीडियो में दिख रहा कपल नशे की हालत में था। सोमवार को रेलवे स्टेशन के बाहर यात्रियों की अच्छी-खासी भीड़ थी। ट्रेन के आने-जाने के दौरान बड़ी संख्या में लोग वहां मौजूद थे। इसके बावजूद कपल काफी देर तक वहीं एक-दूसरे के साथ रहा। दोनों काफी देर तक गले लगे रहे और किस करते दिखे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सार्वजनिक जगह पर इस तरह दोनों को देखकर

आसपास मौजूद लोग आपस में चर्चा करने लगे। इसी दौरान किसी ने उनका वीडियो बना लिया। RPF कार्यालय के सामने का वीडियो खास बात यह है कि जिस जगह दोनों इस तरह की हरकत करते नजर आए, उसके ठीक सामने रेलवे सुरक्षा बल (RPF) का कार्यालय भी है। वीडियो सामने आने के बाद मामले की जानकारी रेलवे सुरक्षा बल तक पहुंची। RPF ने बताया- शराब के नशे में थे दोनों RPF थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि दोनों शराब के नशे में थे। उन्होंने कहा कि जब दोनों इस तरह की हरकत कर रहे थे, उसी समय RPF को सूचना दी जानी चाहिए थी। बाद में वीडियो भी RPF के पास पहुंचा था। थाना प्रभारी के मुताबिक, दोनों कुछ देर बाद वहां से चले गए। इस मामले में फिलहाल किसी तरह का केस दर्ज नहीं किया गया है।

होटल संचालक की मौत का आरोपी तस्कर गिरफ्तार:मजाक में पूछा था- गोली चला दूं क्या?

प्रात : किरण संवाददाता

नागौर में होटल संचालक की गोली लगने से हुई मौत के मामले में पुलिस ने 72 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार होटल पर खाना खाने और चाय बनाने आए आरोपी ने मजाक में देशी कट्टा निकालकर पूछा था- ह्यगोली चला दूं क्या?ह्ण इसी दौरान अचानक ट्रिगर दब गया और गोली होटल संचालक के सीने में जा लगी। इलाज के लिए ले जाते समय उसकी मौत हो गई। मामला 7 जुलाई को खरनाल स्थित नीलकंठ होटल का है। होटल पर खाना खाने आया था आरोपी, मजाक के दौरान लगी गोली सदर थानाधिकारी किताब ने बताया- 7 जुलाई को खरनाल

स्थित नीलकंठ होटल पर रामदास (40) को गोली लगी थी। वह गंभीर घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था, लेकिन जोधपुर रेफर करने के दौरान खींवसर के पास एंबुलेंस पलट गई। हादसे में रामदास की मौत हो गई थी। वहीं एंबुलेंस ड्राइवर, होटल मालिक रामप्रसाद और कर्मचारी रणजीत घायल हो गए। इसके बाद मृतक के रिश्ते के भाई रणजीत कुमार की रिपोर्ट पर सदर थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिपाल होटल पर खाना खाने और चाय बनाने के लिए आया था। इस दौरान होटल संचालक रामकुमार के साथ बातचीत और मजाक चल रहा था। कट्टा दिखाकर पूछा- गोली चला दूं क्या? अचानक दबा ट्रिगर पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि देशी कट्टा दिखाकर मजाक में पूछा था- गोली चला दूं क्या? इसी दौरान अचानक ट्रिगर दब गया और गोली रामकुमार के सीने में जा लगी। घटना के बाद सदर थाना पुलिस और डीएसटी ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की।

एक्ट्रेस बोली-मैं ड्रामा क्वीन नहीं जो बिग बॉस में लड़ती :हिंदी बोलने पर डर लगता है कि लोग हंसेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

बिग बॉस फेम और एक्ट्रेस नतालिया जानोस्जेक ने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि 2027 की शुरूआत तक मैं बिना रुके फरार्टेदार हिंदी बोल पाऊंगी। मैं रोजाना हिंदी सीखने की कोशिश करती हूं और लगातार इसकी प्रैक्टिस कर रही हूं। मैं चाहती हूं कि जब मैं हिंदी बोलूं, तो लोग मेरी बात को गंभीरता से लें, न कि यह सोचें कि मैं गलत हिंदी बोल रही हूं। उन्होंने कहा कि कभी-कभी मुझे डर भी लगता है कि अगर मैंने कोई गलत वाक्य बोल दिया तो लोग हंसेंगे। लेकिन मैं अच्छी और शुद्ध हिंदी बोलना चाहती हूं ताकि लोग मुझे आसानी से समझ सकें। इसमें थोड़ा समय जरूर लगेगा, लेकिन मैं लगातार कोशिश कर रही हूं। एक्ट्रेस नतालिया जानोस्जेक ने आगे कहा- भारत की सबसे खास बात यह है कि यहां हर लड़की इस तरह के खूबसूरत परिधान पहनकर खुद को किसी राजकुमारी (प्रिंसेस) की तरह महसूस कर सकती है। यूरोप में हम आमतौर पर ऐसे भारी और पारंपरिक परिधान नहीं पहनते। लेकिन भारत में जब भी मैं यह लुक अपनाती हूं, तो मुझे लगता है कि मैं किसी शाही परिवार की राजकुमारी हूं।ह्व एक्ट्रेस जयपुर कॉट्योर शो सीजन-14 में हिस्सा लेने जयपुर पहुंचीं। शो के ग्रैंड फिनाले में उन्होंने ब्राइडल लुक में रैंप वॉक किया। दैनिक भास्कर से एक्सक्लूसिव बातचीत में उन्होंने जयपुर के अपने अनुभव, बिग बॉस की जर्नी, बॉलीवुड में अपने सफर, हिंदी सीखने की कोशिश और अपनी पहली लीड फिल्म को लेकर खुलकर बात की।

अजमेर जेएलएन में डिलीवरी के बाद महिला की मौत:मोर्चरी के बाहर ससुराल और पीहर पक्ष भिड़े

प्रात : किरण संवाददाता

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में डिलीवरी के बाद 24 साल की महिला की मौत हो गई। इसके बाद मंगलवार को अस्पताल की मोर्चरी के बाहर जमकर हंगामा हुआ। शव रखे जाने के बाद ससुराल और पीहर पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए। करीब 3 से 4 घंटे दोनों पक्षों के बीच 2-3 बार हाथापाई की नौबत आ गई। मौके पर मौजूद रिश्तेदारों ने बीच-बचाव कर कई बार मामला शांत कराया। इस दौरान दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे और कार्रवाई की मांग करते रहे।दरअसल, मृतका प्रीति राव (24) की शादी नवंबर 2024 में ब्यावर निवासी सुनील राव (30) से हुई थी। सुनील के अनुसार प्रीति प्रेग्नेंट थी। कुछ दिन पहले प्रसव पीड़ा होने पर उसे ब्यावर के अमृत कौर अस्पताल ले जाया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे अजमेर के जनाना अस्पताल रेफर किया गया। ऑपरेशन से बेटे को दिया जन्म, रात में बिगड़ी तबीयत मृतका के पति सुनील ने बताया- 10 अगस्त को दोपहर करीब 4 बजे प्रीति की ऑपरेशन से डिलीवरी हुई। उसने बेटे को जन्म दिया। ऑपरेशन के दौरान प्रीति को कई बार पैनिक अटैक आया। देर रात उसकी तबीयत दोबारा बिगड़ी तो जेएलएन अस्पताल शिफ्ट किया गया। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुनील का कहना है कि डॉक्टरों ने दोबारा पैनिक अटैक आने की बात बताई है। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी। वहीं, सुनील ने पीहर पक्ष की ओर से लगाए जा रहे लापरवाही के आरोपों को गलत बताया। पीहर पक्ष बोला- तबीयत बिगड़ने से लेकर वेंटिलेटर तक की जानकारी नहीं दी प्रीति के भाई सूर्य प्रकाश (27) ने आरोप लगाया कि प्रीति की तबीयत बिगड़ने और अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी पीहर पक्ष को समय पर नहीं दी गई। डिलीवरी के बाद प्रीति को वेंटिलेटर पर रखे जाने की जानकारी भी उन्हें नहीं दी गई। भाई का आरोप है कि ससुराल पक्ष की लापरवाही के कारण बहन की मौत हुई। प्रीति की बहन सोनू ने बताया- सोमवार सुबह प्रीति ने अस्पताल से फोन कर बुलाया था। वह मसूदा स्थित अपने ससुराल से अस्पताल पहुंची, लेकिन आरोप है कि ससुराल वालों ने उसे प्रीति से मिलने नहीं दिया। सोनू का कहना है कि उसे लगातार मिलने से रोका और धमकाया गया। उसने भी प्रीति की मौत के लिए पति और ससुराल पक्ष की लापरवाही को जिम्मेदार बताया। मोर्चरी के बाहर रोते रहे परिजन, आरोप-प्रत्यारोप के बीच कई बार हाथापाई प्रीति की मौत के बाद शव को जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। शव देखने के बाद पीहर पक्ष के परिजन रोने लगे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और 3-4 घंटे के दौरान कई बार दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। दो से तीन बार हाथापाई की स्थिति बनी। मौके पर मौजूद अन्य रिश्तेदारों ने दोनों पक्षों को अलग कर मामला शांत कराया। कुछ देर बाद फिर से दोनों पक्षों में बहस शुरू हो जाती।

कार-ट्रक भिड़ंत में व्यवसायी चाचा-भतीजे और बेटे की मौत:जयपुर में जैन मंदिर दर्शन कर लौट रहे थे

प्रात : किरण संवाददाता

धौलपुर में मंगलवार को कार और ट्रक की आमने-सामने की भिड़ंत में पिता-पुत्र समेत परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। कार सवार जयपुर के पदमपुरा स्थित जैन मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। हादसा सदर थाना क्षेत्र के भागीरथपुरा मोड़ के पास हुआ। पुलिस ने बताया- हादसे में शास्त्री नगर निवासी सरिया व्यापारी राजकुमार जैन (50) पुत्र ज्योति प्रसाद, लीला विहार कॉलोनी निवासी उनके भतीजे तेल व्यवसायी विजय (45) पुत्र कैलाश चंद्र और विजय के बेटे आदी (15) की मौत हो गई। कार का अगला हिस्सा ट्रक में फंसा पचगांव चौकी प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया- शाम करीब 5 बजे धौलपुर-भरतपुर राजमार्ग पर भागीरथपुरा मोड़ के पास हुए हादसा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां कार का अगला हिस्सा ट्रक में फंसा हुआ था। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार को ट्रक से अलग किया। इसके बाद कार में फंसे तीनों लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सरिया व्यवसायी थे राजकुमार जैन राजकुमार जैन सरिया व्यवसायी थे। वे हर महीने जयपुर के पदमपुर में श्रीजी का अभिषेक करने जाते थे। मंगलवार सुबह राजकुमार अपने भतीजे विजय जैन और विजय के बेटे आदी के साथ पदमपुरा गए थे। लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गए। राजकुमार जैन के भतीजे विजय जैन धौलपुर में तेल व्यवसायी थे। विजय जैन के 2 बेटे थे।

बाल्टी में मिले 46 लाख रुपए,कैश वैन से लूटे थे:कंपनी का कैशियर ही निकला था मास्टरमाइंड

प्रात : किरण संवाददाता

बीकानेर में कैश वैन से लूटे गए 51 लाख में 46 लाख रुपए बाल्टी में डालकर झाड़ियों में छुपाए थे। पुलिस को बाल्टी में 500 और 100 रुपए के नए नोटों की गड्डियां मिली। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मंगलवार सुबह ये रुपए बरामद कर लिए। मामला पांचू थाना क्षेत्र का है। डीएसपी जरनैल सिंह ने बताया- 5 अगस्त को कैश वैन से 51 लाख रुपए की लूट की वारदात हुई थी। मामले में पुलिस ने सोमवार को वैन के कस्टोडियन (कैशियर) विक्रम सिंह (23) निवासी चरकड़ा, नोखा और श्यामसुंदर (20) निवासी स्वरूपसर, पांचू को गिरफ्तार किया था। इनके दो साथी अशोक निवासी दावा, नोखा और मनीष निवासी देवगांव, नागौर फरार है। 46 लाख रुपए अशोक के गांव दावा की रोही से बरामद किए। डीएसपी ने बताया- मनीष और श्यामसुंदर ने नागौर के एक ही कॉलेज से आईटीआई की थी। विक्रम सिंह भी इन्हीं के साथ रहता था। एक अन्य साथी अशोक के साथ मिलकर इन्होंने 4 अगस्त को नोखा के डूडी स्टेडियम में लूट की साजिश रची। कैशियर विक्रम ने अपने साथियों को कह दिया था कि आते ही पिस्तौल दिखा देना, उसके बाद मैं वैन का दरवाजा खोल दूंगा। सीनियर होने का फायदा उठाया 5 अगस्त को रइक से 51 लाख रुपए लेने के बाद विक्रम ने सीनियर होने का फायदा उठाकर गाड़ी में सवार साथी कैशियर, गार्ड और ड्राइवर को विश्वास में ले लिया। उसने कहा- पहले सारुंडा के एटीएम में पैसे डाल आते हैं, बाद में नोखा के एटीएम में पैसे डाल देंगे। इसके बाद विक्रम ने अपने साथियों को फोन से मैसेज भी कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

गोल्डन हरसोली ने 67 रन से मैच जीता

गाजियाबाद। गिरिराज क्रिकेट मैदान पर चल रहे गिरिराज टूनार्मेंट में मंगलवार को गोल्डन हरसोली और गाजियाबाद रॉयल्स के बीच मैच हुआ। इसमें गोल्डन हरसोली ने 67 रन से जीत हासिल की। टॉस जीतकर गोल्डन हरसोली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाए। प्रांशु बालियान ने 103 और वैभव सिंह ने 73 रन की पारी खेली। विरोधी टीम से तरुण गुप्ता ने दो विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी गाजियाबाद रॉयल्स की टीम 14.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 158 रन ही बना पाई। खदीम ने 50 और धीरज ने 41 रन का योगदान दिया। प्रांशु बालियान को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

सैलून से नगदी और मोबाइल चोरी

नोएडा। सेक्टर-18 स्थित नामी सैलून से बदमाश एक लाख 18 हजार रुपये और दो मोबाइल चोरी कर ले गए। दुकान बंद होने के बाद रात में वारदात को अंजाम दिया गया। सैलून की मालकिन की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से कुछ नगदी बरामद हुई। ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी शैली शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-18 स्थित एक सैलून की मालकिन हैं और उनके पति चिकित्सक हैं। इसी माह की आठ तारीख को रात दस बजे के करीब शैली सैलून को लॉक करके घर चली गईं। अगले दिन जब वह सुबह आईं तो दरवाजे का लॉक टूटा मिला। अंतर जाकर पता चला कि कैश काउंटर से नगदी और मोबाइल गायब हैं। इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सैलून के आसपास लगी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। यहां से आरोपी के बारे में अहम सुराग मिल गया। आरोपी साजन को मंगलवार को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। वह हाथरस का रहने वाला है और वर्तमान में बहलोलपुर गांव में रह रहा है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक चाकू भी बरामद किया है। 22 वर्षीय आरोपी ने चोरी के मोबाइल को राहगीरों को बेच दिया और इससे मिले रुपये से मौज मस्ती की।

खुले में नहाने का विरोध करने पर पीटा

नोएडा। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र स्थित सफाबाद गांव में खुले में नहाने का विरोध करने पर तीन लोगों ने दंपति पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। थाने में दी शिकायत में मुक्ता बीबी ने बताया कि वह मूलरूप से पश्चिम बंगाल के कूच विहार की हैं और वर्तमान में सफाबाद गांव में परिवार संग रहकर मजदूरी करती हैं। सोमवार को मुक्ता बीबी जब अपने घर पर खाना बना रही थीं, तभी सामने फरमान, फैजान और उसके साथी नहाने लगे। शिकायतकर्ता महिला ने इसका विरोध किया और बाथरूम में जाकर नहाने की बात कही। इतनी सी बात पर नाराज होकर तीनों ने महिला और उसके पति पर हमला कर दिया। लोहे की रॉड से हमला करने के कारण महिला के पति को गंभीर चोट आई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दंपती को आरोपियों के चंगुल से बचाया। जाते-जाते आरोपियों ने पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस नामजद आरोपियों और उसके साथी को जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

हत्या के मामले में किशोर न्याय बोर्ड का आदेश किया रद्द, नाबालिग को जमानत

ग्रेटर नोएडा। नहर में डूबकर हुई एक युवक की मौत मामले में आरोपी नाबालिग को द चिल्ड्रेन्स कोर्ट/विशेष न्यायाधीश की अदालत ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। मामला थाना कासना क्षेत्र का है। घटना के संबंध में आरोपी के अधिवक्ता ने बताया कि मृतक और सह-आरोपी जमालपुर पुल स्थित खरेली गंगा नहर में नहाने गए थे। शराब के नशे में मृतक ने नहर में छलांग लगा दी, जबकि साथियों ने उसे रोकने का प्रयास किया था। इसके बाद परिवार और पुलिस को सूचना दी गई और गोताखोरों की मदद से 10 मार्च 2025 को शव बरामद किया गया था। नाबालिग 10 नवंबर 2025 से किशोर सुधार गृह में बंद है और उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। इसके अलावा मामले के अन्य सह-आरोपी लखन शर्मा, दीपक कुमार और आकाश उर्फ तमंचा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है। वहीं अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद किशोर न्याय बोर्ड के आदेश को साक्ष्यों से असमर्थित मानते हुए अपील स्वीकार कर ली।

डॉल्फिन क्रिकेट अकादमी एक विकेट से विजयी

ग्रेटर नोएडा। आरसीसी क्रिकेट ग्राउंड पर चल रही 40 ओवर की क्रिकेट लीग में डॉल्फिन क्रिकेट अकादमी नोएडा ने चैंपियंस एक्स-1 को एक विकेट से हरा दिया। मुकाबले में डॉल्फिन की टीम ने 178 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। टॉस जीतकर चैंपियंस एक्स-1 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 31.4 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 177 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डॉल्फिन क्रिकेट अकादमी नोएडा की टीम ने 34.1 ओवर में नौ विकेट खोकर 178 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। डॉल्फिन की जीत में बल्लेबाज ऐश की पारी अहम रही। उन्होंने 90 गेंदों पर 67 रन बनाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस शानदार पारी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

कार ने महिला को मारी टक्कर, प्राथमिकी दर्ज

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-143 के पास सड़क पार कर रही महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। पीड़ित के पति देवेंद्र की तहरीर पर सेक्टर-142 कोतवाली पुलिस ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। देवेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 जुलाई की सुबह उनकी पत्नी साविता सेक्टर-143 के पास पैदल जा रही थीं। इसी दौरान हरियाणा नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार ने उसे टक्कर मार दी। इलाज के लिए एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में महिला को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में शिवरात्रि पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, 2500 पुलिसकर्मी और 30 ड्रोन से निगरानी

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। सावन की शिवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलवार की सुबह से ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी देखने को मिलीं। इस दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयकारों से लगातार गूंजता रहा। कांवड़िये डीजे पर बज रहे भजनों की धुन पर नाचते-गाते हुए और ह्यबम-बम भोलेह्ल के जयकारे लगाते हुए मंदिरों तक पहुंचे। कांवड़ियों के साथ उनके परिवार के सदस्य और गांव-समाज के लोग भी भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों में पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की भारी आवाजाही को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए करीब 2500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। शहर के प्रमुख मंदिरों के साथ-साथ कांवड़ मार्गों पर भी अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सड़कों पर यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए यातायात विभाग को विशेष रूप से अलर्ट पर रखा गया। विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान नोएडा के सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-44 स्थित छलेरा शिव मंदिर, सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर और सेक्टर-20 स्थित श्री हनुमान मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। इसके अलावा सेक्टर-40 स्थित शक्ति धाम मंदिर, सेक्टर-27 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-48 स्थित शिव मंदिर और सेक्टर-78 स्थित अंतरिक्ष गोल्फ व्यू-प्रथम मंदिर समेत विभिन्न शिवालयों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इन सभी स्थानों पर रुद्राभिषेक, हवन और महाआरती संपन्न हुई। सेक्टर-44 स्थित छलेरा शिव मंदिर में उमड़ी भीड़ को संभालने के लिए आठ से दस स्वयंसेवक तैनात किए गए। मंदिर परिसर के भीतर आठ सीसीटीवी कैमरों के जरिए स्थिति पर निगरानी रखी गई। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर खुलने का समय भी बढ़ाकर दोपहर डेढ़ से दो बजे तक कर दिया गया। उधर सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार और मंदिर परिसर के अंदर महिला तथा पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई।

नोएडा में ई-रिक्शा की बैटरी चुराने वाले गिरोह के 4 शातिर गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। शहर में ई-रिक्शा से बैटरी चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। फेस-1 थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के चार सदस्यों को धर दबोचा है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 13 स्मार्ट लिथियम बैटरी, 414 लिथियम बैटरी सेल और 11,800 रुपये नकद बरामद किए हैं। यह गिरोह दिल्ली और आसपास के पूरे इलाके में चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। फेस-1 के थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने इस कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और निगरानी रख रही थी। चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए लोकल इंटेलिजेंस का सहारा लिया गया। इसके साथ ही पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद भी ली। सटीक सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने सेक्टर-14 और सेक्टर-15 के बीच बने पुल के पास घेराबंदी की और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पूरी तरह से स्पष्ट हो चुकी है। इनमें 21 साल का कासिम उर्फ लक्की, 29 साल का रहीश उल्ला, 28 साल का शाहनवाज और 23 साल का रिजवान शामिल हैं। पुलिस ने इन चारों आरोपियों के खिलाफ फेस-1 थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सुनसान जगहों पर खड़े ई-रिक्शा को बनाते थे निशाना पुलिस की पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने चोरी करने के अपने पूरे तरीके का खुलासा किया है। आरोपियों ने बताया कि वे दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में घूमते थे। वे सबसे पहले ऐसे ई-रिक्शा की रेकी करते थे, जो सुनसान स्थानों पर खड़े होते थे।

नोएडा के पीजी में रहने वाली असम की युवती की चाकू से गोदकर हत्या, पड़ोसी के बंद कमरे में मिला शव

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बरौला गांव में एक पीजी में रहने वाली असम की 18 साल की युवती की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई है। युवती का लहूलुहान शव पड़ोस में रहने वाले एक युवक के बंद कमरे से बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि युवती पिछले दो दिनों से लापता थी। जब युवक के कमरे से तेज बदबू आने लगी, तब जाकर पीजी संचालक ने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ताला तोड़ा और शव बरामद किया। पुलिस ने इस मामले में हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश तेजी से शुरू कर दी है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक राम प्रकाश शर्मा के अनुसार, मृतका की पहचान 18 वर्षीय महक अहमद के रूप में हुई है। महक अहमद मूल रूप से असम के डिब्रूगढ़ की रहने वाली थी। वह बरौला गांव में सार्थक बंसल नाम के व्यक्ति के पीजी में रह रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वह अपनी सहेली संजना के साथ दिल्ली में नौकरी करने और अपना करियर बनाने के लिए आई थी। पुलिस के मुताबिक, पीजी के पड़ोस में रहने वाले कटिहार, बिहार निवासी अब्दुल रहमान से महक अहमद की बातचीत होती थी। बीते 8 अगस्त की रात को वह पड़ोस में रहने वाले अब्दुल रहमान के कमरे में गई थी। इसके बाद वह वापस अपने पीजी नहीं लौटी। दो दिन तक महक अहमद के वापस नहीं लौटने पर उसकी सहेली संजना ने उसकी तलाश शुरू की।

कांवड़ यात्रा को लेकर स्थायी ट्रैफिक प्लान की जरूरत

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा के दौरान लगे भीषण जाम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब महीनों पहले पता होता है कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ मार्ग और एनएच-नौ पर यातायात का दबाव कई गुना बढ़ेगा तो ट्रैफिक व्यवस्था सिर्फ डायवर्जन और पुलिसकर्मियों की तैनाती तक सीमित क्यों रह जाती है। सोमवार को एनएच-नौ पर करीब 19 किलोमीटर तक वाहनों की कतार लगने और लोगों को मिनटों का सफर घंटों में तय करना बदइंतजामी का नतीजा है। पुलिस के पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक सवाल यह है कि जब डीएमई बंद होने की तारीख और कांवड़ियों की संभावित भीड़ पहले से मालूम थी तो एनएच-नौ पर आने वाले अतिरिक्त यातायात का क्षमता के हिसाब से प्रबंधन क्यों नहीं किया गया। डीएमई बंद होने से उसका ट्रैफिक स्वाभाविक रूप से एनएच-नौ और दूसरे मार्गों पर आना था। ऐसे में केवल एनएच-नौ से जाने की अपील करना पर्याप्त नहीं था। वाहनों को पहले से कई वैकल्पिक मार्गों में बांटने, चरणबद्ध डायवर्जन लागू करने और प्रमुख चौराहों पर होल्डिंग व्यवस्था की जरूरत थी। पिछले अनुभवों का डेटा आधारित विश्लेषण जरूरी 2025 में भी कांवड़ यात्रा के लिए 11 जुलाई की रात से भारी वाहनों का डायवर्जन लागू किया गया था। 19 से 23 जुलाई तक डीएमई बंद रखने की योजना बनाई गई थी। उस समय भारी वाहनों को एनएच-नौ, डासना और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की ओर डायवर्ट करने की व्यवस्था थी। इस बार 29 जुलाई से 12 अगस्त तक विशेष डायवर्जन व्यवस्था लागू की गई। इसके बावजूद डीएमई बंद होने के बाद एनएच-नौ पर लंबा जाम लगना बताता है कि पिछले अनुभवों का डेटा आधारित विश्लेषण और पोस्ट-इवेंट ऑडिट कितना प्रभावी रहा, इसकी समीक्षा जरूरी है। महाकुंभ में सीख ट्रैफिक विशेषज्ञों के मुताबिक प्रयागराज महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही के बावजूद केवल मुख्य मार्ग बंद कर यातायात नियंत्रित नहीं किया गया था। सात प्रमुख मार्गों पर 102 पार्किंग स्थल बनाए गए। बड़े और छोटे वाहनों के लिए अलग पार्किंग व रूट निर्धारित किए गए और श्रद्धालुओं को शटल बसों व पैदल मार्ग से मेला क्षेत्र तक पहुंचाया गया। इसी मॉडल से गाजियाबाद में भी कांवड़ यात्रा के दौरान मुख्य मार्ग, सामान्य यातायात और आपात सेवाओं के लिए अलग कॉरिडोर विकसित किए जा सकते हैं। एनएच-नौ पर दबाव बढ़ने से पहले लालकुआं, डासना, क्रॉसिंग रिपब्लिक और दिल्ली सीमा की ओर यातायात को चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग मार्गों पर भेजा जा सकता है।

सुपरवाइजर की हत्या करने वाला गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। ट्रोनिका सिटी पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र स्थित गारमेंट फैक्टरी में सुपरवाइजर की कैंची से हत्या करने वाले सहकर्मी को गिरफ्तार किया है। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की पुष्पा गार्डन कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय अनवेश सुपरवाइजर के पद पर तैनात थे। उनके साथ भाई राजेश भी फैक्टरी में नौकरी करते थे। सोमवार को फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारी सर्वेश निवासी गांव बरौली एटा ने प्रथम तल पर सो रहे अनवेश पर कैंची से वार कर हत्या कर दी थी। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी रामकिशन ने बताया कि सोमवार देर रात आरोपी सर्वेश को गिरफ्तार किया है। वो पिछले चार वर्ष से फैक्टरी में नौकरी कर रहा था। आरोपी ने बताया कि फैक्टरी मालिक सुपरवाइजर को बहुत मानता था। दिसंबर 2025 में साफ-सफाई के लिए एक महिला कर्मचारी नौकरी पर आई थी। जब भी वह उस महिला कर्मचारी से बात करता था तो अनवेश उनके सामने ही उसकी बेइज्जती कर देता था। काम करने के लिए सभी के सामने डांटता था। इन्हीं सब बातों से नाराज होकर उसने सुपरवाइजर की हत्या कर दी। आरोपी ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद कैंची को भगत सिंह गेट के पास झाड़ियों में छिपा दिया था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर कैंची बरामद कर जह है।

घरेलु सहायिकाओं को सुविधाएं दिलाएगी कामगार समिति

गाजियाबाद। घरेलू कामगार समिति घरों में काम करने वाली सहायिकाओं को उनके अधिकार दिलाकर शोषण से बचाएगी। मंगलवार को आयोजित समिति के बैठक में सहायिकाओं की समस्याओं और उनके समाधान के साथ-साथ न्यूनतम वेतन 17 हजार प्रतिमाह दिलाने की आवाज बुलंद की। बैठक में सहायिकाओं ने भी हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं पर बात की। घरेलू कामगार समिति की अध्यक्ष मोनिका कश्यप ने सभी को हम एक हैं का नारा देकर संगठित होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि घरेलू कामगार समिति को पंजीकृत कराया गया है। जिले में घरों में काम करने वाली सहायिकाओं को समिति से जोड़ा जाएगा और सभी का पुलिस सत्यापन कराते हुए पहचान पत्र दिया जाएगा। समिति की मुख्य सलाहकार प्रो. नीलम पंवार ने कहा कि समिति सहायिकाओं के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य कैंप लगाने, बैंक खाता खुलवाने, जीवन बीमा आदि का लाभ दिलाने का प्रयास करेगी। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के अध्यक्ष और समिति के मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त कर्नल टीपी त्यागी ने कहा कि आठ घंटे की ड्यूटी के लिए सहायिकाओं को कम से कम 17 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। साथ ही घरों में होने वाले शोषण से उन्हें बचाया जाएगा। वहीं, समिति की कोषाध्यक्ष कोमल कश्यप ने कहा कि समिति बेरोजगार महिलाओं को भी काम दिलवाने में मदद करेगी। इस मौके पर ज्ञान सिंह, गणेश दत्त, मोनिका गोयल, मंजू घई, पूनम गांधी, पुष्कर बिष्ट, रजनीकांत, स्वाति बंसल ने कहा की विकसित भारत 2047 का सपना तभी पूरा होगा जब भारत के शोषित वर्गों के विकास की और पूरा ध्यान दिया।

तांबा और लोहा चुराने वाले दो चोर गिरफ्तार

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने मंगलवार को यूपीसीडा के प्लांट से तांबा और लोहा चुराने वाले दो चोरों नईम और मोहिन को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 35 किलो तांबे का तार, दिल्ली से चुराई गई बाइक और तार कटर बरामद हुआ है। पुलिस इनके तीन फरार साथियों की तलाश में जुटी है। यूपीसीडा के नवादा गांव के पास बंद बिजली के प्लांट से चोरों ने कुछ दिन पूर्व मोटर से तांबे के तार और लोहे का सामान चोरी कर लिया था। प्लांट पर तैनात कर्मचारी की शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश में जुटी थी। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी रामकिशन ने बताया कि पुलिस ने सूचना पर ट्रोनिका सिटी क्षेत्र स्थित अंबे चौक से दो चारों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से कुछ दिन पूर्व दिल्ली भजनपुरा से चुराई गई बाइक, प्लांट से चुराया गया 35 किलो तांबे का तार और तार कटर बरामद हुआ है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में बेखौफ बदमाशों का तांडव

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग इलाकों में चोरों और झपटमारों का आतंक देखने को मिला है। बदमाशों ने बेखौफ होकर कुल छह अलग-अलग वारदातों को अंजाम दिया है। इन घटनाओं में लाखों रुपये की नकदी, मोबाइल फोन, लैपटॉप और गाड़ियां पार कर ली गईं। संबंधित थानों की पुलिस ने सभी मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। कैलाश इंस्टीट्यूट के पास छात्र से मोबाइल छीनकर भागे बदमाश पहली घटना नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र की है। यहां कैलाश इंस्टीट्यूट के पास मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने एक छात्र से मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित का नाम प्रतीक सिंह है। वह मूल रूप से मथुरा के रहने वाले हैं और यहां एक डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। जिस समय यह घटना हुई, प्रतीक सिंह रास्ते से गुजर रहे थे। उन्होंने मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन आरोपी भागने में सफल रहे। इस संबंध में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में ही चोरी की एक और वारदात सामने आई है। यहां सेक्टर-150 स्थित एटीएस सोसाइटी में काम करने वाले सेवक राम की मोटरसाइकिल गायब हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेवक राम सोसाइटी में अपना काम करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक सोसाइटी की पार्किंग में खड़ी की थी। जब वह अपना काम पूरा करके वापस लौटे तो पार्किंग से बाइक गायब मिली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

नामांकन में ढिलाई पर नपेंगे शिक्षक

प्रात: किरण संवाददाता

यमुना सिटी। बेसिक शिक्षा विभाग में नामांकन का लक्ष्य पूरा न करने वाले शिक्षकों पर अब विभागीय कार्रवाई का खतरा मंडराने लगा है। जुलाई बीतने के बाद अब विभाग सभी स्कूलों के नामांकन का रिकॉर्ड तैयार कर रहा है और जिन विद्यालयों में नामांकन का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है, उनके शिक्षकों को नोटिस जारी कर उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। जवाब संतोष जनक न होने पर उनके खिलाफ और कठोर कार्रवाई की जाएगी। परिषदीय विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ाने और पढ़ाई से वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए हर साल विभाग में नामांकन बढ़ाने का लक्ष्य दिया जाता है। इस साल सभी विद्यालयों को 11 प्रतिशत का लक्ष्य मिला था। ज्यादातर विद्यालयों ने इस लक्ष्य को समय से पूरा किया था, लेकिन काफी विद्यालय इसे पूरा नहीं कर पाए हैं। अब इनसे जवाब तलब करने की तैयारी शुरू हो गई है। सभी हेडमास्टर और शिक्षकों को नोटिस जारी किए जाएंगे। वहीं, जिन शिक्षकों की लापरवाही इसमें सामने आएगी, उनका वेतन रोकने की कार्रवाई भी की जा सकती है। ब्लॉक स्तर पर इसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। शिक्षकों को नामांकन बढ़ाने के लिए 31 अगस्त तक का मौका दिया गया है। इस महीने में शिक्षकों को नामांकन का लक्ष्य पूरा करना होगा। बीएसए राहुल पंवार ने बताया कि सभी शिक्षक नामांकन बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। अगर किसी ने लापरवाही की तो उसके खिलाफ विभागीय प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी।

लोग डाकघरों से भी तिरंगा खरीद सकेंगे

गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहरवासियों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए अब बाजारों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। डाक विभाग की ओर से मुख्य प्रधान डाकघर समेत शहर के अन्य डाकघरों में राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराया गया है। लोग अपनी सुविधा के अनुसार डाकघर पहुंचकर तिरंगा खरीद सकेंगे और स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में लगा सकेंगे। स्वतंत्रता दिवस को लेकर हर वर्ष लोगों में घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा लगाने को लेकर उत्साह रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग की ओर से डाकघरों में तिरंगे उपलब्ध कराए गए हैं। वरिष्ठ अधीक्षक डाकघर गाजियाबाद मंडल विशाल कुमार पाठक ने बताया कि मुख्य प्रधान डाकघर के साथ ही अन्य प्रमुख डाकघरों में भी राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री की व्यवस्था की गई है। इससे लोगों को तिरंगा खरीदने के लिए अलग-अलग दुकानों पर जाने की जरूरत नहीं होगी। लोगों को एक ही स्थान पर डाक संबंधी सेवाओं के साथ राष्ट्रीय ध्वज खरीदने की सुविधा होगी।

डराकर व मुनाफे का लालच देकर तीन लोगों से ठग लिए 20 लाख

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। साइबर ठगों ने तीन लोगों को अलग-अलग तरीकों से झांसा देकर करीब 20.50 लाख रुपये की ठगी की है। अपराधियों ने दुष्कर्म के मामले, शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफा और ऑनलाइन नियंत्रण का डर दिखाकर पीड़ितों को निशाना बनाया। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तीनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीसीपी साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि शिकायत के आधार पर तीनों प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। बेटे को बचाने के नाम पर 5.20 लाख रुपये ठगे : सेक्टर-49 के बरौला निवासी 62 वर्षीय राजवीर सिंह के पास अज्ञात नंबरों से फोन आए। आरोपियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर धमकी दी और कहा, उनके बेटे को दुष्कर्म के मामले में पकड़ा गया है। बेटे को मामले से बचाने का दबाव बनाकर ठगों ने अलग-अलग खातों में 5.20 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। शेयर बाजार के नाम पर 8.48 लाख की चपत : सलारपुर निवासी सुभाष चंद्र यादव की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिये करन सिंह और आलोक नाम के व्यक्तियों से हुई। आरोपियों ने एक ट्रेडिंग ऐप के माध्यम से शेयर मार्केट और आईपीओ में निवेश का झांसा दिया। पीड़ित ने किस्तों में कुल 8.48 लाख रुपये जमा कर दिए। इसके बाद आरोपियों ने ऐप बंद कर दिया और संपर्क तोड़ लिया। डिजिटल अरेस्ट कर ठगी : होशियारपुर निवासी सुरेश कुमार गुप्ता को ठगों ने फोन कर खुद को पुलिस अधिकारी बताकर झांसे में लिया। बैंक और यूपीआई की गोपनीय जानकारी हासिल करने के बाद उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया। इसके बाद उनके बैंक खाते से कुल 6.79 लाख रुपये एक दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिए गए।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग घटनाओं में नवविवाहिता समेत चार लोगों की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-108 स्थित डिवाइन मिडोज सोसायटी में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहाँ एक माह पहले हुई थी शादी, जिसके बाद 16वीं मंजिल से कूदकर नवविवाहिता ने जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-39 पुलिस और फोरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह की मौजूदगी में मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेक्टर-39 थाना प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि कामिनी कुमारी पत्नी मंथन धीमान डिवाइन मिडोज सोसायटी में रहती थीं। सोमवार के दिन उन्होंने फ्लैट की 16वीं मंजिल से नीचे कूदकर अपनी जान दे दी। इस मामले में मृतका के भाई शिव कुमार ने सेक्टर-39 थाने में पति के खिलाफ दहेज हत्या का एक मुकदमा दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि शादी के समय से ही मंथन धीमान लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे थे और उनकी बहन का उत्पीड़न करते थे। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आगे की जांच शुरू कर दी है। कुलेसरा में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुलेसरा कॉलोनी में सोमवार शाम एक अन्य नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला अपने घर के अंदर मृत अवस्था में पाई गई। घटना के दौरान मौत का कोई भी कारण स्पष्ट नहीं हो पाया, जिसके चलते पुलिस ने तुरंत शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी उमेश नैथानी के अनुसार, सपना पोद्दार (30) पत्नी विशन पोद्दार कुलेसरा कॉलोनी में रहती थीं। उनकी शादी को अभी करीब एक वर्ष ही हुआ था। सोमवार शाम वह अपने घर में मृत पाई गईं। सूचना मिलने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और स्थिति की जांच की। मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने के कारण अपर पुलिस उपायुक्त की उपस्थिति में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मृतका के सभी परिजनों को इस घटना की सूचना दे दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। परिजनों की ओर से आधिकारिक शिकायत मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कबाड़ी गोदाम में नेपाली श्रमिक की मौत ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-1 थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र में एक कबाड़ी के गोदाम के भीतर काम कर रहे एक नेपाली श्रमिक के सिर पर अचानक से कोई भारी वस्तु आ गिरी। इस भयंकर हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए श्रमिक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। थाना प्रभारी अरविंद कुमार वर्मा के अनुसार, डगरू मुराद पुत्र संत राम मुराद (25) मूलरूप से नेपाल देश के रहने वाले थे और औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कबाड़ी के एक गोदाम में काम करते थे। सोमवार को काम करने के दौरान उनके सिर के ऊपर अचानक से कोई भारी वस्तु आ गिरी।

हरिद्वार से कांवड़ लाने वाली मुस्लिम महिलाओं ने किया रुद्राभिषेक-हवन, तमन्ना मलिक बनीं गायत्री त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। हरिद्वार से कांवड़ लेकर गाजियाबाद पहुंची तीन मुस्लिम महिलाओं ने मंगलवार को डासना स्थित शिवशक्ति धाम में रुद्राभिषेक और हवन-यज्ञ किया। इस दौरान इनमें शामिल तमन्ना मलिक ने अपना नाम बदलकर गायत्री त्यागी रखने की घोषणा की। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी और अन्य संतों ने महिलाओं का स्वागत किया। शिवशक्ति धाम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, तीनों महिलाएं हरिद्वार से कांवड़ लेकर डासना पहुंची थीं। मंगलवार को उन्होंने मंदिर परिसर में हवन-यज्ञ और रुद्राभिषेक किया। कार्यक्रम में उन्हें सनातन परंपरा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान कराया गया। प्रेस नोट में दावा किया गया है कि तीनों महिलाओं ने इस दौरान बुर्का और इस्लाम छोड़ने का निर्णय लिया। हालांकि, महिलाओं के धर्म परिवर्तन किए जाने की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कार्यक्रम में शामिल तमन्ना मलिक ने अपना नाम अब गायत्री त्यागी रखने की बात कही है। यति नरसिंहानंद ने इस घटना को इस्लाम छोड़ने वाले लोगों के व्यापक दावे से भी जोड़ा। उन्होंने दावा किया कि दुनिया में बड़ी संख्या में मुस्लिम इस्लाम छोड़ चुके हैं, लेकिन डर के कारण सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार नहीं करते। नाम बदलने वाली महिला ने कहा, सनातन धर्म बहुत अच्छा है। हमारा बहुत सम्मान किया गया है। इस पर यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा, सम्मान हमने तुम्हारा नहीं किया, बल्कि उस साहस को किया है। आप कांवड़ लेकर आईं, इसका मतलब आपने दुश्मनी ले ली, अब वो आपका कत्ल कर देंगे। ये उनका आदिम सिद्धांत है। अब से आप हमेशा के लिए बुर्का को छोड़ दो। ये नारी की गुलामी का प्रतीक है। ये सनातन धर्म की बेसिक अवधारणा का विरोधी है।

टोरंटो मास्टर्स में इगा स्वियातेक का शानदार प्रदर्शन, श्नाइडर को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोरंटो (एजेंसी)। इगा स्वियातेक ने टोरंटो मास्टर्स में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 और छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक ने रूस की डायना श्नाइडर को महज 64 मिनट में 6-2, 6-1 से हराकर अंतिम चार का टिकट कटाया। इस जीत के साथ स्वियातेक इस साल दूसरी बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

64 मिनट में स्वियातेक का दबदबा – स्वियातेक ने मुकाबले की शुरुआत से ही श्नाइडर पर दबाव बनाए रखा। पहले सेट में उन्होंने दो बार विपक्षी की सर्विस तोड़ी और 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस बचाते हुए पहला सेट 31 मिनट में 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी स्वियातेक ने श्नाइडर को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने 2-1 की बढ़त के बाद फिर सर्विस ब्रेक किया और 4-1 से आगे हो गईं। एक और ब्रेक के साथ उन्होंने मुकाबला 6-1 से खत्म कर दिया।

स्वियातेक ने मैच के दौरान अपनी पहली सर्विस पर सिर्फ तीन अंक गंवाए। जीत के बाद उन्होंने कहा, शुरुआत से ही मैं आक्रामक खेलना चाहती थी। मुझे लगा कि मैं दबदबा बना सकती हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने खेल से काफी खुश थी। हवा की वजह से यह थोड़ा मुश्किल मुकाबला था। मुझे परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालना था और मैं बस थोड़ा ज्यादा मजबूत और स्थिर रहना चाहती थी।

स्वितोलिना ने की जबरदस्त वापसी

दूसरी ओर, एलिना स्वितोलिना को सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। यूक्रेन की नौवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 3-6, 6-0, 6-3 से हराया। पहले सेट में अलेक्जेंड्रोवा ने कड़ी टक्कर दी और 6-3 से सेट अपने नाम कर लिया। इसके बाद स्वितोलिना ने लगातार आठ गेम जीतते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने दूसरे सेट में अलेक्जेंड्रोवा को 6-0 से हराया और तीसरे सेट में भी 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। तीसरे सेट में अलेक्जेंड्रोवा ने वापसी की कोशिश की। स्वितोलिना जब 5-3 पर मैच के लिए सर्व कर रही थीं, तब डबल फॉल्ट ने उनकी मुश्किल बढ़ा दी। लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की, सर्विस ब्रेक किया और शानदार रिटर्न विनर के साथ मुकाबला खत्म कर दिया। स्वितोलिना ने जीत के बाद कहा, मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं, खासकर अपने लड़ने के जज्बे से। पहले सेट में वह बहुत अच्छा खेल रही थीं, इसलिए मुझे खुद को पूरी तरह फाइटिंग मोड में लाना पड़ा।

इस साल स्वितोलिना से दो बार हारी हैं स्वियातेक

स्वियातेक और स्वितोलिना के बीच अब तक सात मुकाबले हुए हैं, जिसमें पोलैंड की स्टार खिलाड़ी ने चार और यूक्रेनी खिलाड़ी ने तीन मैच जीते हैं। हालांकि, इस साल दोनों के बीच हुए दोनों मुकाबले स्वितोलिना के पक्ष में गए हैं। आगामी सेमीफाइनल से पहले स्वितोलिना ने कहा, मैं इगा के खेल के हिसाब से खुद को थोड़ा तैयार करने के लिए अपनी टीम के साथ बात करूंगी। वह निश्चित तौर पर एक महान चैंपियन हैं। वह इस टूर्नामेंट में बहुत अच्छा खेल रही हैं और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

चोटों और हाल की टेस्ट हार के बीच भारत के सामने श्रीलंका की कड़ी परीक्षा

कोलंबो (एजेंसी)। 9 साल बाद टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका में भारत की वापसी गहराई और लचीलेपन की परीक्षा बन गई है, क्योंकि मेहमान टीम चोटों की समस्या और रेड-बॉल क्रिकेट में एक चिंताजनक ट्रेंड को बदलने के दबाव का सामना कर रही है। दो टेस्ट की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी, जिसमें भारत अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना खेलेगा और अब टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज साई सुदर्शन भी नहीं खेलेंगे, जो पैर की अंगुली में स्ट्रेस फैक्चर के कारण बाहर हो गए हैं।

सुदर्शन की जगह सरफराज खान को टीम में शामिल किया गया है। हाल की हार ने भारत को पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही अपनी बेंच स्ट्रेंथ पर गहराई से विचार करने पर मजबूर कर दिया है। जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी को भी बुमराह की गैरमौजूदगी में अपना पहला टेस्ट कॉल-अप मिला है। कप्तान शुभमन गिल ने ट्रेनिंग के दौरान उंगली में चोट लगने और उसके बाद वार्म-अप गेम से बाहर रहने के बाद भारत की चिंताएं बढ़ा दी थीं। इसलिए, शुरुआती टेस्ट के लिए उनकी अवेलेबिलिटी भारत के फाइनल कॉम्बिनेशन में एक जरूरी फैक्टर बनी रहेगी।

स्क्वाड को लेकर अनिश्चितता के बावजूद

भारत श्रीलंका में एक जबरदस्त रिकॉर्ड के साथ सीरीज में उतर रहा है। उन्होंने 2008 से उस आइलैंड पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है और 2015 और 2017 में अपनी पिछली दो सीरीज जीती हैं। लेकिन सिर्फ इतिहास भारत की हाल की मुश्किलों को छिपा नहीं सकता। भारत को 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से होम सीरीज में हार का सामना करना पड़ा, जो 12 सालों में उनकी पहली होम टेस्ट सीरीज हार थी। इसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया में 1-3 से हारे, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें अपने होम ग्राउंड पर 2-0 से हराया, जो 25 सालों में प्रोटियाज के खिलाफ उनकी पहली होम टेस्ट सीरीज हार थी।

हारों के इस सिलसिले ने कोच गौतम गंभीर और गिल के अंडर नई टेस्ट लीडरशिप पर ज्यादा फोकस किया है, और श्रीलंका टूर ने कॉन्फिडेंस वापस पाने का तुरंत मौका दिया है। फिर भी भारत ने अपनी तैयारी से अच्छे संकेत देखे हैं। टूर गेम में देवदत्त पडिक्कल के शतक ने बैटिंग लाइनअप में उनकी जगह पक्की कर दी है, जबकि टीम मैनेजमेंट ने श्रीलंका के स्पिन-हैवी कंडीशंस के लिए अपने बैट्समैन को तैयार करने पर काफी ध्यान दिया है।

गॉल टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों के लिए खास तौर पर कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है, क्योंकि मेहमान टीम अपनी आखिरी तैयारियों में स्पिन के खिलाफ काफी मेहनत कर रही है। श्रीलंका के स्पिनरों के लंबे स्पेल से निपटने की काबिलियत अहम साबित हो सकती है। भारत को तेज गेंदबाजी डिपार्टमेंट में बुमराह की कमी भी पूरी करनी होगी और अपने बॉलिंग अटैक में एक्सपीरियंस और यूथ के बीच सही बैलेंस बनाना होगा।

श्रीलंका के लिए यह सीरीज भारत के कमजोर अटैक का फायदा उठाने और एक ऐसी टीम को चुनौती देने का मौका देती है जो अभी भी कंसिस्टेंसी की तलाश में है। होस्ट टीम को भी चोट की चिंता है, जिससे भारत के बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के मुकाबले मुकाबला उतना प्रेडिक्टेबल नहीं होगा। गिल के लिए, यह सीरीज विदेशी कंडीशंस में टेस्ट कप्तान के तौर पर उनके पहले बड़े टेस्ट में से एक है।

सीरीज जीतने से श्रीलंका में भारत का शानदार रिकॉर्ड और बढ़ेगा, जबकि खराब रिजल्ट टीम के रीबिल्डिंग प्रोसेस पर सवाल खड़े कर सकता है। भारत का इतिहास भले ही उनके पक्ष में हो, लेकिन चोटों, हाल के टेस्ट मैचों में नाकामी और अनजान कॉम्बिनेशन ने यह पक्का कर दिया है कि श्रीलंका में उनकी वापसी कोई रूटीन काम नहीं है।

भारतीय मूल की 11 साल की लड़की ब्रिटिश चेस चैंपियन

बोधन सिवानंदन ने रैपिड प्लेऑफ में खिताब जीता; 17 साल के श्रीयस रॉयल भी जीते

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला चेस चैंपियन बन गई हैं। उन्होंने आयरलैंड की त्रिशा कन्यामराला को रैपिड चेस प्लेऑफ में हराकर ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता।

बोधन के अलावा भारतीय मूल के ही 17 साल के श्रीयस रॉयल ने भी

चैंपियनशिप अपने नाम किया। श्रीयस ने नौ राउंड के बाद पॉइंट टेबल में सबसे ऊपर रहते हुए ओपन ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। 1 अगस्त को शुरु हुआ टूर्नामेंट रविवार को कोवेंट्री में खत्म हुआ।

बोधन ने लॉकडाउन में चेस खेलना शुरु किया था – बोधन ने कोविड महामारी के लॉकडाउन के दौरान पहली बार चेस खेलना शुरू किया था। उस समय उनके पिता के एक दोस्त भारत लौट रहे थे। उन्होंने उसे कुछ बैग दिए थे, जिनमें चेस बोर्ड भी था। नॉर्थ-वेस्ट लंदन की स्कूली छात्रा ने इसके बाद लगातार रिकॉर्ड बनाए। तेज फॉर्मेट में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं।

बोधन को एकमात्र हार श्रीयस से मिली – क्लासिकल फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की जीत के साथ 11 साल की बोधन ने तीनों फॉर्मेट में खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। इस चैंपियनशिप में उन्हें एकमात्र हार छठे राउंड में श्रीयस रॉयल से मिली।

श्रीयस ने पहली बार ब्रिटिश खिताब जीता

श्रीयस ने पहला ब्रिटिश खिताब जीता है। उन्हें 15 साल की उम्र में इंग्लैंड का यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर घोषित किया गया था। साउथ-ईस्ट लंदन में रहने वाले श्रीयस टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ में शामिल थे। श्रीयस का जन्म भारत के बेंगलुरु में हुआ था। तीन साल की उम्र में वह माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ ब्रिटेन चले गए थे।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल रेप के आरोप में गिरफ्तार

मेडिकल छात्रा की शिकायत पर कार्रवाई, दिल्ली कैपिटल्स से खेलते हैं

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को रेप केस में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी मंगलवार को कोलकाता में हुई। यह मामला एक मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें पोरेल पर रेप, आपराधिक धमकी और अन्य आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने जून में शिकायत दर्ज कराई थी।

23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी का आदेश दिया – मामला कलकत्ता हाईकोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने 20 जुलाई को गिरफ्तारी का आदेश दिया था। साथ ही आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने के आदेश भी दिए गए थे। अभिषेक सभी आरोपों से इनकार करते आए हैं।

महिला ने तीन साल से संबंध होने का दावा किया – शिकायत के मुताबिक, महिला ने कहा कि वह और अभिषेक पिछले तीन साल से रिश्ते में थे। पिछले साल दोनों के बीच मतभेद शुरू हुए, जिसके बाद क्रिकेटर कथित तौर पर उससे दूरी बनाने लगा। महिला ने आगे आरोप लगाया कि अभिषेक ने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन अब वह शादी के लिए तैयार नहीं है। शिकायत में उसने कहा कि अभिषेक ने शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने अभिषेक पर मारपीट और आपराधिक धमकी देने का आरोप भी लगाया है।

2023 से दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं – बाएं हाथ के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल 2023 से आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। पिछले सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए चार पारियों में 108 रन बनाए थे। अभिषेक इससे पहले इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने 2021-22 सीजन में बंगाल के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 32 फर्स्ट क्लास और 23 लिस्ट ए मैच खेले हैं।

हॉकी वर्ल्डकप में 19 अगस्त को भारत - पाकिस्तान का मुकाबला

महिला टीम का पहला मुकाबला चीन से, 15 अगस्त से टूर्नामेंट की शुरुआत

नईदिल्ली (एजेंसी)। मेंस और विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 15 अगस्त से नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेला जाएगा। 30 अगस्त तक चलने वाले 16 टीमों के टूर्नामेंट का फॉर्मेट बदला गया है। अब क्वार्टर फाइनल नहीं होंगे। भारत को पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को पाकिस्तान से मुकाबला होगा।

16 टीमें 4 ग्रुप में बंटी – वर्ल्ड कप में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन्हें चार पूल में बांटा गया है और हर पूल में चार-चार टीमें हैं।

दूसरे स्टेज में 8 टीमें जाएंगी – टूर्नामेंट के फॉर्मेट में सबसे बड़ा बदलाव क्वार्टर फाइनल को हटाना है। शुरुआती चारों पूल से टॉप-2 टीमें अगले ग्रुप स्टेज में जाएंगी। यानी कुल 8 टीमें दूसरे चरण में पहुंचेंगी। दूसरे चरण में इन टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इस तरह सीधे दूसरे ग्रुप स्टेज से सेमीफाइनल का रास्ता खुलेगा।

भारत के लिए शुरुआती मैच बेहद अहम – नए फॉर्मेट में ग्रुप स्टेज का महत्व बढ़ गया है। भारत को अपने पूल में इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। दूसरे चरण में पहुंचने के बाद शुरुआती ग्रुप के आपसी मुकाबलों का असर भी आगे पड़ेगा। भारतीय टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने भी शुरुआती पूल मैचों को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। उनके मुताबिक, टॉप-2 में पहुंचना जरूरी है और आगे जाने वाली टीमों के बीच हुए मैच का नतीजा अगले चरण में भी अहम भूमिका निभाएगा।

15 अगस्त से शुरू, 30 को फाइनल – वर्ल्ड कप 15 अगस्त से शुरू होगा और फाइनल 30 अगस्त को खेला जाएगा। सेमीफाइनल 28 और 29 अगस्त को होंगे। ब्रॉन्ज मेडल मैच 30 अगस्त को शाम 5-30 बजे और फाइनल रात 8 बजे खेला जाएगा।

1975 में हॉकी वर्ल्ड कप जीता

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1971 में शुरू हुए पहले हॉकी वर्ल्ड कप से ही इस टूर्नामेंट में खेलना शुरू कर दिया था। टीम ने अब तक 15 बार टूर्नामेंट में भाग लिया और केवल एक बार वर्ल्ड कप जीता है। भारत ने 1975 में कुआलालंपुर, मलेशिया में खेले गए वर्ल्ड कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर यह खिताब अपने नाम किया था।

महिला वर्ल्ड कप भी इसी दौरान

महिला हॉकी वर्ल्ड कप भी 15 अगस्त से नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेला जाएगा। इसमें भी 16 टीमें और चार पूल होंगे। भारतीय महिला टीम को पूल-डी में चीन, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के साथ रखा गया है। भारत महिला टीम 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 18 अगस्त को साउथ अफ्रीका और 20 अगस्त को इंग्लैंड से मुकाबला होगा।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्डकप 2027 के लिए क्वालिफाई

आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई – अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ – अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी।

लिवरपूल क्लब में हिस्सेदारी खरीद रहे लक्ष्मी मित्तल के दामाद

अमित भाटिया ने जेफ बेजोस के साथ मिलकर 17 हजार करोड़ की बोली लगाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटिश-भारतीय बिजनेसमैन अमित भाटिया इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल की टीम लिवरपूल में हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। उन्होंने अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस के साथ मिलकर 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 17 हजार करोड़ रुपए की बोली लगाई है। अभी लिवरपूल का मालिकाना हक

फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के पास है। स्नस्त्र के पास लिवरपूल की 97 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 3 प्रतिशत हिस्सेदारी डायनेस्टी ग्रुप के पास है। डील फाइनल होने के बाद स्नस्त्र के पास 67 प्रतिशत हिस्सेदारी बचेगी। भाटिया और बेजोस के पास 30 प्रतिशत हिस्सा आ जाएगा। डायनेस्टी ग्रुप के पास पहले की तरहल 3 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी नेट्स में डिफेंस की प्रैक्टिस करते दिखे

● दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के लिए खेलेंगे, 23 अगस्त को मुकाबला

ईस्ट जोन की पूरी टीम

ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, सुब्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनिश दास।

नागपुर (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है। वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के कैंप में रेड बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को ट्रेनिंग का वीडियो शेयर किया। इसमें सूर्यवंशी बॉल छोड़ने और डिफेंस करते नजर आए। अटैकिंग शॉट्स पर भी काम किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने सिर्फ प्रिपरेशन लिखा। 15 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले वैभव दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलेंगे। वैभव को टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया है। 23 अगस्त को उनका मैच नॉर्थ-ईस्ट जोन से है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे।

नागपुर में चल रहा 10 दिन का ट्रेनिंग कैंप – जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद वैभव ने अपना फोकस रेड-बॉल क्रिकेट पर कर लिया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने नामीबिया दौरे के लिए नए खिलाड़ियों को दिया मौका, फोर्टुइन को सौंपी कप्तानी

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया में होने वाले अपने अगले व्हाइट-बॉल दौरे के लिए अनुभव और घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का मिश्रण चुना है। स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान बनाया गया है, जो इस महीने के आखिर में टी-20 ट्राई-सीरीज और एक ऐतिहासिक एक दिवसीय सीरीज खेलेगी। प्रोटियाज (साउथ अफ्रीका टीम) सबसे पहले टी-20 ट्राई-सीरीज में नामीबिया और जिम्बाब्वे का सामना करेंगे। यह सीरीज 28 अगस्त से 6 सितंबर तक विंडहोक के नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में होगी। इसके बाद टीम नामीबिया की राजधानी में ही मेजबान टीम के खिलाफ 9 से 13 सितंबर तक तीन वनडे मैच खेलेगी। यह साउथ अफ्रीका और नामीबिया के बीच पहली द्विपक्षीय 50-ओवर की सीरीज होगी।

फोर्टुइन, जो पहले लायंस टीम की कप्तानी कर चुके हैं, अब इस टीम की कमान संभालेंगे। साउथ अफ्रीका कई खिलाड़ियों को अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव को बेहतर बनाने का मौका देना चाहता है। हेड कोच शुकरी कॉनराड ने कहा कि दोनों फॉर्मेट के लिए एक ही ग्रुप को बनाए रखने का फैसला इसलिए लिया गया ताकि निरंतरता बनी रहे और टीम के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ियों का दायरा बढ़ सके। कॉनराड ने कहा, हमने दोनों सीरीज के लिए एक ही टीम चुनी है क्योंकि हमें लगता है कि हमारे सभी विभाग मजबूत हैं और

इससे खिलाड़ियों को अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव (कैप्स) को बढ़ाने का शानदार मौका मिलता है। हमने इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के दौरान कॉनर और न्कोबानी की क्षमता की झलक देखी थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि उस सीरीज के पहले ही मैच में जॉर्डन चोटिल हो गए थे, इसलिए हम उन्हें इस स्तर पर एक और मौका मिलते देखने के लिए उत्सुक हैं।

यह दौरा घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वालों के लिए भी एक बड़ा मौका होगा। डुआन जानसन को 2025/26 के शानदार सीजन के बाद पहली बार सीनियर टीम में बुलाया गया है। इस सीजन में उन्हें डिवीजन 1 वन डे कप प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था और उन्होंने लायंस के खिलाफ फाइनल में नाबाद 61 रन बनाकर टाइटंस को खिताब जिताने में मदद की थी।

ईथन बॉश दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें अभी तक टी-20 में खेलने का मौका नहीं मिला है, जबकि कॉनर एस्टरहुइजेन, जॉर्डन हरमन और न्कोबानी मोकोएना को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, इस दौरे ने उन खिलाड़ियों के लिए भी रास्ते खोल दिए हैं जिन्होंने घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। डुआन उन्हीं खिलाड़ियों में से एक हैं। वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं और उन्होंने टाइटन्स के लिए शानदार खेल दिखाया है। ब्योर्न एक अनुभवी खिलाड़ी और साबित हो चुके लीडर हैं, जिन्होंने लायंस की कप्तानी बखूबी निभाई है। हमें पूरा भरोसा है कि वह इस टीम को अच्छी तरह से लीड कर सकते हैं। पड़ोसी देशों के खिलाफ खेलना हमेशा रोमांचक होता है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में अकाली दल और बीजेपी के बीच गठबंधन होगा या नहीं, हरियाणा सीएम ने अटकलों पर दिया जवाब

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में बीजेपी और अकाली दल के गठबंधन को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने पीएम मोदी और सुखबीर सिंह बादल की मुलाकात को सामान्य बताया। सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठक को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। सैनी यह बात तब कह रहे थे जब उनसे 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच फिर से गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के बीच बैठक हुई थी। जिसके बाद दोनों नेताओं की मुलाकात से कयास लगाए जाने लगे कि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी के बीच गठबंधन हो सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने गठबंधन को नकारते हुए मीडियाकर्मियों से कहा कि पंजाब की जनता अब समझ गई है कि राज्य का विकास और लोगों का कल्याण केवल 'डबल इंजन सरकार' से ही संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ देशवासियों के दिलों की आवाज हैं। अगर कोई प्रधानमंत्री से मिलना चाहता है, तो वह ऐसा करने के लिए आजाद है। प्रधानमंत्री से किसी की भी मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से देखने की जरूरत नहीं है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष ने भी किया क्लियर वहीं, भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने साफ किया कि बीजेपी पंजाब विधानसभा की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अकाली दल से गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं। रूपनगर में सोमवार को भाजपा की ओर से निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल होने पहुंचे ढिल्लों ने कहा कि पार्टी की ओर से अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

पटना में 6 साल में 19 गुना बढ़ी सीएनजी की खपत, हर दिन 1.40 लाख किलो गैस की मांग

पटना, एजेंसी। राजधानी में सीएनजी के नेटवर्क में लगातार विस्तार हो रहा है। खपत

भी कई गुना बढ़ी है। गेल इंडिया ने पटना में सात वर्ष पहले तीन सीएनजी स्टेशनों से आपूर्ति आरंभ की थी। फरवरी 2025 तक पटना और आसपास के इलाकों में 30 स्टेशन संचालित हो रहे थे। इसके बाद भी स्टेशनों का विस्तार जारी रहा और वर्तमान में संख्या 41 हो गई है। गेल के महाप्रबंधक एके सिन्हा ने बताया कि वर्ष 2019-20 में 19 लाख किलो सीएनजी की आपूर्ति हो रही थी। वहीं, 2020-21 में 47 लाख, 2021-22 में 1.27 करोड़, 2022-23 में 2.52 करोड़ और 2023-24 में बढ़कर 3.14 करोड़ किलो हो गई। 2024-25 में यह 3.60 करोड़ किलो तक पहुंचने का अनुमान था। यानी छह साल में सीएनजी की वार्षिक आपूर्ति करीब 19 गुना बढ़ गई। वर्तमान में पटना में प्रतिदिन 1.40 लाख किलो सीएनजी की खपत हो रही है। वर्ष 2025 में 90 हजार किलो प्रतिदिन, जबकि वर्ष 2024 में 70 हजार के आसपास खपत थी। मांग के कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में नए स्टेशन खोलने के साथ आपूर्ति ढांचे को भी मजबूत किया जा रहा है। सीएनजी आपूर्ति में शहरी इलाकों में पंपों पर जहां लंबी कतारें लग रही हैं, वहीं, ग्रामीण इलाके जैसे बिहटा आदि में आपूर्ति की समस्या है। उपभोक्ताओं के अनुसार, कई दिन घंटों सीएनजी नहीं है के बोर्ड पंपों पर टंगे मिलते हैं। इस कारण वाहन चालक एक-दूसरे पंप का चक्कर लगाते रहते हैं। हालांकि, पटना और आसपास के इलाके में सीएनजी-पीएनजी की आपूर्ति के लिए नौबतपुर मदर स्टेशन लंबे समय से प्रमुख आधार रहा है। इसके अलावा गर्दनीबाग में मदर सीएनजी स्टेशन विकसित की गई है। इससे गर्दनीबाग, चितकोहरा, अनिसाबाद, बेउर और आसपास के क्षेत्रों में आपूर्ति को आसान बनाया जाने की कवायद हो रही है।

अगले 5 दिन यूपी से राजस्थान तक खूब होगी बारिश, एमपी में घरों में घुसा पानी; महाराष्ट्र के लिए यलो अलर्ट जारी

जयपुर, लखनऊ, मुंबई, एजेंसी। भारत में मानसून की सक्रियता का एक और दौर देखने को मिल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में व्यापक बारिश का अनुमान लगाया है। मानसूनी सीजन के चलते देश में कई जगहों पर बाढ़ तो कहीं बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं और इनका पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। कई जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है तो कई जगहों पर तेज बारिश का यलो अलर्ट है।

मध्य प्रदेश में भी बढ़ा जैसे हालात बन गए हैं। नदियां उफान पर रहीं और कई रास्ते बंद हो गए। राजधानी भोपाल सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, यहां एक हजार से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित कई इलाकों में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। यहां 11 अगस्त और आने वाले दिनों के लिए भारत का मौसम का ताजा पूर्वानुमान दिया गया है।

आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी, पूर्वोत्तर और पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही कई राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है।

यूपी में नदियों में समाए घर

पहाड़ों पर हो रही जबरदस्त बारिश की वजह से उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद और बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। 40 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं, फर्रुखाबाद में 25 घर गंगा नदी में समा गए। 11 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में हफ्ते के आखिर में बड़े पैमाने पर बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 14 और 15 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 से 15 अगस्त के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। 11 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है और आने वाले दिनों में भी ऐसी गतिविधियां

हो सकती हैं। राजस्थान के 6 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 17 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हड़ौती क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 12 इंच तक बारिश हुई। राजस्थान उन इलाकों में शामिल है जहां बहुत तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है और 11 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में भी 12 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि 11 अगस्त को कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। 10 से 12 अगस्त के दौरान इस पूरे इलाके में अच्छी-खासी बारिश होने की उम्मीद है। 11 और 12 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान में भी भारी बारिश हो सकती है। साथ ही कुछ इलाकों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। 11 अगस्त को दिल्ली और हरियाणा में काफी बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है और 13 अगस्त को भी बारिश का एक और दौर आ सकता है। मौसम विभाग ने 11 अगस्त और फिर 13 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मानसून के एक्टिव दौर में राजधानी में आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की भी संभावना है। लोगों को अचानक तेज बारिश, जल-जमाव और ट्रैफिक में रुकावट को लेकर सतर्क रहना चाहिए। खासकर जब बारिश बहुत तेज हो।

यूपी के सभी मुख्य डाकघरों में अब रविवार को भी मिलेगी आधार सेवा

बायोमीट्रिक अपडेट कराना हुआ आसान

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यालय परिक्षेत्र के जिलों में रविवार को भी आधार पंजीयन, अपडेट और संशोधन सुविधा शुरू करने के बाद इस व्यवस्था को प्रदेश के सभी जिलों में लागू किया जा रहा है। अब सभी जिलों में मुख्य डाकघर (हेड पोस्ट ऑफिस) में रविवार को आधार का एक-एक काउंटर शुरू किया जा रहा है। मुख्यालय परिक्षेत्र के लखनऊ, सीतापुर, अयोध्या, रायबरेली व

बाराबंकी सहित कई जिलों में यह व्यवस्था प्रभावी है, जबकि अन्य जिलों को भी यह व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। पोस्ट मास्टर जनरल (पीएमजी) सुनील कुमार राय ने बताया कि मुख्यालय के छह जिलों (लखनऊ, रायबरेली, अंबेडकरनगर, सीतापुर, बाराबंकी व अयोध्या) के 156 डाकघरों में आधार सेवा केंद्र संचालित हैं, जबकि 886 मोबाइल डिवाइस के जरिए घर-घर आधार सेवाएं भी दी जा रही हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग आधार पंजीयन या अपडेट इसलिए नहीं करा पा रहे हैं, क्योंकि वे कार्यदिवस में ऑफिस, विद्यालय या अन्य कार्यों को छोड़कर आ नहीं पाते। इसे देखते हुए मुख्यालय परिक्षेत्र में गत मई में रविवार को आधार बनाने की व्यवस्था लागू की गई थी। परिक्षेत्र में गत अप्रैल से 22 जुलाई तक 91,650 आधार नामांकन किए गए, जबकि 3,66,537 लोगों के आधार अपडेट व संशोधित किए गए। निश्चित ही रविवार को भी आधार पंजीयन शुरू किए जाने से लोगों को आसानी हुई। अब इसे प्रदेश के सभी जिलों में लागू करने का निर्णय लिया गया। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बच्चों के पांच और 15 वर्ष की आयु पूरी करने पर अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट (एमबीयू) को अनिवार्य किया है।पांच और 15 वर्ष की आयु पर बच्चों के आधार में फिंगर प्रिंट, आइरिस और फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से अपडेट किया जाता है। बच्चों के बायोमीट्रिक डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए एमबीयू का समय पर पूरा होना आवश्यक है।

देहरादून में हाथी के हमले में महिला की मौत, सोलर फेंसिंग को लेकर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

डोईवाला(देहरादून), एजेंसी। ग्राम पंचायत बड़ासी ग्रांट के धन्याडी में सोमवार शाम हाथी ने दूध लेकर घर लौट रही एक महिला पर हमला कर दिया जिस पर देर रात्रि

हमले में गंभीर रूप से घायल महिला अंजली गुप्ता (37) की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक के साथ ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से हाथियों की आवाजाही बनी हुई है और कई बार सोलर फेंसिंग लगाने की मांग उठाए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार धन्याड़ी गांव निवासी अंजली गुप्ता पुत्री विक्रम सिंह मनवाल सोमवार शाम दूध लेकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में हाथी ने उन पर हमला कर दिया। हाथी के हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्वजनों ने उन्हें देहरादून स्थित सीएमआई अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार धीरेंद्र पंवार समेत कई जनप्रतिनिधि देर रात अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों के अनुसार, घटना से पहले दिन में सौड़ा सरोली क्षेत्र के खेतों में हाथी देखा गया था। हाथी का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इसके बावजूद हाथी की आवाजाही को लेकर प्रभावी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों ने बताया कि गत 15 जनवरी को थानों में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में ग्राम प्रधान राहुल मनवाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने डोईवाला एसडीएम और विधायक के समक्ष क्षेत्र में सोलर फेंसिंग लगाने की मांग रखी थी। इसके बावजूद मांग पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्राम प्रधान राहुल मनवाल ने महिला की मौत पर गहरा रोष जताते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने हाथियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के साथ सोलर फेंसिंग का कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की। थानों क्षेत्र के जंगल से सटे गांवों में हाथियों की आवाजाही लगातार ग्रामीणों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए केवल घटनाओं के बाद सक्रिय होने के बजाय पहले से प्रभावी इंतजाम किए जाने जरूरी हैं। ग्रामीणों की ओर से भी आबादी क्षेत्रों में वन्यजीवों की दस्तक रोकने और सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम करने की मांग लगातार उठाई जाती रही। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से आबादी क्षेत्रों में वन्यजीवों की आमद रोकने के लिए अपेक्षित प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। अब हाथी के हमले में महिला की मौत की घटना ने वन विभाग की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा के ठोस उपाय किए जाते तो शायद इस तरह की घटना को टाला जा सकता था।

मेटा-गूगल, टिकटॉक और स्नैपचैट को लत लगाने से जुड़े मुकदमों का करना होगा सामना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अपील्स कोर्ट ने सोशल मीडिया जायंट्स मेटा, गूगल, टिकटॉक और स्नैपचैट की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कानूनी सुरक्षा की मांग की थी। अदालत के इस ऐतिहासिक फैसले के बाद अब इन कंपनियों को हजारों मुकदमों का सामना करना होगा।

इन मुकदमों में आरोप है कि इन प्लेटफॉर्म्स को जानबूझकर ऐसा लत लगाने वाला डिजाइन दिया गया, जिसने युवा यूजर्स के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। कंपनियों ने कम्युनिकेशन डिसेंसी एक्ट की धारा 230 का हवाला देकर बचने की कोशिश की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे पूरी तरह अमान्य कर दिया। यह निर्णय टेक इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा कानूनी झटका माना जा रहा है।

रॉयटर्स के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को स्थित 9वें यूएस सर्किट कोर्ट ने मेटा और टिकटॉक की अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें कंपनियों ने निचली अदालत के उस फैसले को पलटने की मांग की थी जिसने 3,000 से अधिक संघीय मामलों को आगे बढ़ने की

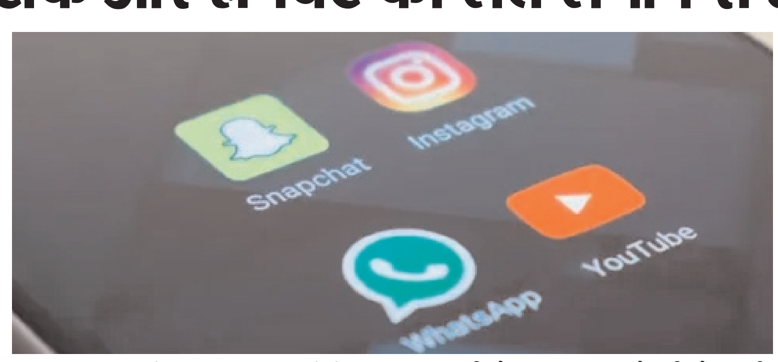

अनुमति दी थी। सोशल मीडिया दिग्गजों ने यह भी तर्क दिया था कि कम्युनिकेशंस डिसेंसी एक्ट की धारा 230, जो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स के कंटेंट की जिम्मेदारी से बचाती है, उन्हें उन दावों से भी बचाए जो यह कहते हैं कि उनके डिजाइन लत को बढ़ावा देते हैं। 9वें सर्किट कोर्ट ने इस तर्क से पूरी तरह असहमति जताते हुए फैसला दिया कि धारा 230 मुकदमे से पूरी तरह छूट देने के बजाय जवाबदेही के खिलाफ बचाव प्रदान करती है, जिसका अर्थ है कि यह अपील प्रक्रिया में बहुत जल्दबाजी में की गई थी।

मल्टीस्टेट ट्रायल टालने की मेटा की कोशिश भी नाकाम: अदालत ने मेटा के उस अनुरोध को भी खारिज कर दिया जिसमें उसने 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल द्वारा लाए गए एक मल्टीस्टेट ट्रायल को टालने की मांग की थी। इन अटॉर्नी जनरल का आरोप है कि कंपनी ने अवैध रूप से बच्चों का डेटा एकत्र किया, अपने प्लेटफॉर्म्स को इस तरह से डिजाइन किया कि युवा यूजर्स उससे चिपके रहें, और सुरक्षा के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह किया। यह ट्रायल बुधवार से शुरू होने वाला है।

यह फैसला पिछले हफ्ते न्यू मैक्सिको की एक अदालत के उस फैसले के बाद आया है, जिसमें पाया गया था कि मेटा ने पब्लिक न्यूसेंस पैदा किया है। अदालत ने उसे किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य कोष में 56.7 करोड़ डॉलर का भुगतान करने और युवाओं की सुरक्षा के उपाय लागू करने का आदेश दिया था।

बढ़ते कानूनी मामलों का सिलसिला: सोमवार का यह फैसला न्यू मैक्सिको के एक न्यायाधीश के उस फैसले के कुछ ही दिनों बाद आया है, जिसमें मेटा को राज्य में %पब्लिक न्यूसेंस% पैदा करने का दोषी पाया गया था और कंपनी को टीन मेंटल हेल्थ फंड में 567 मिलियन डॉलर का भुगतान करने के साथ-साथ यूथ-सेफ्टी उपाय लागू करने का आदेश दिया गया था। यह उसी मुकदमे के पहले चरण के बाद हुआ, जिसमें जूरी ने यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि मेटा ने अपने प्लेटफॉर्म की सुरक्षा के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह किया, कंपनी को 375 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया था।

ट्रायल के लिए भी रास्ता साफ

संघीय मुकदमेबाजी में हजारों स्कूल जिलों और व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अटॉर्नी लेक्सी हजाम और प्रेविन वारेन ने कहा कि यह फैसला न केवल राज्यों के ट्रायल के लिए, बल्कि फरवरी में निर्धारित स्कूल डिस्ट्रिक्ट दावों पर एक अलग ट्रायल के लिए भी रास्ता साफ करता है। जिन संघीय मामलों को अब आगे बढ़ने की मंजूरी मिल गई है, वे ओकलैंड, कैलिफोर्निया में अमेरिकी जिला न्यायाधीश यवोन गोंजालेज रोजर्स के समक्ष केंद्रित हैं, और उनमें हर्जाना, जुर्माना और बहाली की मांग की गई है। ये मामले रोजर्स के 2023 और 2024 के उन आदेशों से उत्पन्न हुए हैं, जिन्होंने काफी हद तक मुकदमेबाजी को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी, कंपनियां तब से ही इन आदेशों के खिलाफ अपील कर रही थीं। अदालतों में सैकड़ों अतिरिक्त मुकदमों का भी सामना करना पड़ रहा है, जिनमें कैलिफोर्निया राज्य की अदालत में एकल कार्यवाही में लगभग 3,300 समेकित मामले शामिल हैं।

काश पटेल अक्तूबर में जाएंगे रूस, एफबीआई प्रमुख कोई बड़ा लेन-देन करने जा रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल अक्तूबर के मध्य में रूस की यात्रा करने की तैयारी में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल 14 और 15 अक्तूबर को मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जाएंगे। यह यात्रा ऐसे समय प्रस्तावित है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख का रूस जाना इसलिए भी असामान्य माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध लंबे समय से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। यात्रा की आधिकारिक एजेंडा संबंधी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि पटेल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन या क्रेमलिन के किसी वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात करेंगे या नहीं।

पटेल की यात्रा के दौरान रूस की प्रमुख सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मेजबानी करने की संभावना बताई गई है। एफएसबी रूस की प्रमुख सुरक्षा संरचना है, जिसे सोवियत दौर की केजीबी का उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पटेल एफएसबी के अधिकारियों के अलावा किन लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके दौरे का आधिकारिक एजेंडा भी सार्वजनिक नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी जानकारी में 14-15 अक्तूबर की तारीख और मॉस्को के बाद सेंट पीटर्सबर्ग जाने की योजना की पुष्टि की गई है। ऐसे में यात्रा के सुरक्षा, खुफिया सहयोग और दोनों देशों के बीच संवेदनशील मुद्दों से जुड़े होने की

संभावना पर नजर रहेगी।

पटेल की संभावित यात्रा पर रूस के एक राज्य समर्थित प्रकाशन ने सवाल उठाया कि अगर एफबीआई निदेशक रूस से किसी तरह की मदद चाहते हैं तो अमेरिका की तरफ से बदले में क्या पेशकश हो सकती है। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्बातोव इंस्टीट्यूट से जुड़े व्लादिमीर वासिलिएव ने कहा कि रूस के पास अमेरिकी डेमोक्रेट्स से जुड़ी कथित जानकारी हो सकती है और उसे किसी रूप में अमेरिका के साथ साझा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस बदले में पूछ सकता है कि उसे क्या मिलेगा। हालांकि, यह टिप्पणी किसी आधिकारिक रूसी प्रस्ताव के तौर पर सामने नहीं आई है। यह केवल संभावित यात्रा को लेकर रूसी पक्ष से की गई अटकल और विश्लेषण है। काश पटेल का नाम पहले भी रूस से जुड़े अमेरिकी राजनीतिक विवादों में सामने आता रहा है। इनमें 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के अभियान और रूस के कथित संबंधों की जांच पर सवाल उठाए गए थे। पटेल ने इन जांचों को लेकर ट्रंप के पक्ष में रुख अपनाया था। एफबीआई निदेशक बनने के बाद उनकी विदेश यात्राओं को भी अमेरिकी कांग्रेस में करीब से देखा गया है। रूस की प्रस्तावित यात्रा इसी वजह से और ज्यादा संवेदनशील मानी जा रही है। खास बात यह है कि अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर गंभीर मतभेद बने हुए हैं। आधिकारिक तौर पर रूस जाने वाले अंतिम ज्ञात एफबीआई निदेशक रॉबर्ट म्यूलर थे, जिन्होंने 2013 में रूस की यात्रा की थी। बाद में म्यूलर को विशेष वकील नियुक्त किया गया था और उन्होंने 2016 के ट्रंप राष्ट्रपति अभियान और रूस के कथित संबंधों के साथ अमेरिकी चुनाव में रूस के हस्तक्षेप से जुड़े आरोपों की जांच की थी। अब काश पटेल की प्रस्तावित यात्रा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह यात्रा सिर्फ सुरक्षा और खुफिया संपर्क तक सीमित रहेगी या यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-रूस संबंधों पर भी बातचीत होगी। क्या पुतिन या वरिष्ठ रूसी अधिकारियों से उनकी मुलाकात होगी। और सबसे बड़ा सवाल यह है कि रूस की ओर से जिस संभावित 'लेन-देन' की बात कही गई है,

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को मौत की सजा, दमिश्क की अदालत ने सुनाया फैसला

दमिश्क , एजेंसी। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को दमिश्क की एक आपराधिक अदालत ने युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। सीरिया के 14 साल के संघर्ष में लगभग पांच लाख लोग मारे गए थे। उनके छोटे भाई माहेर अल-असद, जो सीरियाई सेना में एक पूर्व अधिकारी थे, को भी मौत की सजा सुनाई गई है। असद के ममेरे भाई को भी मौत की सजा इसी मामले में असद के ममेरे भाई आतिफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई गई। नजीब सीरियाई सेना के पूर्व ब्रिगेडियर जनरल थे और 2011 में असद के शासनकाल में दक्षिणी सीरिया के दारा प्रांत में पॉलिटिकल सिक्योरिटी ब्रांच के प्रमुख थे। उन पर दारा प्रांत में उस कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप था जिसके कारण विद्रोह हुआ और बाद में गृह युद्ध छिड़ गया। अदालत ने फैसला सुनाया कि नजीब ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों की जानबूझकर हत्या की और ऐसी यातना दी जिससे मौत हो गई। अदालत ने कहा कि उनके द्वारा किए गए कृत्य मानवता के खिलाफ अपराध हैं और उन्हें सबसे कठोर सजा, यानी मौत की सजा सुनाई। दिसंबर 2024 में जब विद्रोही ताकतों ने दमिश्क को घेरा, तब बशर अल-असद अपने परिवार के साथ मॉस्को भाग गए थे। हालांकि, नजीब सीरिया में ही रुक गए थे, जिन्हें बाद में हिरासत में लेकर मुकदमा चलाया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,